

# शिक्षा की प्रगति

१९६६-६८



शिक्षा निदेशालय, उ.प्र., इलाहाबाद

**उत्तर प्रदेश में शिक्षा की प्रगति**

**भाग 1**

**सामान्य-शिक्षा**

**1977-78**

शिक्षा विदेशालय, उत्तर प्रदेश  
इलाहाबाद

## विषय-सूची

अध्याय					पृष्ठ संख्या
1--ग्रामाचार्य पर्यवेक्षण .. .. .	..	..	..	..	1-3
2--प्राथमिक शिक्षा .. .. .	..	..	..	..	4-5
3--पूर्व माध्यमिक शिक्षा .. .. .	..	..	..	..	6
4--माध्यमिक शिक्षा .. .. .	..	..	..	..	7-9
5--अध्यापक प्रशिक्षण .. .. .	..	..	..	..	10
6--उच्च शिक्षा .. .. .	..	..	..	..	11-13
7--विविध .. .. .	..	..	..	..	14-22

## अध्याय-1

### सामान्य पर्यवेक्षण

शिक्षा मानव के सर्वतोमुखी विकास का सर्वोत्तम साधन है। भारत में स्वाधीनता प्राप्ति के पश्चात् पंचवर्षीय योजनाओं के माध्यम से राष्ट्र उत्थान की और तीव्रगति से प्रयास किया जाने लगा। हमारे प्रदेश में भी समाज के कल्याण के लिये जिसमें उनकी शिक्षा दीक्षा सम्मिलित है अनेक प्रभावी पदक्रम उठाये गये।

वर्ष 1977-78 पंचम पंचवर्षीय योजना का चतुर्थ वर्ष है। इस वर्ष शासन ने प्राथमिक शिक्षा के सर्वजनीकरण एवं प्रौढ़ शिक्षा के कार्यक्रमों के विस्तार को अन्य कार्यक्रमों के साथ साथ विशेष महत्व दिया। शिक्षा में गुणात्मक सुधार की और विशेष प्रयास किये गये एवं विगत वर्षों की भांति छात्रों एवम् अध्यापकों के कल्याणार्थ आर्थिक सहायता प्रदान की गई।

2—शिक्षा में गुणात्मक सुधार—अ—प्रारम्भिक स्तर—प्रदेश में दीक्षा विद्यालयों के माध्यम से स्कूल के कार्यरत शिक्षकों जिनमें उर्दू अध्यापक भी सम्मिलित हैं, के लिये पत्राचार प्रणाली द्वारा जो प्रशिक्षण दिया जा रहा था वह जनवरी, 1978 में पूरा हुआ गया। इसके अनिश्चित कार्यरत अध्यापक, प्रमाण-पत्र परीक्षा में 452 अध्यापक उत्तीर्ण घोषित किये गये। विज्ञान अध्यापकों के अभाव को दूर करने के लिये प्रत्येक जनपद के एक दीक्षा विद्यालय में 50 प्रतिशत स्थान विज्ञान अभ्यर्थियों के लिये सुरक्षित कर दिये गये हैं।

ब—माध्यमिक स्तर—उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अप्रशिक्षित अध्यापकों को 0 टी 0/ एल 0 टी 0 प्रशिक्षण की जो सेवारत सुविधा उपलब्ध कराने की व्यवस्था हेतु सेण्डविच, प्र शिक्षण का आयोजन किया गया था वह 1977 के ग्रीष्मावकाश में पूर्ण हुआ। दीक्षा विद्यालयों की भांति एल 0 टी 0 प्रशिक्षण में भी 50 प्रतिशत स्थान विज्ञान स्नातकों के लिये सुरक्षित रखे गये हैं जिससे विज्ञान की शिक्षा समुचित ढंग से देने के लिये अध्यापक उपलब्ध हो सके।

स—उच्च स्तर—राजकीय महाविद्यालय हमीरपुर में स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय की व्यवस्था की गई। चालू वित्तीय वर्ष में शासन ने गाजीपुर में एक राजकीय बालिका महाविद्यालय एवम् चकिया (वाराणसी) में बालकों का एक राजकीय महाविद्यालय स्थापित किया है। विप्रव-विद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संस्तुत वेतनमान राजकीय महाविद्यालयों के शिक्षकों को भी 1-1-73 से ही इसी वर्ष स्वीकृत किया गया है।

3—शैक्षिक योजनाएँ—अनेक कारणों से जो बच्चे/प्राथमरी स्तर पर ही अपनी पढ़ाई छोड़ देते हैं और निरक्षर हो जाते हैं उन्हें भाषा ज्ञान, अंकज्ञान तथा स्थानीय व्यावसायिक प्रशिक्षण देने हेतु अनीपचारिक शिक्षण योजना प्रत्येक जनपद में लागू की गयी है। इसके साथ-साथ ह्याम एवम् अवरोध की समस्या से निपटने के लिये शंकरगढ़ के प्रयोग के समान डलमऊ (रायबरेली) तथा जवा (अलीगढ़) विकासखण्डों में एकीकृत बाल कल्याण योजना के अन्तर्गत अभ्ययन प्रारम्भ किया गया है।

4—अध्यापक कल्याण कार्यक्रम—अ—प्रारम्भिक स्तर—पर कार्यरत अप्रशिक्षित अध्यापकों को जिनकी सेवा पांच वर्ष से अधिक है उन्हें कार्यरत अध्यापक प्रमाण-पत्र तथा जिनकी सेवा 5 वर्ष से कम है उन्हें पत्राचार प्रणाली द्वारा प्रशिक्षित करने की सुविधा दी गई है। फरवरी, 1974 से बेसिक शिक्षा परिषद् के समस्त अध्यापकों को संशोधित वेतनमान दिया जा रहा है।

इसके प्रतिरुक्त इस वर्ष परिवर्द्ध को समस्त अध्यापक/कर्मचारियों को महापालिकाओं में 10 प्रतिशत एवम् 14 नगर पालिकाओं में साढ़े सात प्रतिशत मकान किराया भत्ता देने की व्यवस्था की है। कई वर्षों से सेवा निवृत्ति के कारण हुई रिक्तियों पर नयी रोक को शासन ने हटा दिया और 10,900 स्थानों पर नियुक्ति करने की अनुमति दे दी। इसमें प्रशिक्षित बेरोजगारों में से काफी को सहायता मिली है।

ब—माध्यमिक स्तर—प्रबन्धकों द्वारा अध्यापकों की अनावश्यक परित्यजना रोकने की दृष्टि से माध्यमिक शिक्षा विधि (संशोधन) अधिनियम, 1975 में यह व्यवस्था की गई है किमी अध्यापक को 60 दिन से अधिक बिना जिला विद्यालय निरीक्षक की अनुमति के निलम्बित नहीं रखा जायेगा। अध्यापकों की नियुक्ति के लिये भी गुणात्मक आधार पर नियम लागू कर दिये गये हैं।

स—छिपी स्तर (1) पहली अप्रैल, 1975 में नई वेतन वितरण प्रणाली के अनुसार सभी सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के वेतन का भुगतान सरकारी ऐजेन्सी के माध्यम से कराया जा रहा है। (2) प्रदेश में सहायता प्राप्त महाविद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों एवम् शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के लिये 1 मार्च, 1976 में सामूहिक जीवन बीमा योजना लागू की गई है।

5—छात्रों के लिये विशेष सुविधायें—(1) जुलाई, 1976 में प्राचीण क्षेत्रों के प्रतिभाषान छात्रों का कक्षा 9 व 10 में आयासीय शिक्षा की सुविधा देने की योजना का इस वर्ष विस्तार किया गया।

(2) सीमा सुरक्षा दल के आश्रितों का निःशुल्क शिक्षा एवं छात्र वेतन की सुविधायें उपलब्ध की गई हैं।

(3) ऐसे पुरुष/महिला जिनकी आयु 14 वर्ष या उससे अधिक है हाईस्कूल परीक्षा में बिना कक्षा 8 पास किये हुये सम्मिलित हो सकते हैं।

(4) विद्यालयों में पुस्तकीय सहायता एवम् छात्र वेतन की संख्या बढ़ा दी गई है।

6—अनुसूचित/अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को शैक्षिक सुविधायें—(1) वैसिक संस्थाओं में 6 प्रवेश स्थान में से एक स्थान अनुसूचित जाति के बच्चों/अभ्यर्थियों के लिये सुरक्षित रखा जाता है।

(2) अनुसूचित जाति के ऐसे अभिभावकों, जिनका प्रतिमास आय 500 रुपये तक है, के बच्चों को कक्षा 12 तक निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था उपलब्ध की गई है।

(3) राजकीय एवं अराजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों, प्रशिक्षण संस्थाओं तथा वैसिक शिक्षा परिषद के छात्रावासों में 18 प्रतिशत स्थान अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों के लिये सुरक्षित रखे गये हैं।

(4) अनुसूचित जाति के छात्रों के छात्र वेतन में 50 प्रतिशत की वृद्धि कर दी गई है और उनके भुगतान के लिये उस धनराशि का छात्रों के नाम में डाकघर में खुले खाते में जमा करने को आदेश दे दिये गये हैं जिससे उन्हें छात्र वेतन मिलने में कोई असुविधा न हो।

(5) अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के छात्रों की शिक्षा के लिये आर्थिक पद्धति के विद्यालय खोलकर निःशुल्क आवास तथा शिक्षा की व्यवस्था की गई है।

(6) अनुसूचित जाति/जनजाति के अभ्यर्थियों का निष्काय तथा गैर शिक्षण पदों पर नियुक्ति के लिये स्थान सुरक्षित रखे गये हैं।

(7) वैसिक शिक्षा परिषद में नियुक्ति के लिये अनुसूचित जाति एवं जनजाति के सुरक्षित पदों को क्रमशः 18 प्रतिशत तथा 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 45 प्रतिशत कर दिया गया है जिससे उनका प्रतिशत कम से कम निर्धारित प्रतिशत तक पहुँच आता है।

7—उर्दू शिक्षा एवं अल्प संख्यक जाति की सुविधायें—(अ) प्राइमरी स्तर पर प्रशिक्षित उर्दू अध्यापकों को उपलब्ध करने के लिये प्रदेश में लखनऊ, आगरा, मेरठ (मवाना) और वाराणसी (सकलडीहा) के राजकीय दीक्षा विद्यालयों में उर्दू की 4 बी०टी०सी० प्रशिक्षण इकाइयां चल रही हैं। अन्य अप्रशिक्षित अध्यापकों के समान अप्रशिक्षित उर्दू अध्यापकों को सेवारत बी०टी०सी० प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान की गई है।

(ब) कक्षा 1 से 8 तक की राष्ट्रीयकृत पाठ्य-पुस्तकों के उर्दू संस्करण बाजार में उपलब्ध हैं। आवश्यकतानुसार उर्दू की पुस्तकों के लेखन कार्य में उर्दू अकादमी की सहायता ली जाती है।

(स) मकतबों का अनुदान दुगुना कर दिया गया है।

(द) असासकीय डिग्री कलेजों में जहां उर्दू शिक्षा की व्यवस्था है उर्दू विषय को प्रथम वर्ष से ही अनुदान सूची पर लाया जाता है।

(य) राजकीय संस्थाओं में जहां एक भी छात्र उर्दू पढ़ना चाहता है वहां उर्दू अध्यापक उपलब्ध करा दिया जाता है।

(ज) अल्प संख्यक संस्थाओं को उनके आवेदन पर उनके संविधान के आधार पर अल्प संख्यक संस्था घोषित किया जाता है जिसमें इनके प्रबन्धाधिकरण अपनी संस्था की विधि के अनुसार प्रशासनिक व्यवस्था कर सकें।

8—प्राच्य एवं दक्षिण भारतीय भाषाओं की सुविधायें—प्राच्य भाषाओं की शिक्षण संस्थाओं में कार्यरत अध्यापकों को नियत वेतन के स्थान पर वेतनमान देकर संस्कृत एवम् अरबी संस्थाओं का स्तर उठाने का प्रयास किया गया है। दक्षिण भारतीय भाषाओं—तामिल, तेलगू, कन्नड़ तथा मलयालम के शिक्षण की व्यवस्था चुनी हुई संस्थाओं में उपलब्ध कराई गई है।

9—युवक कल्याण कार्यक्रम—युवकों के सर्वांगीण विकास हेतु शारीरिक शिक्षा, खेलकूद तथा समाज सेवा के कार्यक्रम, जिला मंडल तथा राज्य स्तर पर आयोजित किये जाते हैं।

(1) प्रदेश में कक्षा 6 से 8 तक बालचर (स्काउटिंग) कार्यक्रम अनिवार्य कर दिया गया है।

(2) कक्षा 8 तक प्राथमिक चिकित्सा एवं जूनियर रेडक्रास प्रशिक्षण अनिवार्य कर दिया गया है।

(3) भारतीय पद्धति के व्यायाम और योगिक आसनों को बेसिक स्कूलों के पाठ्यक्रम का अनिवार्य अंग बना दिया गया है।

(4) प्रतिभावान खिलाड़ियों को छात्र वेतन देने की योजना चल रही है।

(5) महाविद्यालयों के छात्रों के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत, "रोग और मन्सो के विरुद्ध अभियान" संबंधी शिविर संचालित किये गये हैं।

10—विविध—(1) सी०टी० प्रशिक्षण के समाप्त होने पर प्रदेश के सभी जे०बी०टी०सी० प्रशिक्षण केंद्रों का समाप्त करके उन्हें क्षेत्रीय राज्य संस्थान के रूप में परिवर्तित कर दिया गया है। जिससे उनमें क्षेत्रीय अध्यापकों का सेवारत प्रशिक्षण, कार्यगोष्ठी, शोध एवम् सेमिनार आदि का आयोजन व्यापक रूप से हो सके और अपने-अपने क्षेत्र की स्थानीय समस्याओं का अध्ययन कर वे निदान प्रस्तुत कर सकें।

(2) प्रदेश के समस्त शिक्षण एवम् शिक्षणोत्तर कर्मचारियों को 1 सितम्बर, 1977 से प्रतिनिश्चित महंगाई भत्ते की एक और किरत प्रदान की गई है।

(3) 1977-78 में 3,162 जूनियर बेसिक तथा 612 सीनियर बेसिक स्कूल खोलने की स्वीकृति आमन ने प्रदान की और प्रौढ़ शिक्षा के विस्तार के लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत क्षेत्र में एक प्रौढ़ शिक्षा केंद्र देने की दिशा में 6,000 केंद्र खोले गये।

## अध्याय—2

### प्राथमिक शिक्षा

#### 1—पूर्व प्राथमिक (शिशु) शिक्षा

नर्सरी शिक्षा आयु वर्ग 3-7 वर्ष तक के बालक/बालिकाओं को दी जाती है। अधिकांश पूर्व माध्यमिक शिक्षा की व्यवस्था निजी संस्थाओं द्वारा की जाती है। इस समय प्रदेश में कुल 124 गैर सरकारी शिक्षा संस्थाएँ चल रही हैं जिनमें 2 ग्रामीण एवं 122 नगर क्षेत्र में स्थित हैं। शिशु शिक्षा महंगी होने के कारण मांसन द्वारा स्वयं प्रयोगात्मक रूप से प्रशिक्षण संस्थाओं से सम्बद्ध 10 राजकीय शिशु केंद्र चलाये जा रहे हैं। सरकार द्वारा कतिपय अग्रगण्य मान्यता प्राप्त नर्सरी विद्यालयों को आवर्तक एवं अनावर्तक अनुदान दिया जाता है। इन केंद्रों पर 10,178 बालक तथा 8,687 बालिकाएँ कुल 18,865 बच्चे नामांकित हैं।

#### 2—प्राथमिक शिक्षा (जूनियर बेसिक)

भारतीय संविधान के निर्देशक सिद्धान्तों की पूर्ति हेतु प्राथमिक शिक्षा के विस्तार के लिये अत्यधिक प्रयास किया जा रहा है। प्राथमिक शिक्षा के सार्वजनिकरण, की प्राप्ति के लिये बच्चों के घर से मैदानी क्षेत्र में डेढ़ कि० मी० तथा पर्वतीय क्षेत्र में एक कि० मी० की परिधि में एक जूनियर बेसिक स्कूल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है।

(3) तृतीय सर्वेक्षण के आधार पर 31-12-1973 को असेवित क्षेत्रों में 13,380 जूनियर बेसिक स्कूल खोलने की आवश्यकता निकली थी। 1974 में 1978 तक 5,736 जूनियर बेसिक स्कूल खोले गये। 1978-79 में 2,047 जूनियर बेसिक स्कूल खोलने का प्राविधान है।

(4) वर्ष 1977-78 में ग्रामीण क्षेत्रों में 60702 तथा नगर क्षेत्र में 8,122 कुल 68,824 जूनियर बेसिक स्कूल चल रहे हैं। जिनमें 55,648 संस्थाएँ बालकों की तथा 13,140 संस्थाएँ बालिकाओं की हैं। प्राथमिक स्तर पर अध्ययन कर रहे 73,94,157 बालक एवं 44,49,821 बालिकाओं को 1,99,730 अध्यापक तथा 40,127 अध्यापिकाएँ पढ़ाने का कार्य कर रही हैं।

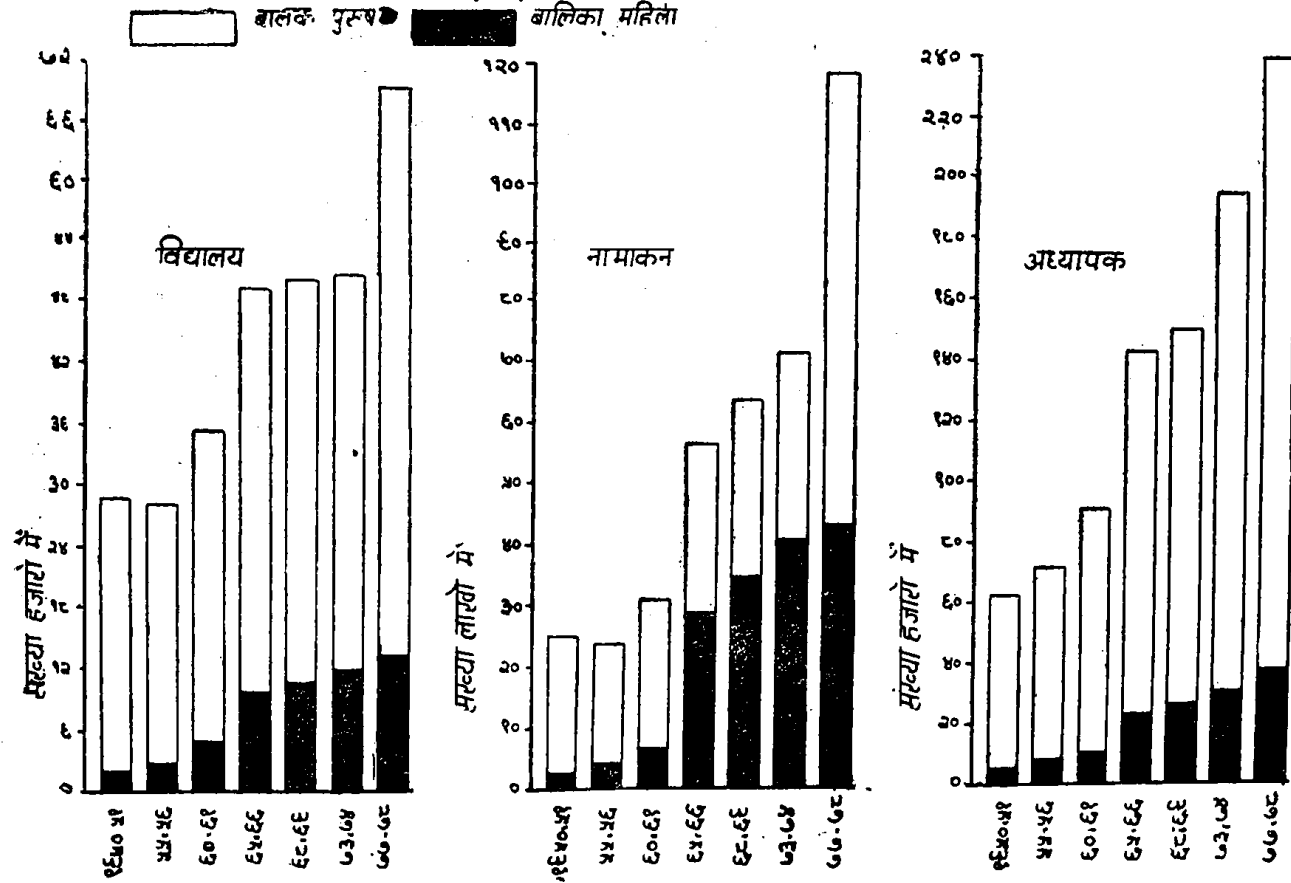
(5) वर्ष 1977-78 के लिये कक्षा 1 से 8 तक कुल 81 राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकें प्रकाशित कराई गई हैं। इनमें विभिन्न विषयों की हिन्दी में 44, उर्दू में 33 तथा अंग्रेजी में 4 पुस्तकें हैं। कक्षा 8 तक की सभी पाठ्य पुस्तकें राष्ट्रीयकृत हैं। पाठ्यक्रम निर्माण में यह ध्यान रखा गया है कि प्रारम्भिक शिक्षा बेसिक पद्धति पर शिल्पोन्मुख रहे।

(6) वर्ष 1976-77 में 200 जूनियर बेसिक स्कूलों को विज्ञान की शिक्षा में सुधार तथा विज्ञान उपकरण हेतु अनुदान दिया गया। ग्रामीण क्षेत्र की बालिकाओं एवं निर्बल वर्ग के बालकों (50,000 छात्र/छात्राओं) को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें वितरण के लिये अनुदान दिया गया। बेसिक शिक्षा परिषद के कार्यरत 128 अध्यापकों एवं 30 अध्यापिकाओं को अपनी शैक्षिक योग्यता बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

(7) वर्ष 1977-78 में बेसिक शिक्षा परिषद के अध्यापक/अध्यापिकाओं को अपनी शैक्षिक योग्यता बढ़ाने हेतु 28,000 रुपये का प्रोत्साहन पुरस्कार देने का प्राविधान किया गया है।

(8) प्रारम्भिक शिक्षा का नियंत्रण एवं प्रशासन बेसिक शिक्षा अधिनियम, 1972 के अन्तर्गत गठित एक स्वायत्तशासी संस्था, उ० प्र० बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा किया जाता है। इस समय प्रदेश

# जनियर बेसिक विद्यालय





में 427 राजकीय 67,561 परिपदीय तथा 836 व्यक्तिगत प्रबन्धक द्वारा कुल 68,824 जूनियर बेसिक विद्यालय चल रहे हैं।

(9) 56 जूनियर बेसिक स्कूलों का भवन निर्माण एवं 17 स्कूलों के भवनों का सुधार कराया गया।

(10) बेसिक विद्यालयों में अध्यापक/अध्यापिकाओं के दक्षता पुरस्कार प्रदान करने के लिये 1976-77 की भांति ही 1977-78 में मैदानी क्षेत्र में 180 पर्वतीय क्षेत्र में 20 अध्यापकों को 500 रुपये प्रति अध्यापक की दर से क्रमशः 90,000 एवं 10,000 रुपये का प्राविधान है।

(11) बेसिक शिक्षा परिषद के गठन के बाद प्राथमिक शिक्षा में व्यय का जत-प्रतिजत भार शासन वहन करता है। विद्यालय की शिक्षा सर्वमुलभ कराने के अतिरिक्त अनौपचारिक शिक्षा एवं किमान साक्षरता केन्द्रों का संचालन भी इसी लक्ष्य की पूर्ति हेतु किया जा रहा है। इसमें तय विद्यालयों के खोलने के अतिरिक्त भवन निर्माण, मरम्मत, साज-सज्जा, विज्ञान शिक्षा हेतु अनुदान, छात्र संख्या की स्थिरता, निर्वल वर्ग को पाठ्य पुस्तक वितरण एवं क्रमोत्तर कथायें खोलना आदि सम्मिलित हैं।

(12) इस वर्ष परिषद के अस्थायी अध्यापकों/कर्मचारियों को उनके पूर्ण सेवाकाल में 12 मास तथा अस्थायी कर्मचारियों को 4 मास का चिकित्सा अवकाश स्वीकृत करने के आदेश निर्गत कर दिये गये हैं। बेसिक शिक्षा परिषद के अध्यापकों को राज्य कर्मचारियों के समान पेंशन दिये जाने का स्वीकृत दे दी गई है किन्तु उन्हें ग्रेच्यूटी अथवा परिवारिक पेंशन अनुमान्य न होगी।

## अध्याय-3

### पूर्व माध्यमिक शिक्षा

सर्बजनिय शिक्षा के उद्देश्य की पूर्ति हेतु तृतीय सर्वेक्षण के आधार पर असेबित क्षेत्रों में 31 दिसम्बर, 1973 को 6,000 पूर्व माध्यमिक विद्यालय खोलने की आवश्यकता थी जिसमें 1978 तक 859 विद्यालय एवम् 19 करोड़ कक्षाएँ खोली जा सकीं। 1978-79 में 1,020 विद्यालय खोलने के प्रस्ताव हैं।

(2) वर्ष 1976-77 में 33 सी० ब० स्कूलों को अनुदान सूची पर लाया गया। 58 पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान की शिक्षा में सुधार हेतु अनुदान दिया गया। 124 नये राजकीय सी० ब० स्कूल खोले एवम् उच्चिकृत किये गये। 108 सी० ब० स्कूलों को विज्ञान की शिक्षा में सुधार एवम् विज्ञान उपकरण हेतु अनुदान देने का प्राविधान किया गया है। 1977-78 में 360 सी० ब० स्कूलों को अनुदान सूची पर लाया जायेगा।

(3) 1977-78 में ग्रामीण क्षेत्र में 8,396 तथा नगर क्षेत्र में 2,994 कुल 11,390 सी० ब० स्कूल चला रहे हैं। जिन में 8,237 संस्थायें बालकों की तथा 3,153 संस्थायें बालिकाओं की हैं। इन विद्यालयों में 12,50,152 बालक 3,34,219 बालिकाएँ अध्ययन कर रही हैं। इनको पढ़ाने के लिये 46,619 अध्यापक, 14,795 अध्यापिकाएँ कार्यरत हैं। वर्ष 1977-78 के अन्त तक 37 प्रतिशत बच्चे (53 प्रतिशत बालक तथा 18 प्रतिशत बालिकाएँ) कक्षा 6-8 में पढ़ने के लिये जाने लगे हैं। उपर्युक्त विद्यालयों में वेसिक शिक्षा परिषद् में 6,878 राजकीय 295 तथा व्यक्तिगत प्रबन्ध में 4,217 विद्यालय हैं। व्यक्तिगत प्रबन्ध के विद्यालयों में 1,916 सहायिक 2,301 असहायिक विद्यालय हैं।

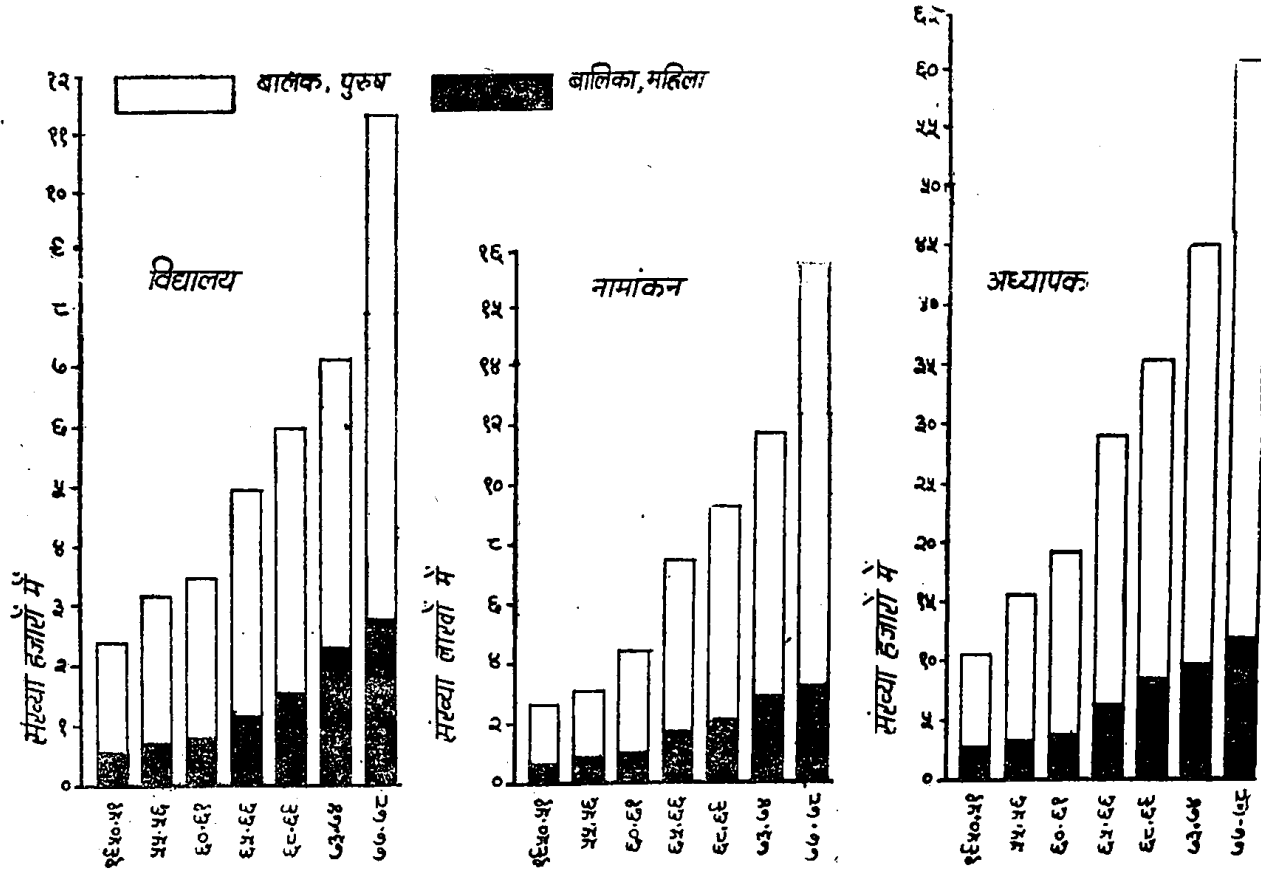
(4) कक्षा 6, 7, 8 के लिये स्काउटिंग संदर्शिका लिखी गई। कक्षा 6 से 8 तक के लिये उर्दू पाठ्यक्रम की भी रचना की गई।

(5) इस समय राज्य में प्रचलित विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत लगभग 14,000 छात्रवृत्तियाँ विभिन्न दरों से योग्य एवम् निर्धन छात्र/छात्राओं को स्वीकृत की जा रही है।

(6) वेसिक परिषद् के 13 अध्यापक एवं 4 अध्यापिकाओं को शिक्षा की योग्यता बढ़ाने हेतु प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया।

(7) अनुसूचित जाति के बच्चों के लिये धारचूला (पिथौरागढ़) में तथा मेहतरों के बच्चों के लिये कानपुर में एक-एक राजकीय आश्रम पद्धति के विद्यालय खोले गये हैं।

# मीनियर बेसिक विद्यालय



## अध्याय-4

### माध्यमिक शिक्षा

इस समय प्रदेश में 3,937 बालक 707 बालिकाओं के कुल 4,644 उच्चतर माध्यमिक विद्यालय चल रहे हैं जिनमें 2,503 विद्यालय ग्रामीण क्षेत्र में तथा 2,141 विद्यालय नगर क्षेत्र में स्थित हैं। जिनमें 519 शासन 4,011 निजी प्रबन्ध एवं 114 स्थानीय निकायो द्वारा चलाये जा रहे हैं। इन विद्यालयों में पढ़ने वाले छात्रों एवं कार्यरत अध्यापकों की संख्या निम्नवत् है :—

वर्ष	छात्र संख्या बालक/बालिका	योग	अध्यापक पुरुष/महिला	योग
1977-78	22,86,948	5,83,235	28,70,183	85,545 18,527 1,04,072

(2) वर्ष 1977-78 में मैदानी क्षेत्र में 11 बालक, 11 बालिका एवं पर्वतीय क्षेत्र में 16 बालक तथा 3 बालिकाओं के राजकीय हाईस्कूल खोले गये। मैदानी क्षेत्र के 1 बालक 3 बालिका एवं पर्वतीय क्षेत्र के 8 बालकों के राजकीय हाई स्कूलों का इन्टर स्तर पर उच्चीकरण किया गया। 1976-77 में पर्वतीय क्षेत्र में 5 बालकों के सीनियर बेसिक स्कूलों का प्रान्तीयकरण एवं उच्चीकरण किया गया। 1977-78 में पर्वतीय क्षेत्र में बालकों के 2 अशासकीय हाईस्कूलों तथा 3 इन्टर कालेजों का प्रातीयकरण किया गया। 1977-78 में 40 राजकीय हाईस्कूल खोलने तथा 22 हाईस्कूलों को इन्टर स्तर तक उच्चीकृत करने की व्यवस्था की गई है।

(3) वर्ष 1977-78 में मैदानी क्षेत्रों में अभी तक 6 बालक एवं 1 बालिका राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में द्विपाली प्रथा लागू की गई। पर्वतीय क्षेत्र के 2 अशासकीय हाईस्कूल तथा 3 इन्टर कालेजों का प्रान्तीयकरण किया गया।

(4) वर्ष 1977-78 में 8 हाईस्कूल (5 बालिका एवं 3 बालक), 5 इन्टर कालेजों (1 बालिका तथा 4 बालक) में विज्ञान विषय का समावेश किया गया।

(5) राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में अतिरिक्त अनुभाग खोलने के योजनान्तर्गत मैदानी क्षेत्र के 12 बालकों के तथा 15 बालिकाओं के विद्यालयों में पद स्वीकृत किये गये। इसी प्रकार पर्वतीय क्षेत्र के 18 बालकों तथा 6 बालिकाओं के विद्यालयों में पद दिये गये।

(6) 79 सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को अतिरिक्त छात्र संख्या तथा सैनिटरी सुविधा के लिये अनुदान, 102 सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों को दक्षता अनुदान, 132 सहायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में विज्ञान प्रयोगशाला एवं विज्ञान उपकरण के लिये तथा 30 विद्यालयों को पुस्तकालय अनुदान देने की व्यवस्था की गई है।

(7) 280 राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के सुदृढ़ीकरण हेतु वर्ष 1977-78 में मैदानी तथा पर्वतीय क्षेत्र में एक लाख रुपये का प्राविधान किया गया है। जिससे 10,000 प्रति विद्यालय को दर से प्राविधान अ स्वीकृत करके आवश्यक साज-सज्जा आदि उपलब्ध करायी जायगी।

(8) छात्रों में नियमित अध्ययन की आदत डालने के लिये 1976-77 में प्रारम्भ की गई गृह परीक्षा की नवीन पद्धति इस वर्ष भी चलती रही है।

(9) वर्ष 1977 की इन्टरमीडिएट परीक्षा में भी मूल्यांकन प्रणाली लागू की गई। वर्ष 1977 की हाईस्कूल परीक्षा के मेरठ तथा इलाहाबाद मंडलों के जनपदों का परीक्षाफल कम्प्यूटर द्वारा तैयार कराया गया। अंक चिटों के साथ परीक्षार्थियों को उनके प्रमाण-पत्र परीक्षाफल घोषित होने के शीघ्र बाद मिल गये। 1978 की परीक्षा के लिए भी उपर्युक्त मंडलों का परीक्षाफल कम्प्यूटर द्वारा तैयार कराने की व्यवस्था की जा रही है।

(10) इस वर्ष 250 विद्यालयों को अनुदान सूची पर लाया गया। इस प्रकार अब शासन से 3684 माध्यमिक विद्यालयों को अनुदान दिया जा रहा है।

(11) महायता प्राप्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों से पूर्व वर्ष की भांति दक्षता अनुदान देने की योजनान्तर्गत 1976-77 में भी 102 उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को 1,70,000 रु० दक्षता अनुदान के रूप में स्वीकृत किया गया। 1977-78 के लिये भी उक्त प्राविधान वर्तमान है।

(12) कक्षा 8 के उपरान्त एकीकृत छात्रवृत्ति परीक्षा के आधार पर प्रत्येक जिले में चुने गये उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में आवासीय अध्ययन के लिये छात्रवृत्ति की योजना चल रही है। इस परीक्षा के आधार पर जुलाई, 1976 में प्रत्येक मंडल के एक इन्टर कालेज में आवासीय शिक्षा की विशेष व्यवस्था की गई है। निर्धारित जनपदों के चुने गये छात्रों में से अधिकतम प्राप्तांक के आधार 30 प्रदेश स्थान भरे जाते हैं। इन छात्रों की शिक्षा दीक्षा के लिये प्रत्येक 6 छात्र पर एक ट्यूटर शिक्षक दिया जाता है। इनका 6 बजे प्रातः से लेकर 10 बजे रात्रि तक का कार्यक्रम बनाया गया है। पर्वतीय क्षेत्र के दो राजकीय इन्टर कालेजों की कक्षा 11 व 12 में यह योजना लागू कर दी गई और मैदानी क्षेत्र में 1978-79 से कालेजों में विस्तार किया जाना है। 1977-78 में आवासीय शिक्षा की व्यवस्था 9 और इन्टर विद्यालयों में कर दी गई। यह भी निर्णय लिया गया है कि अनुसूचित जाति के छात्रों हेतु इस योजना में 18 प्रतिशत स्थान सुरक्षित रखे जायं।

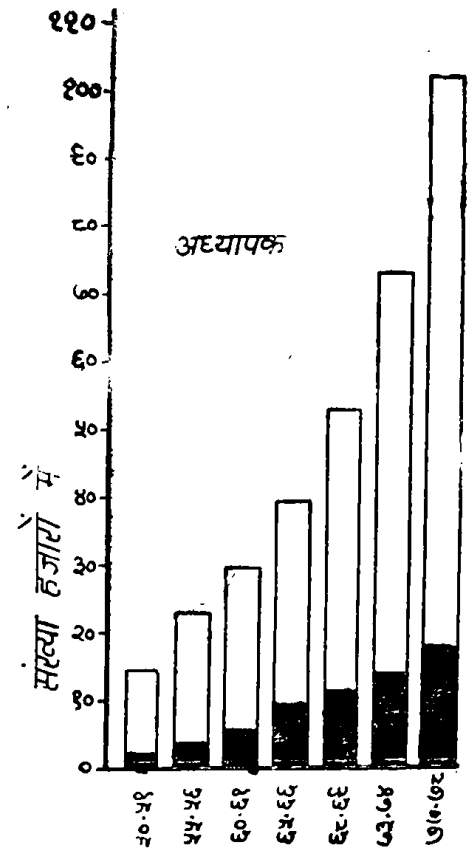
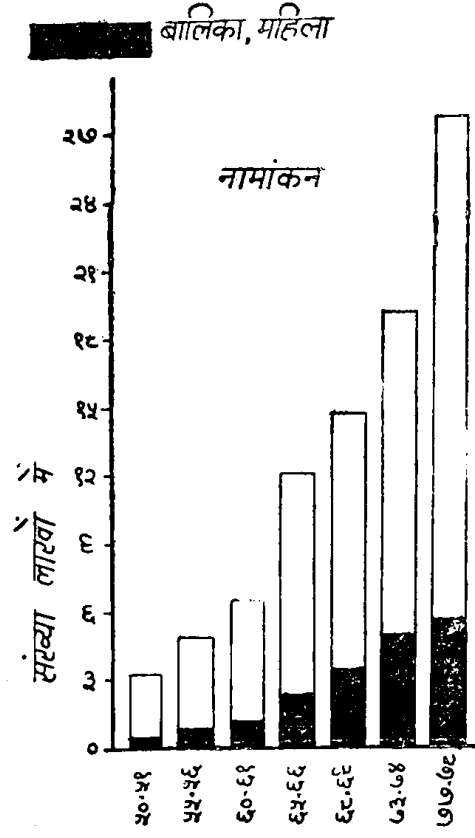
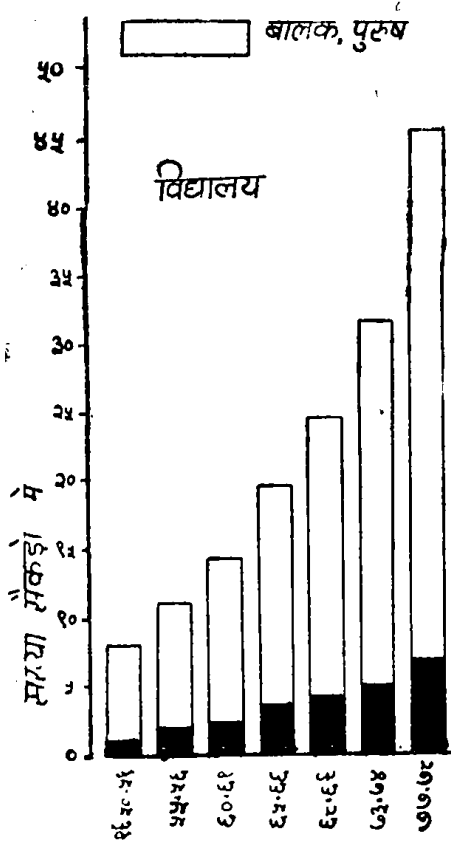
(13) मूलतानपुर जिले के आठ उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में कार्यानुभव की एक अग्रगामी प्रायोजना चलाई जा रही है जिसमें काष्ठकला, फर्नीचर बनाना, फोटोग्राफी रेडियो निर्माण तथा मरम्मत सिलाई, चाक बनाना, स्याही बनाना, कढ़ाई, जेली बनाना, एवम् दियासलाई बनाना आदि कार्य मिखाये जाते हैं।

(14) वर्ष 1976-77 में उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापक/अध्यापिकाओं को 750 रु० प्रति अध्यापक की दर से 53 अध्यापक/अध्यापिकाओं को कुल 39,750 रु० की धनराशि दक्षता पुरस्कार स्वरूप स्वीकृत की गई है। 1977-78 के लिये भी उक्त प्राविधान स्वीकृत है।

(15) हाईस्कूल एवम् इन्टर परीक्षाओं में प्रथम दस स्थान प्राप्त करने वाले छात्र/छात्राओं को विशेष सुविधा की योजना 1975 की परीक्षा में उत्तीर्ण प्रथम दस स्थान प्राप्त परीक्षार्थियों के सम्मान से प्रारम्भ की गई। इस योजना में 1977-78 में हाईस्कूल तथा इन्टर परीक्षा, 1977 में प्रथम दस स्थान प्राप्त क्रमशः 18 तथा 14 परीक्षार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

(16) माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद के अन्तर्गत पाठ्यक्रम शोध एवं मूल्यांकन इकाई की स्थापना की गई है। इस इकाई ने मार्च, 1975 से कार्य प्रारम्भ किया। भौतिकी, जीव-विज्ञान, रसायन विज्ञान एवं गणित के संशोधित पाठ्यक्रमों में 1976 की हाईस्कूल एवम् इन्टरमीडिएट परीक्षा के लिये आदर्श प्रश्न-पत्रों को निर्मित कर प्रधानाचार्यों के पास अभ्यास हेतु भेजा गया था। इस इकाई ने 1976-77 से विभिन्न विषयों के परीक्षाफल का विश्लेषण कार्य प्रारम्भ किया। इस वर्ष हाईस्कूल के प्रश्न बैंक की कार्यशाला में 1978 की परीक्षा के लिये अंग्रेजी के आदर्श प्रश्न पत्रों के प्रारूप तैयार करके प्रदेश के, प्रत्येक उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में भेजे गये हैं।

# उच्चतर माध्यमिक विद्यालय



(17) प्रदेश के राजकीय तथा अराजकीय मान्यता प्राप्त विभिन्न प्रकार की शिक्षा संस्थाओं में अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को शिक्षा के विभिन्न (प्राइमरी से इण्टरमीडिएट) स्तरों पर विभिन्न दरों से भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा कुल 27,633 छात्रवृत्तियां योग्यता के आधार पर स्वीकृत की गईं। वर्ष 1975-76 में हाईस्कूल तथा इण्टर योग्यता छात्रवृत्तियों की दरों में वृद्धि के साथ-साथ कक्षा 6-8 तथा 9-12 में कुछ और योग्यता छात्रवृत्तियां स्वीकृत की गईं। इसके अतिरिक्त जूनियर हाईस्कूल स्तर तक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आदिवासी पिछड़ी जाति के लिये अलग से 18,520 छात्रवृत्तियां स्वीकृत की गईं।

(18) पंचम पंच वर्षीय योजना से हाईस्कूल योग्यता छात्रवृत्ति की दर 10 रु० से बढ़ाकर 15 रु० तथा इण्टर योग्यता छात्रवृत्ति की दर 16 से बढ़ाकर 25 रु० कर दी गई।

(19) 3 सहायता प्राप्त अराजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के शिक्षण एवं शिक्षणोत्तर कर्मचारियों के वेतनमान 1 अप्रैल 75 से संशोधित करने के आदेश दिनांक 25 जुलाई, 1977 को शासन द्वारा निर्गत कर दिये गये।

(20) अणामकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्य करने वाली महिला कर्मचारियों को राजकीय महिला कर्मचारियों के समान प्रसूति का अवकाश प्रदान किये जाने लगा है।

(21) आवश्यकतानुसार माध्यमिक शिक्षा के विस्तार हेतु 614 अणामकीय विद्यालयों को हाईस्कूल एवं इण्टर तथा उसके अतिरिक्त वर्ग और विषयों की मान्यता प्रदान की गयी।

## अध्याय-5

### अध्यापक प्रशिक्षण

1--पूर्व माध्यमिक स्तर--शिक्षण संस्थाओं की अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने के लिये 2 राजकीय तथा 3 अराजकीय शिक्षण महाविद्यालय चल रहे हैं। इनमें 2 वर्षीय सी 0 टी 0 (नर्सरी) कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रति वर्ष 150 महिलाओं को प्रशिक्षित करने हेतु प्रवेश स्थान उपलब्ध रहता है।

2--प्राथमिक स्तर--प्राइमरी एवं मिडिल स्तर के अध्यापकों के लिये बी 0 टी 0 सी 0 प्रशिक्षण की पुरुषों की 114 तथा महिलाओं की 61 प्रशिक्षण संस्थायें उपलब्ध हैं। इनमें पुरुष शाखा की दो तथा महिला शाखा की 17 इकाइयाँ भी सम्मिलित हैं। जुलाई, 1976 से इस प्रशिक्षण की अवधि दो वर्ष की कर दी गई है।

अनुर्व पंचवर्षीय योजना काल में राज्य शिक्षा संस्थान, इलाहाबाद में पत्राधारित प्रशिक्षण इकाई की स्थापना की गई जिसके द्वारा त्रैमिक शिक्षा परिषद् के प्राथमिक विद्यालयों के अप्रशिक्षित अध्यापकों को पत्र व्यवहार प्रणाली द्वारा प्रशिक्षण देने की योजना कार्यान्वित की जा रही है।

कक्षा 6 से 8 के गृहविज्ञान तथा शारीरिक शिक्षा अध्यापकों/अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित करने हेतु निम्नलिखित संस्थायें चल रही हैं:--

	पुरुष	महिला	योग
1--राजकीय गृह विज्ञान सी 0 टी 0 कालेज .. .. .	..	1	1
2--राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय ..	1	1	2
3--अशासकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय ..	2	..	2
	<hr/>	<hr/>	<hr/>
	3	2	5

3--माध्यमिक स्तर--उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के अध्यापकों के प्रशिक्षण हेतु प्रदेश में पांच राजकीय तथा सात अशासकीय एल 0 टी 0 प्रशिक्षण महाविद्यालय चल रहे हैं। इसके अतिरिक्त उपाधि महाविद्यालयों में भी 51 बी 0 एड 0 तथा 12 बी 0 टी 0 कक्षाएँ चलती हैं। इनमें प्रदेश के लिये योग्यता के आधार पर चयन करने के निर्देश 1976-77 में लिये गये हैं। इन सब में 11,185 प्रवेश स्थान उपलब्ध हैं। राजकीय गृह विज्ञान महिला प्रशिक्षण महाविद्यालयों में सी 0 टी 0 के साथ एल 0 टी 0 (गृह विज्ञान) के प्रशिक्षण की सुविधा दे कर 1974 में ही विद्यालय को महाविद्यालय के रूप में उच्चोक्त कर दिया गया। सम्प्रति, 66 छात्राये सी 0 टी 0 तथा 15 एल 0 टी 0 (गृह विज्ञान) का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

4--विस्तार सेवा केन्द्र--प्रदेश में विस्तार सेवा योजना 14 राजकीय तथा अशासकीय प्रशिक्षण महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालयों में शिक्षा विभाग में चल रही है। इनका आर्थिक भार अब प्रदेश सरकार द्वारा वहन किया जा रहा है।



## अध्याय-6

### उच्च शिक्षा

(1) उच्च शिक्षा की सुविधा के लिये प्रदेश में 19 विश्वविद्यालय चल रहे हैं। इन विश्वविद्यालयों में रुड़की (सहारनपुर) स्थित इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय, पंतनगर (नैनीताल) स्थित कृषि विश्वविद्यालय, वाराणसी स्थित सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय एवं काशी विद्यापीठ फैजाबाद स्थित नरेन्द्र देव कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय तथा कानपुर स्थित चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त लखनऊ, इलाहाबाद, आगरा, वाराणसी, अलीगढ़, गोरखपुर, कानपुर, मेरठ, नैनीताल, श्रीनगर (पौड़ी गढ़वाल), झांसी, फैजाबाद तथा बरेली में एक-एक विश्वविद्यालय संचालित है। गुरुकुल कागड़ी विश्वविद्यालय हरिद्वार (सहारनपुर) को विश्वविद्यालय जैसी संस्था का स्तर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्राप्त है।

(2) सत्र के प्रारम्भ में प्रदेश में 339 अशासकीय एवं 27 राजकीय डिग्री कालेज थे। अशासकीय विद्यालयों में 264 पुरुष एवं 75 महिलाओं के थे। राजकीय डिग्री कालेजों में से अगस्त, 1977 में दो डिग्री कालेज—1—राजकीय डी0 एस0 बी0 कालेज नैनीताल तथा 2—राजकीय डिग्री कालेज, अल्मोड़ा कुमायूँ विश्वविद्यालय के एवं तीन डिग्री कालेज 1—राजकीय विड़ला डिग्री कालेज, श्रीनगर, गढ़वाल, 2—राजकीय बी0 गोपाल रेड्डी डिग्री कालेज, पौड़ी तथा 3—स्वामी रामतीर्थ राजकीय डिग्री कालेज, टिहरी गढ़वाल विश्वविद्यालय के संघटक महाविद्यालय के रूप में हस्तांतरित कर दिये गये। जनवरी 1978 में गाजीपुर (महिला) और चकिया (वाराणसी) में एक-एक नये राजकीय डिग्री कालेज खुलने के निर्णय लिये गये। इस प्रकार अब 24 स्वतंत्र राजकीय डिग्री कालेज हैं। गुरुकुल महाविद्यालय, उवालापुर, सहारनपुर की मान्यता समाप्त हो गई तथा गद्या कृपक महाविद्यालय, शाहगंज, जौनपुर तथा जनना डिग्री कालेज, परसोन, एटा की मान्यता दी गयी। इस प्रकार कुल 340 अशासकीय महाविद्यालय चल रहे हैं।

(3) वर्ष 1977-78 में निम्नलिखित राजकीय महाविद्यालयों में नये संकायों तथा विषयों में स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर पर नयी कक्षाएँ प्रारम्भ की गईं:—

- 1—राजकीय स्नातक महाविद्यालय, बेरीनाग, पिथौरागढ़।
- 2—राजकीय स्नातक महाविद्यालय, रामनगर, नैनीताल।
- 3—राजकीय स्नातक महाविद्यालय, रुद्रपुर, नैनीताल।
- 4—राजकीय स्नातक महाविद्यालय, रानीखेत, अल्मोड़ा।
- 5—राजकीय स्नातक महाविद्यालय, ऋषिकेश, देहरादून।
- 6—राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर, चमोली।
- 7—राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पिथौरागढ़।
- 8—राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, काशीपुर, नैनीताल।
- 9—राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कोटद्वार, गढ़वाल।
- 10—राजकीय महाविद्यालय, उत्तर काशी।

(4) राज्य सरकार ने प्रदेश के अशासकीय डिग्री कालेजों के गैर शिक्षक कर्मचारियों के सेवा नियमों से सम्बन्धित परिनिधम जारी कर दिये हैं जो 11 मई, 1977 से लागू हुए।

(5) वर्ष 1977-78 में 1 नवम्बर, 1977 से 11 पुरुष तथा 2 महिला अशासकीय महाविद्यालयों को अनुदान सूची पर लाने का आदेश दिया गया। इस समय प्रदेश में कुल 340 अशासकीय महाविद्यालय चल रहे हैं जिनमें से 301 महाविद्यालय अनुदानित है।

(6) दो महाविद्यालयों को शारीरिक शिक्षा अधीक्षक की व्यवस्था हेतु अक्टूबर, 1977 से अनुदानित किया गया है।

(7) स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालयों में बालिकाओं को विशेष सुविधायें प्रदान करने हेतु 12 अशासकीय महाविद्यालयों को 50,000 रु० का प्राविधान वर्ष 1977-78 के लिये स्वीकृत किया गया है। साथ ही अशासकीय स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालयों को उनके स्वच्छ प्रशासन एवं उत्तम परीक्षाफल आदि के लिये एक लाख रुपये की धनराशि प्रोत्साहन अनुदान के रूप में 1976-77 की भांति 1977-78 में भी उपलब्ध है। इसके अतिरिक्त वर्ष 1977-78 में गैर सरकारी महाविद्यालयों को विकास कार्यों हेतु अनावर्तक अनुदान देने हेतु 30.50 लाख रुपये का प्राविधान उपलब्ध है।

(8) इलाहाबाद में गोविन्द बल्लभ पन्त समाजशास्त्र अनुसंधान केन्द्र की स्थापना हेतु एक विशेष कार्याधिकारी की नियुक्ति की गई एवं वर्ष 1977-78 में भारत सरकार द्वारा उक्त मंस्था के निदेशक की भी नियुक्ति की जा चुकी है।

(9) स्नातक तथा स्नातकोत्तर महाविद्यालयों के अध्यापकों को दक्षता पुरस्कार हेतु 20,000 रु० का प्राविधान उपलब्ध है।

(10) विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले मेधावी एवं गरीब छात्र/छात्राओं को प्रोत्साहन देने हेतु छात्रवृत्ति की व्यवस्था है। स्नातक तथा स्नातकोत्तर कालेजों में अतिरिक्त बर्सरियों/छात्रवृत्तियों हेतु 87,000 रु० तथा उत्तराखण्ड जिले में सामान्य/प्राविधिक शिक्षा में उच्च अध्ययन करने वाले छात्रों को छात्रवृत्तियां देने हेतु 1.60 लाख रुपये का प्राविधान है।

(11) शिक्षा में डिग्री स्तर पर वर्ष 1977-78 में 1641 नवीन छात्रवृत्तियों के साथ 4500 छात्रवृत्तियों का नवीनीकरण किया गया। शिक्षा संहिता के विभिन्न अनुच्छेदों के अनुसार आर्थिक सहायताओं की मिश्रित धनराशि रु० 40,70,500 मैदानी जिलों के लिये तथा 2,70,400 रु० पहाड़ी जिलों के लिये स्वीकार करने का प्राविधान है जिसमें से कुछ के विवरण निम्नवत् हैं:—

1—प्रतिरक्षा कर्मचारियों के बालकों को डिग्री स्तर पर 200 छात्रवृत्तियां स्वीकृत हैं जिन पर 50,000 रु० व्यय होगा।

2—सीमान्त क्षेत्रों, युद्धग्रस्त क्षेत्रों में तैनात यू० पी०, पी० ए० सी० जवानों, सशस्त्र पुलिस कर्मचारियों के बच्चों को 60 छात्रवृत्तियां स्वीकृत करने के लिये 7,800 रु० निर्धारित है।

3—इंडियन स्कूल आफ इंटरनेशनल स्टडीज, जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली में शोध कार्य करने वाले 2 छात्रों को 2 छात्रवृत्तियां 4 वर्ष हेतु 300 रु० प्रति माह की दर से स्वीकृत करने का प्राविधान है।

4—स्वतंत्रता रजत जयन्ती के अवसर पर विश्वविद्यालयों के छात्रों को 11 छात्रवृत्तियां स्वीकृत करने हेतु 30,000 रु० का प्राविधान है।

5—स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के आश्रितों तथा उनके बच्चों को डिग्री स्तर पर छात्रवृत्तियां एवं आर्थिक सहायता स्वीकृत करने तथा उस पर 3,50,000 रु० व्यय करने का प्राविधान है।

6—सीमा सुरक्षा दल के कार्मिकों के बच्चों एवं आश्रितों को शैक्षिक सुविधा प्रदान करने हेतु 10,000 रुपये व्यय का प्राविधान है।

(12) उत्तरकाशी जिलों के सामान्य तथा प्राविधिक शिक्षा ग्रहण करने वालों को इस वर्ष 1,60,000 रुपये देने का लक्ष्य निर्धारित है।

(13) प्यारे लाल नन्द किशोर गलवलिया जनता महाविद्यालय, रामनगर (नैनीताल) का वर्ष 1976-77 में प्रान्तीयकरण किया गया।

(14) इलाहाबाद स्थित पब्लिक लाइब्रेरी का प्रान्तीयकरण 15 अगस्त, 1975 को कर दिया गया है। इस लाइब्रेरी को राष्ट्रीय स्तर की एक अनुसंधानीय लाइब्रेरी बनाने तथा इसे और सुदृढ़ करने का प्रस्ताव है।

(15) 1977-78 में राजकीय महाविद्यालयों के भवनों में पंखों की व्यवस्था हेतु 65,000 रु० का प्राविधान है।

(16) उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान जिसकी स्थापना वर्ष 1976-77 में एक स्वशासी संस्था के रूप में हुई थी वह अन्य कार्यों के साथ हिन्दी की साहित्यिक पुरस्कार योजना, हिन्दी के उत्तम साहित्य की पुस्तकों के क्रय करने की योजना, विश्वविद्यालय स्तरीय पाठ्य-पुस्तकों तथा विविध विषयों पर हिन्दी में मानक ग्रन्थों के प्रकाशन की योजना को कार्यान्वित कर रहा है। वर्तमान वित्तीय वर्ष के आय-व्ययक में इन योजनाओं के लिए जो धनराशि प्राविधानित है उसे पर्याप्त अनुदान के रूप में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान को स्वीकृत किये जाने की व्यवस्था कर दी गई है।

(17) विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में राष्ट्रीय सेवा योजना की योजना के कार्यान्वयन हेतु 25.90 लाख रुपये का प्राविधान किया गया है।

## अध्याय—7

### विविध

#### 1—सामाजिक शिक्षा—

#### अ—शिक्षा प्रसार विभाग—

प्रदेश का शिक्षा प्रसार विभाग सामाजिक शिक्षा (प्रौढ़ शिक्षा) के क्षेत्र में 1938 से निरन्तर कार्यरत है। इसका मुख्य उद्देश्य निरक्षरता उन्मूलन है। इसकी पूर्ति हेतु यह विभाग प्रमुखतया दो अनुभागों में विभक्त है :—

क—सामाजिक शिक्षा,

ख—श्रव्य दृश्य शिक्षा।

#### क—सामाजिक शिक्षा

(1) राजकीय ग्रामीण पुस्तकालय—प्रसार विभाग द्वारा प्रदेश में ग्रामीण अंचलों में 1,400 राजकीय पुस्तकालय एवं 3,600 वाचनालयों का संचालन किया जाता है। विभागीय उपयोग हेतु मूल्यावास पुस्तकालय में लगभग 5,000 पुस्तकों की व्यवस्था है।

(2) सचल दल—सामाजिक शिक्षा का कार्यक्रम सम्पादित करने के लिये इस विभाग ने चार सचल दलों की व्यवस्था की है। प्रत्येक सचल दल समाज शिक्षा की पूर्ण इकाई है। सचल गोष्ठी दल ग्रामांचलों में वाद-विवाद एवं गोष्ठियों का आयोजन करता है। इस वर्ष दल द्वारा 7 शिविरों का आयोजन, 31 गोष्ठियां, 55 शैक्षिक चलचित्रों का प्रदर्शन एवं 30 अन्य शैक्षिक कार्यक्रम सम्पन्न किये गये। सचल साक्षरता दल ने वाराणसी एवं रायबरेली में पांच-पांच साक्षरता केन्द्र चला कर 237 प्रौढ़ों को साक्षर किया। सचल पुस्तकालय दल ने वाराणसी, रायबरेली तथा मिर्जापुर में 3 शिविरों का आयोजन किया है। 24 चल-चित्र प्रदर्शन, 15 सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं 11 अन्य कार्यक्रम आयोजित कर 51,450 व्यक्तियों को लाभान्वित किया गया। सचल प्रदर्शनी दल ने वाराणसी व इलाहाबाद (कुम्भ मेला क्षेत्र) में दो शिविरों का आयोजन करके 2,40,000 व्यक्तियों को लाभ पहुंचाया।

(3) नवसाक्षरोपयोगी साहित्य—विभाग द्वारा प्रकाशित 'नवज्योति' मासिक पत्रिका विभाग द्वारा संचालित 1,400 राजकीय ग्रामीण पुस्तकालयों एवं प्रदेश के सभी जनपदों में चल रही 3,791 अनौपचारिक शिक्षा केन्द्रों को भेजी गई।

#### ख—श्रव्य दृश्य शिक्षा

(1) चल चित्र निर्माण—इस केन्द्र पर कला शिक्षण एवं समाज शिक्षा सम्बन्धी चल चित्रों का निर्माण किया जाता है। अब तक 169 चल चित्र निर्मित हुए। इस वर्ष 3 चल-चित्र पूरे किये गये तथा 7 निर्माणाधीन है।

(2) प्रादेशिक चल-चित्रालय—चल-चित्रालय से प्रदेश की शैक्षिक संस्थाओं शासकीय विभागों एवं इसके सदस्य निजी संगठनों को चल-चित्र उधार दिये जाते हैं। वर्ष 1976-77 में चल-चित्रालय की सदस्य संख्या में 20 प्रतिशत वृद्धि हुई।

(3) श्रव्य दृश्य शिक्षा प्रशिक्षण-केन्द्र—इस केन्द्र के माध्यम से ग्रन्थ्यापकों/ग्रन्थ्यापिकाओं को श्रव्य-दृश्य शिक्षा प्रणाली से अवगत कराया जाता है। इस वर्ष 13 ग्रन्थ्यापक/ग्रन्थ्यापिकाओं को प्रशिक्षित किया गया।

## ब--केन्द्रीय राज्य पुस्तकालय

स्वाध्याय की अधिकाधिक सुविधायें सुलभ कराने की दृष्टि से वर्ष 1949 में इलाहाबाद में केन्द्र राज्य पुस्तकालय की स्थापना की गई। वर्ष 1956 में 9 जिला पुस्तकालय स्थापित किये गये जिनकी संख्या अब 13 हो गई है। केन्द्रीय पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या 4,4015 एवं सदस्य संख्या 4,269 हैं जो इसकी उपादेयता एवं लोकप्रियता के प्रमाण हैं। पाठ्यक्रम शोध एवं सेवारत प्रशिक्षण की सुविधा हेतु विभागीय अनुमति से मई, 1977 से केन्द्रीय पुस्तकालय में भी एक प्रशिक्षण संस्थान प्रारम्भ किया गया है।

2--अनौपचारिक शिक्षा--अनेक आर्थिक एवं सामाजिक विषमताओं के कारण असमय में ही प्राइमरी की शिक्षा छोड़ देने के कारण निरक्षर रह जाने वाले बच्चों युवक/युवतियों हेतु वर्ष 1974-75 से ही अनौपचारिक शिक्षा की योजना प्रारम्भ की गई; इसके तीन अंग हैं--

(अ) अंशकालिक कक्षाएँ--11 से 14 वय वर्ग के बच्चों के लिये प्रत्येक केन्द्र पर 40 बच्चों को शिक्षित करने के लिये सभी जनपदों में केन्द्र चलाये जा रहे हैं।

(ब) प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र--15 से 25 वय वर्ग के युवकों की शिक्षा हेतु 40 व्यक्तियों के प्रत्येक केन्द्र पर शिक्षित करने के लिये सभी जनपदों में 25-25 केन्द्र स्थापित हैं। इस वर्ष 16-35 वय वर्ग के निरक्षर व्यक्तियों के शिक्षण हेतु प्रदेश की प्रत्येक न्याय पंचायत के साथ एक प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र स्थापित किया गया है। इस हेतु 6,000 नये केन्द्र खोले गये हैं।

(स) केन्द्रीय सरकार की किसान साक्षरता योजना--यह योजना प्रदेश के 17 जनपदों (लखनऊ, आगरा, रायबरेली, गाजीपुर, फैजाबाद, आजमगढ़, सहारनपुर, नैनीताल कानपुर, इटावा, झांसी, बदायूं, वाराणसी, अल्मोड़ा, पौड़ी-गढ़वाल, मैनपुरी तथा प्रतापगढ़) में चल रही हैं। प्रत्येक जनपद में 60 केन्द्र हैं तथा प्रत्येक केन्द्र पर 30 व्यक्तियों को शिक्षित करने का लक्ष्य है।

प्रौढ़ शिक्षा के व्यापक प्रसार एवं उसकी समुचित देख-रेख के लिये प्रदेश के जनपदों में एक राजपत्रित परियोजना अधिकारी की नियुक्ति की गई।

3--संस्कृत शिक्षा--स्वतंत्रता के बाद उत्तर प्रदेश में प्राच्य संस्कृत शिक्षा पूर्णतया विकासोन्मुख है एवं प्रदेश में स्थापित संस्कृत पाठशालाओं की संख्या में आशातीत प्रगति हुई है। वर्ष 1975-76 में स्वीकृत पाठशालाओं, सहायता प्राप्त संस्थाओं तथा छात्रों की संख्या क्रमशः 9,44,845 एवं 54,450 रही है। वर्ष 1976-77 में मैदानी क्षेत्र में 12 तथा पर्वतीय क्षेत्र के 2 संस्कृत पाठशालाओं को अनुदान सूची पर लाया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 1976-77 में 33 संस्कृत पाठशालाओं को 1,10,000 रु का विकास अनुदान दिया गया था। विकास योजना के अन्तर्गत मैदानी तथा पर्वतीय क्षेत्र की अनेक संस्कृत पाठशालाओं को भवन, सज्जा एवं पुस्तकालयों के निमित्त 19 संस्कृत पाठशालाओं को 1,10,500 रु का विकास अनुदान प्रदान किया गया। इसके साथ ही अपने आवास पर ही संस्कृत का अध्यापन करने वाले 8 संस्कृत विद्वानों को 10,000 रु की प्राविधानित धनराशि के अन्तर्गत आर्थिक सहायता प्रदान की गई। वर्ष 1975-76 में उत्तर प्रदेश वेतन आयोग की संस्तुतियों के आधार पर प्रदेश के लगभग 5,000 संस्कृत अध्यापकों को नये वेतनमानों का लाभ दिया गया है और शासन द्वारा 43 संस्कृत पाठशालाओं को प्रोन्नत किया गया है। वर्ष 1977-78 में 10 वेद पंडितों को 15,000 रु की धनराशि से सम्मानित किया गया है।

केन्द्रीय शिक्षा मन्त्रालय द्वारा प्रदेश के अनेक विद्वानों को आर्थिक सहायता विगत वर्षों की भांति वर्ष 1976-77 में भी प्रदान की गई। वर्ष 1976-77 में दो संस्कृत शिक्षकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। संस्कृत भाषा के विकास हेतु शासन ने संस्कृत अकादमी की स्थापना की है।

उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वर्ष 1976-77 में संस्कृत साहित्यकारों एवं ख्याति प्राप्त विद्वानों को 98 हजार रुपये की धनराशि वितरित की गई जिनमें तीन विशिष्ट संस्कृत विद्वानों को उनकी उल्लेखनीय सेवाओं के लिये पन्द्रह हजार रुपये से सम्मानित किया गया। विगत वर्ष की भांति इस वर्ष संस्कृत शिक्षा को प्रोत्साहन देने हेतु छात्रों को योग्यता छात्रवृत्ति, निर्धन छात्रवृत्ति एवं हरिजन पिछड़ी/जनजाति के छात्रों को भी छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

4—अरबी तथा फारसी शिक्षा—प्रदेश में अरबी तथा फारसी मदरसों की संख्या 179 है जो विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। इनमें से 135 मदरसे अनुदान सूची पर हैं। विभाग द्वारा मदरसों को विभिन्न प्रकार के अनुदान दिये जाते हैं जो निम्नलिखित हैं:—

अनुपालन अनुदान—तदर्थ वेतन वृद्धि तथा महंगाई भत्ता। इसके अतिरिक्त प्रारम्भिक अनुदान, भवन अनुदान, तथा पुस्तकालय अनुदान भी विभाग द्वारा अरबी मदरसों को दिया जाता है।

विभाग द्वारा अरबी तथा फारसी की 5 परीक्षाएँ सम्पन्न होती हैं:—

फारसी की दो परीक्षाएँ—मुन्शी तथा कामिल और अरबी की तीन परीक्षाएँ—मौलवी, आलिम तथा फाजिल अरबी की फाजिल परीक्षा 5 विषयों में होती हैं—अरबी साहित्य, सुन्नी दीनयात, शिया दीनयात, माकूलात तथा तिब।

अरबी तथा फारसी परीक्षाओं के लिये शासन द्वारा गठित एक बोर्ड है जिसके सदस्य अरबी, फारसी तथा अन्य विषयों के विशेषज्ञ हैं। यह बोर्ड आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम में सुधार करता है। अरबी तथा फारसी परीक्षा में परीक्षार्थियों की जो वृद्धि हुई है उसका अनुमान निम्नलिखित तालिका से लगाया जा सकता है:—

वर्ष	पंजीकृत परीक्षार्थियों की संख्या	सम्मिलित परीक्षार्थियों की संख्या	उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या
1973	1 578	1,092	656
1974	2,232	1,538	999
1975	2,338	1,642	982
1976	2,776	1,935	1210
1977	2,897	2,016	899

सहायता पाने वाले अरबी मदरसों के अतिरिक्त दो और भी मदरसे हैं—एक राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, मिर्जापुर का ओरियन्टल सेक्शन तथा दूसरा राजकीय ओरियन्टल कालेज (मदरसा आलिया), रामपुर, उत्तर प्रदेश।

निरीक्षक, अरबी मदरसे अरबी फारसी परीक्षाओं के रजिस्ट्रार तथा उर्दू माध्यम विद्यालयों के निरीक्षक भी हैं।

5—उर्दू शिक्षा—प्रदेश में उर्दू शिक्षा एवं उर्दू साहित्य के विकास, प्रसार तथा उन्नयन के लिये उर्दू अकादमी स्थापित की गई है। उर्दू अकादमी को वर्ष 1977-78 में शासन ने दस लाख रुपये का अनुदान दिया। अन्जुमन-ए-तरककी-ए-उर्दू को छः बड़े शहरों में उर्दू माध्यम से पांचवीं कक्षा तक माडल स्कूल खोलने हेतु तथा 10 जनपदों में प्रौढ़ मंडल साक्षरता कक्षाएँ प्रारम्भ करने हेतु 80,000 रुपये का एक मुफ्त अनुदान स्वीकृत किया गया।

6—अंग्रेजी माध्यम संस्थायें—प्रदेश में इस समय 67 अंग्रेजी माध्यम की शिक्षण संस्थायें हैं। इनमें एक शिक्षक प्रशिक्षण संस्था भी शामिल है। उपर्युक्त संस्थाओं में 45,807 बालक तथा 19,223 बालिकायें शिक्षा ग्रहण करती हैं। शिक्षण कार्य में 491 पुरुष तथा 1,351 महिलायें कार्यरत हैं। आंग्ल भारतीय विद्यालयों की अन्तिम परीक्षा, कौंसिल फ़ार इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट इन्सॉरिमेंशन, नई दिल्ली द्वारा संचालित होती है। वर्ष 1976 से कौंसिल द्वारा अब 10+2 वर्षीय पाठ्यक्रम प्रारम्भ कर दिया गया है। इस कारण कक्षा 10 एवं 12 के पश्चात् परीक्षायें, यह कौंसिल लेती हैं। छः स्कूलों को माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा भी मान्यता मिली हुई है। पांच विद्यालय केन्द्रीय सरकार के रेल मन्त्रालय द्वारा संचालित हैं। शेष सभी विद्यालय निजी प्रबन्ध समितियों द्वारा चलाये जाते हैं। आख्यागत वर्ष में केवल आठ विद्यालय आवर्तक अनुरक्षण अनुदान सूची में हैं। विद्यालयों के आय के स्रोत मुख्यतः छात्रों से लिये जाने वाले शुल्क हैं।

जनपद नैनीताल के जिला विद्यालय निरीक्षक, इन विद्यालयों के निरीक्षण का कार्य करते हैं।

7—दक्षिण भारतीय भाषाओं तथा अन्य क्षेत्रीय भाषाओं की शिक्षा—भावात्मक एवं राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से दक्षिण भारतीय भाषाओं के शिक्षण हेतु वर्ष 1977-78 के आयोजनेतर बजट में 2,30,000 रुपये का प्राविधान है। मोतीलाल मेमोरियल सोसायटी, लखनऊ द्वारा संचालित दक्षिण भारतीय संस्थाओं के केन्द्र में तमिल एवं तेलगू का उच्चस्तरीय अध्यापन हो रहा है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार तथा प्रदेशीय गवसन द्वारा प्रदान की गई आर्थिक सहायता से उक्त सोसाइटी द्वारा कन्नड़ तथा मलयालम भाषाओं को कक्षायें भी 1970 से चलायी जा रही हैं। परीक्षार्थियों का सातवां बैच रजिस्ट्रार विभागीय परीक्षायें द्वारा संचालित 1977 की परीक्षा में सम्मिलित हुआ।

8—पुनर्व्यवस्था योजना—शिक्षा बेसिक अनुभाग के अन्तर्गत व्यवहृत होने वाली योजनाओं में शिक्षा पुनर्व्यवस्था योजना, कार्यानुभवयोजना, योजना संख्या 11 एवं किसान साक्षरता योजना प्रमुख हैं। इन योजनाओं में कक्षा 6 से 8 तक कृषि एवं शिल्प विषय को मुख्य शिल्प के रूप में अंगीकृत किया गया है।

आयोजनेतर आय-व्ययक के अन्तर्गत इस वर्ष 1977-78 में पुनर्व्यवस्था योजना के मैदानी क्षेत्र हेतु 1,36,91,300 रु तथा पर्वतीय क्षेत्र हेतु रु 14,52,500 कार्यानुभव योजना के अन्तर्गत मैदानी क्षेत्र हेतु रु 11,36,100 तथा पर्वतीय क्षेत्र हेतु 1,76,200 का प्राविधान स्वीकृत किया गया है।

इन योजनाओं के अन्तर्गत विशेष अधीनस्थ शिक्षा सेवा (राजपत्तित) 5; विशेष अधीनस्थ शिक्षा सेवा में 4 स्नातक वेतनक्रम में 1071; अधिस्नातक वेतनक्रम में 2,036; जे 0 टी 0 सी 0 वेतनक्रम में 40 तथा एच 0 टी 0 सी 0 वेतनक्रम में 1 कर्मचारी कार्यरत हैं।

शिल्प/कृषि विषय एक तकनीकी विषय है उसकी प्रगति, महत्ता एवं प्राविधिकता को दृष्टिगत रखते हुए तकनीकी मार्ग दर्शन हेतु सहायक कृषि पर्यवेक्षक/सहायक पर्यवेक्षक जनपद स्तर पर, क्षेत्र पर्यवेक्षक मण्डल स्तर पर तथा शिल्प विशेषज्ञ तथा सहायक कृषि पर्यवेक्षक मुख्यालय स्तर पर कार्यरत हैं।

इन योजनाओं के अन्तर्गत विद्यालयों के लगभग 20,000 एकड़ भूमि पर कृषि प्रयोगात्मक शिक्षा का प्राविधान है इसमें से 13120 एकड़ भूमि कृषि योग्य है जिस पर गत वर्ष लगभग रु 33,50,111.37 की उपज प्राप्त हुई है।

कार्यानुभव योजना भारत सरकार के निर्देशानुसार एक विशिष्ट योजना के रूप में प्रदेश में प्रारम्भ हुई है। इनके अन्तर्गत कुक्कुट पालन, मधुमक्खी पालन, फल संरक्षण, रेशम कीट पालन में विशेष प्रशिक्षण हेतु राजकीय प्रसारारम्भापक प्रशिक्षण केन्द्र, डाभासेसर कृषाबाद पर इस योजना के अन्वयणों

हेतु 6 माह का एक विस्तृत प्रशिक्षण का आयोजन किया गया है। इन अध्यापकों को विभिन्न टुकड़ियों में प्रशिक्षित किया जा रहा है। अध्यापकों का तृतीय बैच इस समय प्रशिक्षण केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहा है।

भारत सरकार द्वारा उत्प्रेरित योजनाओं में व्यावहारिक पुष्टाहार कार्यक्रम कतिपय विद्यालयों में चल रहा है। वर्ष 1977-78 में 253 विकास खण्डों में यह योजना चलाई जा रही है। इस योजना के लिये 1977-78 में 92 विकास खण्डों हेतु मैदानी क्षेत्र के लिये रु० 4,000,00 प्रति विकास खण्ड तथा पर्वतीय क्षेत्र के लिये रु० 5,800,00 प्रति विकास खण्ड के हिसाब से बाटिका हेतु प्राविधान किया गया है जो सीधे नियोजन विभाग के द्वारा विकास खण्डों को दिया जाता है।

9—विशेष पौष्टिक आहार योजना—बच्चों को प्रोटीनयुक्त संतुलित आहार देने और अपर्याप्त पोषण के कुप्रभाव से बचाने के लिये न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अन्तर्गत पिछड़े हुए वर्गों के पूर्व विद्यालयीन बच्चों, गर्भवती स्त्रियों एवं धात्री माताओं को पौष्ठाहार देने के लिये शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के 13 मैदानी तथा 2 पर्वतीय जनपदों में विशेष पौष्ठाहार कार्यक्रम की योजना संचालित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत पिछड़े वर्ग के लगभग 1.52 लाख बच्चे तथा महिलायें लाभान्वित हो रही हैं। इन 15 जनपदों के 4 जनपदों में केयर संस्था द्वारा, 4 जनपदों में विश्व खाद्य कार्यक्रम से खाद्यान्न उपहार स्वरूप प्राप्त हो रहा है तथा शेष 7 जनपदों में शासन द्वारा स्वीकृत धनराशि के अन्तर्गत खाद्यान्न क्रय कर के दिया जा रहा है। विशेष पौष्ठाहार कार्यक्रम पर आयोजनागत बजट से 47.50 लाख रुपये व्यय हो रहा है।

2—बालाहार योजना—राज्य के 41 जनपदों में प्राइमरी विद्यालयों के निचले वर्ग के छात्र/छात्राओं को मध्याह्न स्वल्पाहार देने की योजना भी विभाग द्वारा कार्यान्वित हो रही है। इसके अन्तर्गत 9.93 लाख बच्चे लाभान्वित हो रहे हैं जिन में से 36 जनपदों के 8.63 लाख बच्चों को 'केयर' संस्था द्वारा तथा 5 जनपदों के 1.30 लाख बच्चों को विभाग द्वारा खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। बालाहार योजना हेतु आयोजनागत बजट से लगभग 62.50 लाख रुपये तथा आयोजन-तर बजट से 74.00 लाख रुपये व्यय होने का अनुमान है।

10—मनोविज्ञान सेवा की सुविधा—प्रदेश में मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद द्वारा मनोविज्ञान की शैक्षिक एवं व्यावसायिक क्षेत्र में वैयक्तिक एवं सामूहिक निर्देशन के साथ-साथ प्रशिक्षण प्रवेश, चयन, शोध कार्य, प्रकाशन, तथा व्यावसायिक सूचनाओं के प्रसारण का कार्य किया जाता है। इस वर्ष मनोविज्ञानशाला में आयोजित निम्नलिखित कार्य हुए—

सितम्बर, 1975 से कानपुर नगर में एक मंडलीय मनोविज्ञान केन्द्र ने कार्य प्रारम्भ किया। मनोविज्ञानशाला, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद से उक्त केन्द्र को वांछित सामग्री साज सज्जा तथा प्राविधिक निर्देशन प्रदान किया गया। इस वर्ष 164 व्यक्तिगत निर्देशन, 164 बाल निर्देशन, एवं 4041 सामूहिक निर्देशन दिये गये तथा 6 प्रकाशन किये गये। अनेक विभागों के अभ्यर्थियों के चयन में आवश्यक सहायता प्रदान की गई। आगरा, बरेली, वाराणसी में भी मण्डलीय मनोविज्ञान केन्द्रों की स्थापना कर दी गई है।

11—अंग्रेजी भाषा शिक्षण संस्थान—इलाहाबाद स्थित इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य अंग्रेजी शिक्षक/शिक्षिकाओं का प्रशिक्षण, अंग्रेजी शिक्षण के सम्बन्ध में अनुसंधान तथा प्रकाशन है। अंग्रेजी प्रशिक्षण आधुनिक विधियों, विधाओं तथा नई तकनीकी पर आधारित होता है। पिछले कई वर्षों से प्रशिक्षण केवल राजकीय विद्यालयों के अंग्रेजी अध्यापक/अध्यापिकाओं तक सीमित रहता था। वर्ष 1968 से कुछ नये स्नातक भी सीधी भर्ती द्वारा लिये जाते हैं। इसके अतिरिक्त आर्मी एजूकेशन कोर के लिए भी 5 स्थान सुरक्षित हैं। प्रशिक्षण में इलाहाबाद में बाहर से आये हुए अध्यापक/अध्यापिकाओं को 60-80 प्रतिशत की छलवृत्ति का भी प्राविधान है।



वर्ष 1976-77 (39वें डिप्लोमा कोर्स जो 30 अप्रैल, 1977 को समाप्त हुआ, को सम्मिलित करते हुए) डिप्लोमा कोर्स में कुल 1438 अध्यापक/अध्यापिकाओं को प्रशिक्षित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त शिक्षा विभाग के शिक्षक, अधिकारी तथा प्रशिक्षण महाविद्यालयों के प्राध्यापकों को ग्रीष्मकालीन पुनः प्रशिक्षण में प्रशिक्षित कराया गया जिनकी संख्या 1,101 है। साथ ही संस्थान के निर्देशन में विभिन्न जिलों के लगभग 2880 अंग्रेजी अध्यापक/अध्यापिकायें अल्पकालीन शिविरों में प्रशिक्षित किये गये। 40वां डिप्लोमा कोर्स अगस्त, 29, 1977 से प्रारम्भ हुआ और 23 दिसम्बर 1977 को समाप्त हुआ।

12—राज्य हिन्दी संस्थान—राज्य हिन्दी संस्थान की स्थापना 25 मार्च, 1969को इलाहाबाद में हुई। 20 दिसम्बर, 1971 को यह संस्थान वाराणसी स्थानान्तरित हुआ। 1975 से यह अपने नवनिर्मित भवन में कार्यरत है। संस्थान के प्रमुख कार्य हैं:—

(1) प्रशिक्षण—वर्ष 1977-78 में पूर्व माध्यमिक स्तर के 9 प्रधानाध्यापक एवं प्राथमिक तथा पूर्व माध्यमिक स्तर की 100 अध्यापिकायें प्रशिक्षित की गईं। वर्षान्त तक विभिन्न श्रेणियों के 605 व्यक्तियों को प्रशिक्षित करने का प्राविधान है।

(2) प्रकाशन—त्रैमासिक 'वाणी' के प्रकाशन के अतिरिक्त दो संगोष्ठी विवरण एवं 5 पुस्तकें प्रकाशित की जा चुकी हैं।

(3) शोध—हिन्दी वर्तनी एवं हिन्दी शब्द सम्पदा तथा वाक्य रचना के सम्बन्ध में शोध कार्य चल रहा है जो 77-78 तक पूरा हो जायगा।

13—राज्य शिक्षा संस्थान—राज्य शिक्षा संस्थान की स्थापना, तृतीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत फरवरी, 1964 में हुई। यह एक विशिष्ट संस्था है। शिक्षक प्रशिक्षक तथा निरीक्षक वर्ग का प्राथमिक शिक्षा में शोध, प्रकाशन, प्रसार, पत्राचार तथा प्राविधिक इकाई संस्थान के विशेष अंग हैं। एक शोध पाठशाला भी इससे संलग्न है।

प्राथमिक स्तर पर व्यापक हास एवं अवरोध के कारण स्थिति चिन्ताजनक है। कक्षा 1 में प्रवेश लेने वाले 100 विद्यार्थियों में से लगभग 39 विद्यार्थी कक्षा 5 तक पहुंच पाते हैं ऐसी स्थिति से निवटने के लिये यह निर्णय लिया गया है कि कक्षा एक और दो को अलग-अलग न रख कर एक समन्वित शिक्षा के अन्तर्गत उन्हें चलाया जायें तथा कक्षा 1 में कोई विद्यार्थी अनुत्तीर्ण न किया जाए। कक्षा एक में वार्षिक परीक्षा न होगी। नियमित परीक्षाएँ ली जायें जिनका आशय विद्यार्थियों की कम-जोरियों के स्थलों को छानटना होगा ताकि आगामी महीनों में उनकी यह कमजोरी दूर की जा सके। गत वर्षों में इलाहाबाद जिले के शंकरगढ़ ब्लाक में इस समस्या के समाधान के लिये प्रायोगिक सर्वेक्षण किया गया। स्थानीय जनता के सहयोग से सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। फलस्वरूप बच्चों की संख्या में वृद्धि हुई और जो बच्चे कक्षा 1 व 2 में पढ़ाई छोड़ चुके थे उन्होंने फिर से पढ़ाई शुरू कर दी। इसी के अनुकरण पर अलीगढ़ में जवां तथा रायबरेली में डलमऊ विकास क्षेत्रों में योजना प्रारम्भ की गई।

(2) संस्थान द्वारा कक्षा 7 व 8 की कृषि विज्ञान, कक्षा 6, 7, 8 की स्काउटिंग संदेशिका तथा अन्य विषयों पर सात पाण्डुलिपियां तैयार की गईं।

14—राजकीय केन्द्रीय अध्यापन विज्ञान संस्थान इलाहाबाद—इस संस्था में एल 0 टी 0 सेवा पूर्व प्रशिक्षण, सेवाकालीन प्रशिक्षण, सीधे भर्ती से द्वितीय श्रेणी में चुने गये शिक्षा अधिकारियों तथा सेवारत शिक्षा विभाग के अन्य अप्रशिक्षित अधिकारियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था है। शिक्षा के विविध क्षेत्रों से सम्बन्धित शोध कार्य तथा अन्य शैक्षिक परियोजनाओं का संचालन इस संस्थान में किया जाता है जिसमें विभिन्न स्तरों के पाठ्यक्रमों तथा पाठ्यपुस्तकों का निर्माण, माइक्रोटीपिंग परियोजना, रेमीडियल टीचिंग आदि सम्मिलित हैं।

15—राज्य शिक्षण शिक्षण संस्थान—इस संस्थान द्वारा प्रदेश में विज्ञान की शिक्षा की उन्नति के लिये अनेक कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। 53 दीक्षा विद्यालयों को यूनीसेफ द्वारा संचालित विज्ञान शिक्षा योजनान्तर्गत विज्ञान के उपकरण इस वर्ष निर्मूल्य प्रदान किये गये हैं। इसके अतिरिक्त 10 प्रशिक्षण संस्थानों को विज्ञान के उपकरण फिल्म तथा पुस्तकों की पूर्ति की गई है।

जनपद, मंडल तथा प्रदेशीय स्तर पर बहुत विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसके साथ छात्र वैज्ञानिक अनुसंधान प्रतियोगितायें भी आयोजित की गईं।

16—शारीरिक शिक्षा खेलकूद एवं युवक कल्याण—(क) (1) शारीरिक शिक्षा—सामान्य शिक्षा के साथ-साथ शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद की प्रगति पर विशेष बल दिया जा रहा है। शारीरिक शिक्षा के लिये प्रशिक्षित अध्यापक सुलभ करने हेतु राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय में डी० पी० एड० तथा सी० पी० एड० कक्षाओं में 50-50 छात्राध्यापकों की संख्या में वृद्धि कर दी गई है। इस समय प्रदेश में दो राजकीय (रामपुर में पुरुषों के लिये तथा इलाहबाद में महिलाओं के लिये) तथा दो अराजकीय (एक लखनऊ में और एक समोघपुर जिला जौनपुर में) शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय हैं, जहाँ क्रमशः डी० पी० एड० और सी० पी० एड० का प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

(2) भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही राष्ट्रीय शारीरिक स्वस्थता दल योजना के प्रदेश में कार्यरत 782 अनुदेशकों को प्रदेशीय शासन के अन्तर्गत शिक्षा विभाग में स्थायी रूप से शारीरिक शिक्षा अनुदेशक के पद नाम से खपा दिया गया है। ये सभी अनुदेशक पूर्ववत् विभिन्न विद्यालयों में पदस्थ हैं जो विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा एवं खेलकूद के कार्यों को शारीरिक शिक्षा अध्यापकों की भांति कर रहे हैं।

(3) राष्ट्रीय शारीरिक कुशलता अभियान कार्यक्रम को समस्त विद्यालयों में शारीरिक शिक्षा की भांति अनिवार्य कर दिया गया है तथा प्रदेश भर में 600 केन्द्र स्थापित किये गये हैं।

(ख) खेलकूद—ग्रामीण क्षेत्रों में खेलकूद को लोकप्रिय बनाने के लिये प्रदेश के हर जनपद और मण्डल के प्रत्येक खेल के एक-एक सर्वश्रेष्ठ छात्र एवं छात्रा (खिलाड़ी) को क्रमशः 60 रु० और 120 रुपये की छात्र वृत्ति प्रदान की जाती है। राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण रजत एवं कांस्य पदक विजेताओं को क्रमशः 200, 175 और 150 रु० की छात्रवृत्तियाँ दी जाती हैं। इस प्रकार खेलकूद प्रोत्साहन हेतु कुल 1,25,000 रु० की धनराशि शासन द्वारा छात्र-छात्राओं में खेलकूद के प्रोत्साहन के लिये छात्रवृत्ति के रूप में प्रदान की जाती है। वर्ष 1977-78 में राष्ट्रीय विद्यालयी शर्द एवं शीतकालीन प्रतियोगिता क्रमशः अमृतसर तथा त्रिवेन्द्रम (केरल) में आयोजित की गई थी। जिसमें उत्तर प्रदेश के प्रतियोगियों ने 11 स्वर्ण, 11 रजत, 4 तथा 11 कांस्य पदक प्राप्त किये। इसके अतिरिक्त राष्ट्र क्रिकेट प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश की विद्यालयी टीम विजेता रही। इस वर्ष खेलकूद के क्षेत्र में शिक्षा विभाग की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही कि विभाग के अन्तर्राष्ट्रीय एशियन विद्यालयी फुटबाल प्रतियोगिता आगरा में आयोजित करने का अवसर अखिल भारतीय स्कूल गेम्स फेडरेशन द्वारा प्रदान किया गया। इसमें विदेश की 10 टीमों ने भाग लिया। भारत को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में स्वर्ण पदक विजेता छात्र/छात्राओं को विभाग की ओर से पुरस्कृत करके सम्मानित किया जाता है।

(ग) युवक कल्याण—प्रदेश के छात्र/छात्राओं को 'अपना देश अपना प्रदेश जानो' कार्यक्रम के अन्तर्गत इस वर्ष आठ राजकीय विद्यालयों (बालक/बालिकाओं) के छात्र छात्राओं को शैक्षिक भ्रमण हेतु इस प्रदेश के विभिन्न भागों में भेजा गया। जिसके रेल एवं बस के किराये के व्यय हेतु विभाग द्वारा उक्त राजकीय विद्यालयों को तीन-तीन हजार रुपये की धनराशि प्रदान की गई।

17—राष्ट्रीय बचत योजना—बचपन से ही धन संचय की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विद्यालयों में संचायिका योजना कार्यान्वित की जा रही है जिसमें प्रत्येक वर्ष लाखों की संख्या में छात्र सचस्य बनते हैं। राष्ट्रीय बचत योजनाओं में शिक्षा संस्थाओं के अध्यापकों, अधिकाधिकारियों एवं छात्रों का प्रबन्धनीय योगदान है।

18—राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान—राष्ट्रीय अध्यापक कल्याण प्रतिष्ठान योजना का मुख्य उद्देश्य ऐसे अध्यापकों और उनके आश्रितों को सहायता देना है जिनकी आर्थिक स्थिति दयनीय है। इस प्रतिष्ठान के प्रबन्ध और प्रशासन के लिये केंद्रीय स्तर पर भारत सरकार शिक्षा मन्त्रालय, नई दिल्ली में एक समन्वय समिति गठित है। प्रदेशीय स्तर पर इस कार्य के लिये कार्यकारिणी समितियाँ भी हैं। इस राज्य में प्रदेश कार्यकारिणी समिति के अध्यक्ष शिक्षा मंत्री एवं सचिव कोषाध्यक्ष, शिक्षा निदेशक, उत्तर प्रदेश हैं। वर्ष 1977-78 तक इस योजनान्तर्गत 3476 अभ्यर्थियों को अध्यापक कल्याण कोष से आर्थिक सहायता दी जा चुकी है।

19—भारत स्काउट एवं गाइड्स, उत्तर प्रदेश—इलाहाबाद को अपनी सेवाओं को विस्तृत करने एवं कार्यकलापों को सुचारु रूप से संचालित करने के लिये वर्ष 1976-77 में 70,000 रुपया आयोजनेतर आय-व्ययक में तथा 2,00,000 रुपया आयोजनागत आय-व्ययक से स्वीकृत किया गया। प्रदेश में कक्षा 6-8 में स्कार्टिंग अनिवार्य कर दी गयी है।

20—शिक्षकों को राष्ट्रीय एवं राज्य पुरस्कार—वर्ष 1977-78 में भारत सरकार ने 8 प्राथमिक, 4 माध्यमिक, अध्यापकों को राष्ट्रीय पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। इनके अतिरिक्त उत्तर प्रदेश शासन ने भी वर्ष 1977-78 में 8 प्राथमिक 4 माध्यमिक स्तर, 3 संस्कृत तथा 2 अरबी-फारसी विद्यालयों के शिक्षकों को राज्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया है।

21—वेद पंडितों को पुरस्कार—वर्ष 1977-78 में 10 वेद पंडितों को पुरस्कृत करने हेतु शासन ने प्रति वेद पंडित को, 1,111 रु० नकद तथा 389 रु० के मूल्य की उनकी पत्नी के लिये एक साड़ी एक ब्लाउज पीस तथा एक ऊनी साल देने की सुविधा प्रदान की है। इस प्रकार उक्त कुल 15,000 रु० की धनराशि दी गई है।

22—बाल भवन—आधुनिक समाज के बच्चों के माता-पिता कार्य में इतने व्यस्त रहते हैं कि वे अपने बच्चों के विकास की ओर पर्याप्त समय नहीं दे पाते। अल्प आयु के बच्चों के सम्बन्धनशील मस्तिष्क को विकसित करने के लिये तथा उनकी मनोवृत्ति का मूल्यांकन कर उन्हें सही दिशा में अग्रसरित करने के लिये समुचित सुविधायें उपलब्ध नहीं हैं। इसका यह परिणाम होता है कि इन बच्चों का विकास अवशुद्ध हो जाता है। अतः राज्य सरकार ने यह निश्चय किया कि प्रदेश में 5-15 वर्ष की आयु के बच्चों के लिये बाल भवन की स्थापना की जाय। एक बाल भवन में लगभग 200 बच्चों को सुविधा दी जायें जिसमें 10 प्रतिशत सुविधा पिछड़े निम्न वर्ग के बच्चों के लिये सुरक्षित किया जाना प्रस्तावित है।

23—निर्धारित मूल्यों पर पुस्तकें तथा लेखन सामग्री—वर्ष 1974-75 से उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रियायती दर पर दिये गये कागज से बनी कापियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

(1) वर्ष 1977-78 हेतु कक्षा 1 से 8 तक की कुल 81 राष्ट्रीयकृत पाठ्यपुस्तकों की लगभग 2.50 करोड़ प्रतियाँ प्रदेश के अनुमोदित मुद्रकों/प्रकाशकों द्वारा मुद्रित/प्रकाशित कराने की व्यवस्था की गई।

(2) उपर्युक्त पुस्तकों में से कक्षा 1 व 5 के रीडर तथा कक्षा 6, 7, व 8 के कृषि विज्ञान की पुस्तकों की पुनर्रचना कराकर तथा जनरल इंगलिश, सामान्य हिन्दी व स्काउट गाइड शिक्षा नामक पुस्तकें कक्षा 6, 7 व 8 के लिए सम्मिलित रूप से मुद्रित/प्रकाशित कराकर जुलाई, 1977 से प्रचलित की गई।

(3) जूनियर हाई स्कूल कक्षाओं की भूगोल, इतिहास तथा विज्ञान की राष्ट्रीयकृत पुस्तकों के उर्दू अनुवाद भी मुद्रित/प्रकाशित करवाये गये।

(4) शासन ने वर्ष 1976 से कक्षा 1 से 12 तक के सभी राष्ट्रीयकृत तथा पाठ्य क्रमानुसार स्वीकृत पाठ्य पुस्तकों का रियायती दर के कागज पर मुद्रित करना अनिवार्य कर दिया है। अतः 1977 में उक्त प्रकार की रियायती दर के कागज से छपी पुस्तकों का मूल्य पहले से अपेक्षाकृत काफी कम हो गया।

(5) वर्ष 1976-77 में यूनीसेफ सहायता कार्यक्रम के अन्तर्गत रु 2,87,141.24 पं 0 मूल्य की विज्ञान विषयक पाठ्य पुस्तकें विद्यार्थियों में निःशुल्क वितरित कराई गईं। वर्ष 1977-78 में रु 8,89,786 रु 0 मूल्य की विज्ञान विषयक पुस्तकें निःशुल्क वितरित कराने का प्राविधान है।

(6) जूनियर बेसिक स्कूलों के पुस्तकालयों हेतु वर्ष 1976-77 में लगभग 6,72,000 रु 0 मूल्य की अनुभूत पुस्तकें वितरित कराई गईं।

(7) जिन उर्दू की राष्ट्रीयकृत पाठ्य पुस्तकों का मूल्य कम संख्या में छपवाने के कारण हिन्दी के समान पुस्तकों से अधिक आ रहा था उनसे शासन ने सबसेड़ी स्वीकृत कर उनका मूल्य हिन्दी पुस्तकों के बराबर कर दिया।

(24) अन्य उपलब्धियाँ—समाज के निर्बल वर्ग के बच्चों को शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह प्रस्तावित है कि नए खुलने वाले विद्यालयों में 20 प्रतिशत विद्यालय समाज के निर्बल वर्ग के क्षेत्रों में स्थापित किये जायें। वर्तमान छात्र संख्या को स्थिर रखने की दृष्टि से बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें तथा पठन सामग्री प्रोत्साहन स्वरूप दी जा रही है। कमजोर वर्ग के बच्चों के लिए आश्रम पद्धति विद्यालय खोलने, छात्रवृत्तियाँ एवं पाठ्य पुस्तकीय सहायता देने की व्यवस्था की गई है।

(2) सरकार ने यह निर्णय लिया है कि सहायता प्राप्त संस्कृत पाठशालाओं तथा अरबी मदरसों में कार्य करने वाले अध्यापकों और कर्मचारियों (चतुर्थ श्रेणी को छोड़कर) के लिए लाभमयी योजना लागू की जाय।

(3) सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं से सेवा निवृत्त होने वाले अध्यापकों को मार्च, 1977 से पहले केवल 80 से लेकर 150 रु 0 तक की अधिकतम मासिक पेंशन अनुमन्य थी। अब यह निर्णय लिया गया है कि राजकीय पेंशन भोगी अध्यापकों की भांति इन अध्यापकों की पेंशन को भी 1-4-77 से 10 रुपये से 15 रुपये तक प्रतिमाह वृद्धि कर दी जाए।

(4) प्रदेश में विभिन्न स्तर की वर्तमान शिक्षण सुविधा की स्थिति इस प्रकार है कि एक लाख की जनसंख्या के लिये 67 जूनियर बेसिक स्कूल, 10 सीनियर बेसिक स्कूल तथा 4 हाई स्कूल उपलब्ध हैं जबकि देश के कतिपय विकसित राज्यों में यह संख्या क्रमशः 132, 23 और 8 है।

(5) विभिन्न स्तरों पर अध्ययन करने वाले छात्रों पर विगत तीन वर्षों में प्रति छात्र की दर से शासन द्वारा किया गया व्यय निम्नवत् है :

	1974-75	1975-76	1976-77
1 प्राथमिक स्तर ..	रु 73.00	85.00	85.00
2 माध्यमिक स्तर ..	रु 167.00	186.00	186.00
3 उच्च स्तर ..	रु 344.00	378.00	660.00

**सारिणी--1**  
**शिक्षा - के लिये निर्दिष्ट बजट**

वर्ष	बालकों की शिक्षा के लिए बजट	बालिकाओं की शिक्षा के लिये बजट	शिक्षा के लिये सम्पूर्ण बजट
1	2	3	4
	₹0	₹0	₹0
1946-47 ..	2,50,32,561	68,17,239	3,18,49,800
1950-51 ..	6,61,14,800	76,29,400	7,37,44,200
1955-56 ..	9,30,63,300	89,53,200	10,20,16,500
1960-61 शिक्षा	12,17,33,000	1,18,23,200	13,35,56,200
1960-61 शिक्षा नियोजन	**	**	3,87,41,000
1965-66 शिक्षा	24,36,60,500	2,53,76,200	26,90,36,700
1965-66 शिक्षा नियोजन	14,42,21,200	2,13,46,000	16,55,67,200
1968-69 शिक्षा	46,30,92,200	5,35,93,100	51,66,85,300
1968-69 शिक्षा नियोजन	6,31,67,100	38,56,600	6,70,23,700
1973-74 शिक्षा	1,02,99,58,800	7,27,21,800	1,10,26,80,600
1973-74 शिक्षा नियोजन	43,15,52,400	1,28,90,700	44,44,43,100
1974-75 शिक्षा	1,55,13,92,400	8,39,02,100	1,63,52,94,500
1974-75 शिक्षा नियोजन	10,44,29,800	61,19,000	11,05,48,800
1975-76 शिक्षा	1,89,92,90,900	5,92,17,200	1,95,85,08,100
1975-76 शिक्षा नियोजन	9,69,55,700	64,80,000	10,34,35,700
1976-77 शिक्षा	1,87,04,56,900	13,48,22,200	2,00,52,79,100
1976-77 शिक्षा नियोजन	14,37,92,800	4,27,000	14,42,19,800
1977-78 शिक्षा	1,97,18,28,600	26,26,63,000	2,23,44,91,600
1977-78 शिक्षा नियोजन	19,54,76,500	5,97,000	19,60,73,500

टिप्पणी—इसके अतिरिक्त बालकों की शिक्षा के लिये बजट में बालिकाओं की शिक्षा पर व्यय सम्मिलित है। \*\*विभक्त बजट में उपलब्ध नहीं है।

## सारणी—

## शिक्षा के विभिन्न शीर्षकों

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66
1	2	3	4	5	6
शिक्षा	₹ 0	₹ 0	₹ 0	₹ 0	₹ 0
1-प्रारंभिक	1,21,72,100	3,32,18,200	4,24,73,600	5,69,27,000	10,30,06,400
2-माध्यमिक	99,16,800	1,65,95,000	2,35,46,400	3,36,10,200	6,53,67,800
3-विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज	26,91,900	47,77,100	89,47,700	1,13,62,000	1,91,07,100
4-ट्रेनिंग	18,14,200	5,99,400	9,14,900	9,83,400	13,96,900
5-अन्य	52,54,800	1,85,54,500	2,61,33,900	3,06,73,600	8,01,58,500
6-विशेष शिक्षा	..	..	..	..	..
7-प्राविधिक शिक्षा	..	..	..	..	..
8-क्रीड़ा एवं युवक कल्याण	..	..	..	..	..
9-सामान्य शिक्षा	..	..	..	..	..
10-एक मुश्त प्राविधान	..	..	..	..	..
योग-3,	18,49,800	77,37,44,200	10,20,16,500	13,35,56,200	26,90,36,700
शिक्षा नियोजन					
1-प्रारम्भिक	..	..	..	2,54,76,900	6,75,47,200
2-माध्यमिक	..	..	..	63,67,000	3,20,95,900
3-विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेज	..	..	..	41,17,000	1,47,51,200
4-ट्रेनिंग	..	..	..	13,06,000	75,21,200
5-अन्य	..	..	..	14,74,100	4,36,51,700
6-विशेष शिक्षा	..	..	..	..	..
7-प्राविधिक शिक्षा	..	..	..	..	..
8-क्रीड़ा एवं युवक कल्याण	..	..	..	..	..
9-सामान्य शिक्षा	..	..	..	..	..
10-एक मुश्त प्राविधान	..	..	..	..	..
11-अनुसूचित जातियों अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े हुए वर्गों का कल्याण	..	..	..	..	..
योग	..	..	..	3,87,41,000	1,55,67,200

ट्रेनिंग से सम्बन्धित बजट वर्ष 1974-75 में विश्वविद्यालय तथा डिग्री कालेजों में सम्मिलित

2

के लिये बजट

1968-69	1973-74	1974-75	1975-76	1977-78
7	8	9	10	11
₹0	₹0	₹0	₹0	₹0
22,24,05,500	35,43,83,200	88,11,48,300	1,03,28,32,500	1,09,35,18,000
14,38,30,100	25,53,04,000	40,41,87,300	48,13,29,500	60,54,11,300
5,00,94,000	5,08,76,300	9,10,24,600	10,84,76,400	25,53,97,500
26,12,200	30,12,300	..	..	..
9,77,43,500	43,91,04,800	..	..	..
..	..	1,15,43,300	1,62,51,100	1,80,48,100
..	..	3,81,95,200	4,29,43,900	5,26,34,400
..	..	2,03,63,000	2,02,99,500	2,60,64,300
..	..	32,800	32,200	23,000
..	..	18,88,00,000	25,63,43,000	18,33,95,000
51,66,85,300	1,10,26,80,600	1,63,52,94,500	1,95,85,08,100	2,23,44,91,600
2,63,96,100	31,02,30,900	6,17,41,500	5,58,56,000	8,91,09,000
1,08,00,300	2,70,01,300	1,65,61,000	1,73,32,000	4,12,20,000
81,88,000	1,65,98,100	1,18,90,200	1,04,52,000	2,25,80,000
7,17,600	13,17,300	..	..	..
2,09,21,700	8,92,95,500	..	..	..
..	..	41,29,000	52,49,500	81,27,000
..	..	1,01,59,300	95,03,900	88,65,000
..	..	39,67,800	44,38,300	79,44,500
..	..	1,00,000	..	..
..	..	20,00,000	6,04,000	7,55,000
..	..	..	..	1,74,73,000
6,70,23,700	44,44,43,100	11,05,48,800	10,34,35,700	19,60,73,500

कर दिया गया है।

सारणी—3

प्रबन्धानुसार शिक्षा संस्थायें सामान्य शिक्षा

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1977-78**
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
राजकीय	.. बालक	108	942	834	1,119	1,821	1,846	694	895
	बालिका	93	152	171	222	545	570	337	373
स्थानीय निकाय	.. बालक	15,200	27,879	28,745	34,418	47,903	48,917	51,585	59,062
	बालिका	1,473	2,444	2,726	4,968	11,020	11,609	13,992	15,499
विश्वविद्यालय*	.. बालक	5	6	6	9	9	11	14	19
	बालिका	..	..	..	..	..	..	..	..
सहायता प्राप्त	.. बालक	4,347	3,072	2,765	3,198	4,059	4,858	5,270	6,860
	बालिका	674	508	478	558	726	822	909	1,118
असहायता प्राप्त	.. बालक	493	825	1,315	1,747	2,912	3,546	5,104	1,398
	बालिका	37	44	69	160	248	321	478	145
योग ..	बालक	20,148	32,724	33,665	40,491	56,704	59,178	62,667	68,234
	बालिका	2,277	3,148	3,444	5,908	12,539	13,322	15,716	17,135

- टिप्पणी:— (1) विश्वविद्यालयों की संख्या वर्ष 1946-47, 1950-51, 1955-56 तथा 1960-61 में सहायता प्राप्त संस्थाओं की संख्या में सम्मिलित थी ।  
 (2) \*दो विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं ।  
 (i) काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।  
 (ii) गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर ।  
 (iii) वर्ष 1973-74 में एक विश्वविद्यालय मानी गई संस्था कांगड़ी हरिद्वार, सहारनपुर सम्मिलित नहीं है ।  
 \*\*आंकड़े अस्थायी हैं ।



सारिणी--4

विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें प्रथम तीन स्तर

		46-47	50-51	55-56	60-61	65-66	68-69	73-74	77-78
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
<b>उच्चतर माध्यमिक विद्यालय</b>									
(लड़के)	.. सब	415	833	1,253	1,489	2,050	2,484	3,519	3,937
	ग्रामीण क्षेत्रों में	55	304	590	743	1,185	1,537	2,122	2,344
<b>उच्चतर माध्यमिक विद्यालय</b>									
(लड़कियाँ)	.. सब	91	154	221	282	451	528	646	707
	ग्रामीण क्षेत्रों में	..	1	2	6	27	43	128	159
योग	.. सब	506	987	1,474	1,771	2,501	3,012	4,165	4,644
	ग्रामीण क्षेत्रों में	55	305	592	749	1,212	1,580	2,250	2,503
<b>सीनियर बेसिक स्कूल</b>									
(लड़के)	.. सब	1,344	2,386	3,128	3,674	4,945	6,168	7,492	8,237
	ग्रामीण क्षेत्रों में	836	1,854	2,661	3,025	4,242	5,269	5,755	6,140
<b>सीनियर बेसिक स्कूल</b>									
(लड़कियाँ)	.. सब	506	468	512	661	1,209	1,530	2,584	3,153
	ग्रामीण क्षेत्रों में	363	130	195	247	708	969	1,817	2,256
योग	.. सब	1,850	2,854	3,640	4,335	6,154	7,698	10,076	11,390
	ग्रामीण क्षेत्रों में	1,199	1,984	2,856	3,272	4,950	6,238	7,572	8,396

		46-47	50-51	55-56	60-61	65-66	68-69	73-74	77-78*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
<b>जूनियर बेसिक स्कूल</b>									
(लड़के)	सब ..	18,370	29,459	29,202	35,156	49,443	50,219	51,313	55,684
	ग्रामीण क्षेत्रों में	15,533	22,106	26,503	31,656	45,360	46,327	46,288	50,633
<b>जूनियर बेसिक स्कूल</b>									
(लड़कियां)	सब ..	1,678	2,520	2,696	4,927	10,800	11,171	12,382	13,140
	ग्रामीण क्षेत्रों में	968	1,604	1,897	3,646	8,895	9,213	8,732	10,069
योग ..		20,048	31,979	31,898	40,083	60,243	61,390	63,695	68,824
[सब ग्रामीण क्षेत्रों में]		16,501	23,710	28,400	35,302	54,255	55,540	55,020	60,702
<b>नर्सरी स्कूल (लड़के)</b>									
	सब ..	..	6	19	55	110	126	87	71
	ग्रामीण क्षेत्रों में	..	..	..	..	..	..	..	2
<b>नर्सरी स्कूल (लड़कियां)</b>									
	सब ..	..	..	7	18	43	46	42	53
	ग्रामीण क्षेत्रों में	..	..	..	..	..	..	..	..
योग ..		..	6	26	73	153	172	129	124
[सब ग्रामीण क्षेत्रों में]		..	..	..	..	..	..	..	2

\*आंकड़े अस्थायी हैं।

## सारणी—5

विभिन्न प्रकार की मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थायें (अन्तिम दो स्तर)

		1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1977-78*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
विश्वविद्यालय	लड़के	5	6	6	9	9(क)	11	14(ख)	19(ख)
	लड़कियाँ								
	योग	5	6	6	9	9(क)	11	14(ख)	19(ख)
डिग्री कॉलेज (ग)	लड़के	14	34	57	108	147	170	242	282
	लड़कियाँ	2	6	8	20	36	47	62	82
	योग	16	40	65	128	183	217	304	364

\*आंकड़े अस्थायी हैं ।

(क) विश्वविद्यालय मानी गई संस्थायें सम्मिलित नहीं हैं ।

(1) गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर, काशी विद्यापीठ, वाराणसी ।

(ख) विश्वविद्यालय मानी गई एक संस्था गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, सहारनपुर सम्मिलित नहीं हैं ।

(ग) वर्ष 73-74 तक ये केवल सामान्य शिक्षा के डिग्री कॉलेज हैं, एग्रीकल्चरल, यूटोरियल कॉलेज तथा ट्रेनिंग कॉलेज की संख्या सम्मिलित नहीं है ।

सारिणी—  
संस्था के अनुसार

		1946-47	1950-51	1955-56
1	2	3	4	5
विश्वविद्यालय**	लड़के	9,760	19,105	24,616
	लड़कियां	758	1,671	2,802
	योग ..	10,518 (अ)	20,776	27,418
डिग्री कालेज	लड़के	20,643(ब)	27,294	45,725
	लड़कियां	1,700(ब)	2,504	4,874
	योग ..	22,343(ब)	29,798	50,599
उच्चतर माध्यमिक स्कूल	लड़के	1,77,562(द)	3,59,580	5,56,530
	लड़कियां	25,663(द)	57,825	87,599
	योग ..	2,03,225(द)	4,17,405	6,44,129
सीनियर वेमिक स्कूल	लड़के	1,64,667	2,78,339	3,55,266
	लड़कियां	83,174	69,798	71,759
	योग ..	2,47,841	3,48,137	4,27,025
जूनियर वेसिक स्कूल	लड़के	13,86,453	23,92,175	22,53,231
	लड़कियां	1,89,055	3,34,948	4,84,596
	योग ..	14,75,508	27,27,123	27,37,827
नर्सरी स्कूल	लड़के	..	644	1,507
	लड़कियां	..	162	991
	योग ..	..	806	2,498

(द) इन्टर कक्षाओं के विद्यार्थी सम्मिलित नहीं हैं ।

(अ) यह केवल विज्ञान और कला के विद्यार्थियों की संख्या हैं ।

(ब) इन संस्थाओं में समस्त इन्टर कला के विद्यार्थी सम्मिलित हैं ।

\*आकड़े अस्थायी हैं ।

\*\*\*माने गये विश्वविद्यालयों के छात्रों की संख्या सम्मिलित नहीं है ।

## छात्रों की संख्या

1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1977-78*
6	7	8	9	10
29,785	37,628	47,047	68,263	81,743
4,033	8,208	11,610	15,794	21,924
33,818	45,836	58,657	84,057	1,03,667
58,959	74,295	1,16,760	1,96,137	2,17,042
8,743	20,263	31,707	49,794	55,194
67,702	94,558	1,48,467	2,45,931	2,72,236
7,57,592	12,71,038	16,26,323	21,59,045	22,86,948
1,54,485	3,87,862	3,89,488	5,08,127	5,83,235
9,12,077	15,58,900	20,15,811	26,67,172	28,70,187
4,46,139	7,48,905	9,64,037	11,60,607	12,50,152
1,03,688	1,94,945	2,27,489	3,11,840	3,34,219
5,49,827	9,83,850	11,91,526	14,72,447	15,84,371
31,70,868	57,64,857	63,39,584	73,03,060	73,94,157
7,87,960	30,23,248	36,00,221	42,40,023	44,49,821
39,58,828	87,88,105	99,39,805	1,15,43,083	18,43,978
4,486	11,882	12,927	15,398	10,178
3,068	7,745	8,935	9,306	8,687
7,545	19,627	21,862	24,704	18,865

सारणी—  
प्रस्थानुसार अध्यापकों

		1946-47	1950-51	1955-56
1	2	3	4	5
विश्वविद्यालय**	पुरुष	10,839 (क)	22,781,201	1,331
	महिला	1,156 (क)	2,022 71	114
	योग ..	12,895 (क)	22,781,272	1,445
डिग्री कॉलेजों में	पुरुष	441 (क)	1,175	2,155
	महिला	37 (क)	74	172
	योग ..	478 (क)	1,249	2,327
उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में	पुरुष	2,610	15,453	24,541
	महिला	1,577	2,774	4,130
	योग ..	9,187	18,227	28,671
सीनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	7,960	11,605	16,734
	महिला	3,421	2,900	3,262
	योग ..	11,381	14,505	19,996
जूनियर बेसिक स्कूलों में	पुरुष	39,358	65,110	70,641
	महिला	2,661	5,189	6,934
	योग ..	42,319	70,299	77,575
नर्सरी स्कूलों में	पुरुष	..	8	35
	महिला	..	14	149
	योग ..	..	22	184

\*आंकड़े अस्थाई हैं।

\*\*विश्वविद्यालय मानी गई संस्थाओं के अध्यापकों की संख्या सम्मिलित नहीं है।

7.  
की संख्या

1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1977-78*
6	7	8	9	10
2,089	2,797	3,405	3,791	4,421
159	234	358	504	657
2,248	3,031	3,763	4,295	5,078
3,113	4,640	5,903	8,646	9,351
331	798	1,083	1,638	2,318
3,444	5,433	6,986	10,284	11,669
30,222	45,717	56,710	79,699	85,545
5,854	10,697	12,982	16,918	18,527
36,076	56,414	69,692	96,617	1,04,072
19,057	28,865	37,577	44,172	46,619
4,202	7,002	8,975	12,970	14,795
23,259	35,867	46,552	57,142	61,414
87,340	1,44,659	1,59,996	1,95,908	1,99,730
11,714	23,918	29,584	39,031	40,127
99,054	1,68,577	1,98,580	2,34,939	2,39,857
51	199	282	199	223
348	723	836	752	798
399	922	1,125	951	1,021

सारिणी—  
स्तरानुसार छात्रों की संख्या

		1964-65	1965-66
		2	3
			4
1—छात्रों की संख्या प्री-प्राइमरी स्तर	कुल	24,393	25,815
	बालिका	9,417	10,535
जूनियर बेसिक स्तर (कक्षा 1-5)	कुल	81,13,761	90,17,914
	बालिका	26,47,447	37,39,237
सैनियर बेसिक स्तर (कक्षा 6-8)	कुल	13,51,129	15,14,037
	बालिका	2,16,983	2,55,618
हाई/हायर सेकेंडरी स्तर (कक्षा 9-12)	कुल	7,00,172	8,02,656
	बालिका	90,170	1,11,982
स्नातक स्तर	कुल	60,354	74,232
	बालिका	12,593	17,127
संश्लेषित स्तर	कुल	18,051	19,755
	बालिका	3,578	4,210
2—अध्यापकों की संख्या (प्री-प्राइमरी स्तर)	कुल	901	1,045
	महिला	677	833
जूनियर बेसिक स्तर (कक्षा 1-5)	कुल	1,60,555	1,74,377
	महिला	25,061	26,841
सैनियर बेसिक स्तर (कक्षा 6-8)	कुल	44,477	49,965
	महिला	7,929	8,677
हाई/हायर सेकेंडरी स्तर (कक्षा 9-12)	कुल	33,285	36,730
	महिला	5,114	5,983

(1) प्री-प्राइमरी स्तर स्कूलों, वर्ष 1964-65, 1965-66 व 1966-67 के आंकड़ों में इन संस्थाओं के छात्र सम्मिलित हैं जो कक्षा 1-5 में पढ़ते हैं जबकि 1967-68 व आगे के वर्षों में इन्हें सम्मिलित नहीं किया गया। अतः 1964-65 से 1966-67 तथा 1967-68 व 1968-69 के आंकड़े विस्तार क्षेत्र विभिन्न होने के कारण तुलनीय नहीं हैं।

(2) हाई/हायर सेकेंडरी स्तर के छात्रों में डिग्री कालेजों से सम्बद्ध कक्षा 11 व 12 के छात्रों की संख्या वर्ष 1964-65 से 1968-69 तक सम्मिलित नहीं है।

\*आंकड़े अस्थायी हैं।



8

तथा अध्यापकों की संख्या

1966-67	1967-68	1968-69	1973-74	1977-78*
5	6	7	8	9
30,747	25,872	27,540	33,669	35,635
12,689	10,455	11,368	13,363	14,007
95,79,995	99,15,153	1,01,70,669	1,17,98,906	1,20,85,762
34,00,569	35,72,497	37,27,453	43,42,162	44,82,955
16,34,498	17,80,136	19,11,969	24,27,658	26,75,000
2,74,446	3,03,891	3,34,770	4,90,515	6,35,000
8,79,799	9,69,145	10,58,151	14,52,681	15,21,000
1,17,162	1,40,089	1,51,282	2,23,129	2,44,000
81,632	94,936	1,24,327	1,98,350	2,14,000
19,833	22,018	27,355	41,559	44,600
21,186	25,099	29,188	30,366	73,300
4,840	6,040	7,094	12,036	20,600
1,139	1,144	1,285	1,097	1,460
847	845	973	865	1,162
1,81,661	1,88,255	1,95,205	2,40,748	2,46,700
28,421	30,017	31,830	41,093	42,550
57,714	61,703	64,399	83,645	89,563
10,491	11,361	11,822	17,533	20,185
39,946	43,300	46,063	64,159	68,641
6,524	7,238	7,752	10,180	10,350

सारणी--9

माध्यमिक शिक्षा परिषद् की परीक्षाओं के लिये मान्यता प्राप्त विद्यालयों की संख्या

	1946-	1950-	1955-	1960-	1965-	1968-	1973-	1974-	1975-	1976-	1977
	47	51	56	61	66	69	74	75	76	77	78
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
<b>हाई स्कूल परीक्षा—</b>											
लड़कों की शिक्षा संस्थायें ..	428	749	1,175	1,404	1,837	2,372	3,217	3,459	3,636	3,716	3,717
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें ..	73	130	197	257	354	488	601	608	625	630	632
योग ..	501	879	1,372	1,661	2,191	2,860	3,818	4,067	4,261	4,346	4,349
<b>इण्टरमीडिएट परीक्षा—</b>											
लड़कों की शिक्षा संस्थायें ..	168	334	652	786	1,002	1,275	1,753	1,869	1,920	2,001	2,002
लड़कियों की शिक्षा संस्थायें ..	15	41	111	148	214	276	328	160	363	367	368
योग ..	183	375	763	934	1,216	1,551	2,081	2,029	2,283	2,368	2,370

हाई स्कूल परीक्षा में परिक्षार्थियों की संख्या

	1947	1951	1956	1961	1966	1969	1974	1975	1976	1977	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
हाईस्कूल परीक्षा में पंजीकृत संख्या											
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	1,67,549	2,15,252	3,14,578	4,05,856	5,80,624	5,77,015	6,07,126	6,04,874	
लड़कियाँ	"	"	16,488	22,620	41,826	68,170	1,01,577	1,05,984	1,34,963	1,35,638	
योग	33,923	1,10,581	1,84,037	2,37,872	3,56,404	4,74,026	6,82,201	6,82,999	7,42,089	7,40,512	
(क)											
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों की संख्या											
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	1,55,285	2,04,315	2,95,036	3,85,294	5,44,482	5,43,411	5,68,268	5,76,573	
लड़कियाँ	"	"	14,301	21,526	38,605	95,079	97,169	95,471	1,24,194	1,25,850	
योग	31,506	98,534	1,69,586	2,25,841	3,33,641	4,80,373	6,41,651	6,38,882	6,92,462	7,02,423	
उत्तीर्ण होने वालों की संख्या—											
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	68,589	89,880	1,30,277	1,69,410	1,79,102	2,13,604	2,03,066	2,96,214	
लड़कियाँ	"	"	8,528	13,860	25,187	43,892	67,626	67,437	74,507	86,818	
योग	19,937	58,234	77,117	1,03,740	1,55,464	2,13,302	2,46,728	2,81,041	2,77,573	3,83,032	
(क) संशोधित आंकड़े ।											

सारिणी--11

इन्टरमीडिएट परीक्षा के परिक्षार्थियों की संख्या

	1947	1951	1956	1961	1966	1969	1974	1975	1976	1977
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
इन्टरमीडिएट परीक्षा में पंजीकृत संख्या—										
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	78,457	99,600	1,48,785	2,27,474	3,08,408	3,16,763	3,39,371	3,41,129
लड़कियां	"	"	9,344	13,745	27,912	42,392	69,774	70,608	86,959	89,252
योग	अनुपलब्ध	41,009	87,801	1,13,345	1,76,697	2,69,866	3,78,182	3,87,371	4,26,330	4,30,381
परीक्षा में सम्मिलित होने वालों की संख्या—										
लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	69,858	89,542	1,29,269	2,06,854	2,78,771	2,90,250	3,06,374	3,14,319
लड़कियां	"	"	8,219	12,282	24,151	38,812	63,620	65,064	80,045	82,326
योग	अनुपलब्ध	34,464	78,077	1,01,824	1,53,420	2,45,666	3,42,391	3,55,314	3,86,419	3,96,645

उत्तीर्ण होने वालों की संख्या—

लड़के	अनुपलब्ध	अनुपलब्ध	36,376	35,645	54,381	1,01,781	1,47,152	1,56,978	1,43,201	1,94,544
लड़कियां	"	"	5,058	6,557	13,299	25,969	39,811	40,930	42,077	54,310
योग	अनुपलब्ध	20,523	41,434	42,202	67,680	1,27,750	1,86,963	1,97,908	1,85,278	2,48,854

सारणी—12

संस्कृत पाठशालाओं की संख्या और राजकीय सहायता

	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1977-78*
1	2	3	4	5	6	7	8
स्वीकृत पाठशालायें .. ..	1,400	1,014	1,050	900	900	900	955
छात्र संख्या .. ..	34,093	39,901	42,892	47,287	48,528	54,211	55,020
अध्यापक .. ..	3,603	4,482	4,644	3,829	4,064	4,420	4,515
सहायता प्राप्त पाठशालायें .. ..	332	408	637	776	800	815	890
राज्य से प्राप्त सहायता (रु० में) .. ..	2,53,512	4,64,448	9,62,953	22,14,020	28,20,273	64,32,341	70,61,100

\*आंकड़े अस्थायी हैं।

सारिणी--13

अरेविक मदरसों की संख्या और राजकीय सहायता

	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1977-78*
1	2	3	4	5	6	7	8
स्वीकृत मदरसे .. .. .	86	89	104	120	121	153	179
छात्र संख्या .. .. .	..	14,190	16,710	25,981	30,267	32,320	32,760
अध्यापक .. .. .	620	627	726	955	997	1,606	1,664
सहायता प्राप्त मदरसे .. .. .	86	89	104	120	121	127	135
राज्य से प्राप्त सहायता (रु० में) .. .. .	90,672	1,02,394	1,24,164	2,56,454	2,44,840	3,18,240	3,81,900

\*आंकड़े अस्थायी हैं।

सारिणी--14

प्रशिक्षण संस्थान तथा संबद्ध प्रशिक्षण कक्षार्थे

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1973-74	1977-78	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
<b>ट्रेनिंग कालेज (एल० टी० स्तर)</b>									
<b>(एक वर्ष)</b>									
पुरुष .. .. .		2	4	6	7	6	7	11	10
महिला { .. .. .		1	5	2	3	4	4	2	2
योग ..		3	9(ग)	8	10	10	11	13	12
<b>विश्वविद्यालयों के प्रशिक्षण विभाग</b>									
<b>(बी० एड० तथा एम० एड०)</b>									
पुरुष तथा महिला सम्मिलित ..		2	..	3	5	5	5	6	6
<b>डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षार्थे</b>									
<b>(एल० टी० स्तर)</b>									
पुरुष .. .. .		..	8	10	28	36	41	48	78
महिला .. .. .		..	1	2	2	6	6	9	23
योग ..		..	9	12	30	42	47	57	101
<b>जूनियर बेसिक ट्रेनिंग कालेज तथा अन्य</b>									
<b>सी० टी० स्तर की प्रशिक्षण संस्थाएँ--</b>									
पुरुष .. .. .		2	अनुपलब्ध	5	5	5	7	8	..
महिला .. .. .		2	..	7	6	8	11	12	6
योग ..		4	..	12	11	13	18	20	6



जे० टी० सी० कालेज ( 2 वर्ष )										
पुरुष	..	..	..	109	33	33	42	..	..	..
महिला	..	..	..	24	1	4	11	..	..	..
योग	..	..	..	133(च)	34	37	53	..	..	..
नामल स्कूल ( 2 वर्ष )										
पुरुष	..	..	65(द)	अनुपलब्ध	45	95	121	(-)	(-)	(-)
महिला	..	..	25(द)	„	16	22	42	(-)	(-)	(-)
योग	..	..	90(द)	„	61	117	163	(-)	(-)	(-)
बी० टी० सी० ( एक वर्ष )										
पुरुष	..	..	..	..	..	..	..	230	194	[समाप्त
महिला	..	..	..	..	..	..	..	89	67	समाप्त
बी० टी० सी० ( 2 वर्ष )										
पुरुष	..	..	..	..	..	..	..	..	..	114
महिला	..	..	..	..	..	..	..	..	..	61
योग	..	..	..	..	..	..	..	319	261	175

(द) इस संख्या में 3 सेन्ट्रल ट्रेनिंग स्कूल और 26 ट्रेनिंग क्लास सम्मिलित हैं जिसमें एक वर्ष का कोर्स था।

(ग) इस संख्या में 9 ट्रेनिंग क्लास सम्मिलित हैं जिनमें एक वर्ष का कोर्स था।

(च) इनमें नामल स्कूल भी सम्मिलित हैं।

(-) संस्थायें अब बी० टी० सी० में परिवर्तित हो गयी हैं।

\* आंकड़े अस्थायी हैं।

सारिणी--15

प्रशिक्षण संस्थाय तथा सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें (छात्र संख्या)

	1946-47	1950-51	1965-56	1960-61	1965-66	1068-69	1973-74	1977-78*	
	1	2	3	4	5	6	7	8	9
<b>ट्रेनिंग कालेज (एल०टी० स्तर)---</b>									
पुरुष .. .. .	295	226	415	500	540	594	995	1,000	
महिला .. .. .	117	337	311	520	621	763	540	185	
योग .. .. .	412	563 (ल)	726	1,020	1,161	1,357	1,535	1,185	
<b>विश्वविद्यालय के प्रशिक्षण विभाग (बी० एड० तथा एम० एड०)---</b>									
पुरुष .. .. .	..	312	257	356	272	442	450	460	
महिला .. .. .	..	107	127	144	354	279	282	290	
योग .. .. .	..	419	384	500	626	721	732	750	
<b>डिग्री कालेजों की प्रशिक्षण कक्षायें (एल० टी० स्तर)---</b>									
पुरुष .. .. .	..	520	956	2,413	2,797	2,837	2,940	7,800	
महिला .. .. .	..	66	289	509	1,140	1,310	1,375	2,200	
योग .. .. .	..	586	1,245	2,922	3,937	4,147	4,315	10,000	
<b>जे० बी० टी० सी० कालेज आदि (दो वर्षीय टी० स्तर)---</b>									
पुरुष .. .. .	127	..	315	597	361	299	545	..	
महिला .. .. .	77	..	252	254	344	537	485	189	
योग .. .. .	204	..	567	851	705	836	1,030	189	

जे०टी०सी० कालेज (दो वर्ष) —

पुरुष	..	..	..	15,166	1,361	2,350	2,225	..	..	..
महिला	..	..	..	639	106	341	787	..	..	..
योग	..	..	..	15,805(ज)	1,467	2,691	3,012(क)	..	..	..

नार्मल स्कूल (दो वर्ष)

पुरुष	..	..	..	2,523	3,773	9,569	16,205	..	..	..
महिला	..	..	..	608	567	1,311	4,210	..	..	..
योग	..	..	..	3,131(य)	4,340	10,880	20,415(ख)	..	..	..

बी०टी०सी० (एक वर्ष)

पुरुष	..	..	..	..	..	..	..	17,946	14,106	समाप्त
महिला	..	..	..	..	..	..	..	6,589	4,618	समाप्त
योग	..	..	..	..	..	..	..	24,535	18,724	..

बी०टी०सी० (दो वर्ष) —

पुरुष	..	..	..	..	..	..	..	..	..	6,000
महिला	..	..	..	..	..	..	..	..	..	2,710
योग	..	..	..	..	..	..	..	..	..	8,710

(ज) इनमें नार्मल स्कूल के छात्र भी सम्मिलित हैं ।

(ल) इनमें सी०टी० के छात्र भी सम्मिलित हैं ।

(य) इस संख्या में 552 लड़के, 171 लड़कियां बी०टी०सी० कोर्स भी सम्मिलित हैं ।

\* आंकड़े अस्थायी हैं ।

(क) इस संख्या में जे०टी०सी० यूनिट के छात्रों की संख्या भी सम्मिलित है ।

(ख) इस संख्या में एच०टी०सी० यूनिट्स के छात्रों की संख्या भी सम्मिलित है ।

सारिणी--16

प्रशिक्षण संस्थायें एवं सम्बद्ध प्रशिक्षण कक्षायें उत्तीर्ण होने वाले छात्राध्यापकों और छात्राध्यापिकाओं की संख्या

	1946-47	1950-51	1955-56	1960-61	1965-66	1968-69	1972-73	1974-75	1977-78*
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
एल०टी०, बी०टी० तथा बी०एड० (एक वर्ष)									
पुरुष ..	289	880	1,386	3,032	3,222	4,234	765(क)	899(क)	677(क)
महिला ..	108	208	511	977	1,735	2,122	434(क)	184(क)	413(क)
योग ..	397	1,088	1,897	4,009	4,957	6,356	1,199(क)	1,083(क)	1,090(क)
एम०एड० (एक वर्ष)									
पुरुष ..	4	58	36	74	92	94	(-)	(-)	(-)
महिला ..	1	25	42	42	66	81	(-)	(-)	(-)
योग ..	5	83	78	116	158	175	(-)	(-)	(-)
जे०बी०टी०सी (दो वर्ष) (सी०टी० स्तर)									
पुरुष ..	108	32	167	110	94	278	360	603	समाप्त
महिला ..	67	155	253	116	217	331	333	386	समाप्त
योग ..	175	187	420	226	311	609	693	989	समाप्त

एच०टी०सी० (दो वर्ष)

पुरुष ..	अनुपलब्ध	994	949	999	1,592	54	समाप्त	समाप्त	समाप्त
महिला ..	अनुपलब्ध	3	68	147	294	21	समाप्त	समाप्त	समाप्त
योग ..	अनुपलब्ध	997	1,017	1,146	1,886	75	समाप्त	समाप्त	समाप्त

एच०टी०सी० (दो वर्ष) तथा बी०टी०सी० (एक वर्ष)

पुरुष ..	1,008	10,576	1,751	4,173	6,129	16,717	15,996	17,549	समाप्त
महिला ..	309	636	294	547	1,553	3,570	4,951	5,975	समाप्त

बी०टी०सी० (दो वर्ष)

पुरुष ..	..	..	..	..	..	..	..	..	7,941
महिला ..	..	..	..	..	..	..	..	..	4,721
योग ..	1,317	11,212 (र)	2,045	4,720	7,682	20,287	20,947	23,524	12,662

(क) केवल एल०टी०सी० परीक्षाफल है।

(- ) आंकड़े उपलब्ध नहीं है।

\*आंकड़े अस्थायी हैं।

(र) सचल विद्यालय के छात्राध्यापक भी सम्मिलित है। यह योजना बाद में बन्द हो गयी।

सारिणी—17

रजिस्ट्रार विभागीय परीक्षाएँ एवं सचिव माध्यमिक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित परीक्षाओं का तीन वर्ष का परीक्षा फल

क्रम	रजिस्ट्रार विभा- गीय परीक्षाएँ	परीक्षार्थियों की संख्या 1975			परीक्षार्थियों की संख्या 1976			परीक्षार्थियों की संख्या 1977		
		सम्मिलित	उत्तीर्ण	प्रतिशत	सम्मिलित	उत्तीर्ण	प्रतिशत	सम्मिलित	उत्तीर्ण	प्रतिशत
1	सीपी0एड0 परीक्षा	172	134	78	166	140	84	184	172	93
2	डी0पी0एड0 परीक्षा	23	22	95	33	31	93	73	58	79
3	टी0सी0 (महिला)	230	213	92	241	235	97	254	233	92
4	टी0सी0 गृह विज्ञान	34	25	73	34	28	82	33	29	88
5	टी0सी0 (बधिर) परीक्षा	18	15	83	13	13	100	15	14	93
6	टी0सी0 (शिशु शिक्षा) परीक्षा	104	93	89	132	103	78	121	95	79
7	टी0सी0 (बेसिक) परीक्षा	448	420	93	405	330	81	406	364	90
8	एल0टी0 (बेसिक) परीक्षा	120	103	85	113	100	88	108	92	85
9	एल0टी0 (रच- नात्मक) परीक्षा	164	128	78	159	143	90	164	110	67

10 एल०टी० (गृह- विज्ञान)	15	14	93	11	8	73	12	12	100
11 एल०टी० (सामान्य परीक्षा)	957	699	73	874	664	76	821	612	75
12 एल०टी० (सामान्य) सिवारत	..	..	..	..	..	..	352	222	63
13 एल०टी० (रच- नात्मक)	..	..	..	..	..	..	98	77	79
14 सी०टी० (बेसिक)	..	..	..	..	..	..	351	304	87
15 सी०टी० (महिला)	..	..	..	..	..	..	73	36	49
16 बी०टी०सी० परीक्षा	30,217	23,329	77	22,297	16,972	76	3,576	2,638	74
(2) माध्यमिक शिक्षा									
परिषदीय परीक्षाये									
1 हाई स्कूल परीक्षा	6,82,999	2,81,041	41	7,42,089	2,77,573	37	7,40,512	3,83,032	52
2 इण्टर मीडिएट परीक्षा	3,87,371	1,97,908	51	4,26,380	1,85,278	43	4,30,381	2,48,854	58

सारिणी--18

जिलेवार 1971 की जनसंख्या, साक्षरता का प्रतिशत तथा 30, सितम्बर, 1977 की विद्यालयों की संख्या

क्रम-संख्या	जिले का नाम	1971 साक्षरता का प्रतिशत				विद्यालय की संख्या*								
		जनसंख्या (हजार में)	पुरुष	महिला	समस्त जन- पद में	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय			सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
						बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15
1	फैजाबाद	1,927	29.73	8.09	19.32	76	13	89	175	32	207	11,08	284	1,392
2	बहराइच	1,737	18.84	4.28	12.19	29	4	33	113	78	191	10,29	266	1,295
3	गोण्डा	2,302	22.19	4.74	14.04	47	7	54	126	64	190	1603	360	1,963
4	प्रतापगढ़	1,423	31.18	6.02	18.50	62	3	65	123	37	160	786	202	988
5	सुल्तानपुर	1,643	28.66	6.72	17.86	58	4	62	149	62	211	1,193	279	1,472
6	गोरखपुर	3,038	30.43	8.20	19.77	124	17	141	260	119	379	1,680	317	1,997
7	आजमगढ़	2,857	29.96	8.21	19.11	131	10	141	202	73	275	1,320	281	1,601
8	बस्ती	2,984	25.64	5.18	15.61	115	10	125	163	74	237	1,653	286	1,939
9	देवरिया	2,812	29.38	6.03	17.95	124	9	133	258	42	300	1,637	320	1,957
10	वाराणसी	2,852	39.99	13.28	27.27	120	37	157	299	112	411	1,305	35	1,658
11	बलिया	1,589	33.25	9.80	21.67	84	6	90	182	60	242	1,017	246	1,263



12	गाजीपुर	..	1,532	30.75	9.29	20.14	67	5	72	159	40	199	977	207	1,184
13	जौनपुर	..	2,005	34.52	8.80	21.23	115	9	124	205	57	262	977	233	1,210
14	मिर्जापुर	..	1,541	29.61	8.08	19.39	50	6	56	178	32	210	1,037	293	1,330
15	इलाहाबाद	..	2,937	35.65	10.76	23.88	149	30	179	209	76	285	1,437	400	1,837

योग पूर्वी जोन .. .. . 1,351 170 1,521 2,801 958 3,759 18,759 4,327 23,086

1	पौड़ीगढ़वाल	..	553	49.32	16.52	32.00	81	6	87	123	37	160	931	140	1,071
2	चमोली	..	293	48.92	9.59	28.67	51	4	55	84	7	91	566	37	603
3	देहरादून	..	577	51.71	33.40	43.74	39	16	55	77	45	122	567	91	658
4	देहरी गढ़वाल	..	397	36.38	4.92	19.29	44	3	47	101	32	133	570	129	699
5	उत्तरकाशी	..	148	37.02	5.37	22.04	16	1	17	57	2	59	335	16	351
6	नैनीताल	..	790	41.33	20.17	31.94	66	20	86	120	46	166	742	102	844
7	अल्मोड़ा	..	750	45.89	11.53	28.08	97	6	103	103	43	146	848	105	953
8	पिथौरागढ़	..	314	49.68	14.63	31.87	56	9	65	104	12	116	752	90	842

योग, पश्चिमी जोन .. .. . 450 65 515 769 224 993 5,311 710 6,021

1	झांसी	..	870	35.65	12.72	24.98	39	11	50	118	53	171	831	114	945
2	लखितपुर	..	537	..	..	..	11	3	14	62	28	90	559	84	643
3	हमीरपुर	..	988	31.15	7.83	20.25	30	6	36	68	64	132	805	245	1,050
4	जालौन	..	813	40.20	12.40	37.36	53	9	62	119	49	168	732	180	912
5	वांदा	..	1,182	29.31	5.84	13.39	44	6	50	138	52	190	922	242	1,164

योग वृन्देलखण्ड .. .. . 177 35 212 505 246 751 3,849 865 4,714

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	
1	आगरा	..	2,309	37.46	16.52	27.97	95	32	127	261	126	387	1,248	195	1,443
2	अलीगढ़	..	2,112	35.01	12.65	24.89	108	16	124	183	46	229	1,125	334	1,459
3	एटा	..	1,571	30.59	11.01	21.69	78	11	89	178	34	212	776	220	996
4	मैनपुरी	..	1,446	33.74	12.83	24.24	57	7	64	191	59	250	1,088	180	1,268
5	मथुरा	..	1,290	36.60	10.51	24.83	86	12	98	116	36	152	949	230	1,179
6	बरेली	..	1,780	24.27	9.92	17.82	59	16	75	173	52	225	1,301	174	1,475
7	बिजनौर	..	1,490	28.35	10.58	20.17	63	13	76	117	50	167	680	274	954
8	बदायूँ	..	1,646	18.19	5.85	12.66	37	11	48	73	56	129	847	306	1,153
9	मुंरादाबाद	..	2,429	23.47	9.54	17.13	87	26	113	144	88	232	1,375	337	1,712
10	पीलीभीत	..	752	24.14	7.78	16.73	16	4	20	64	41	105	480	159	639
11	रामपुर	..	901	17.70	7.17	12.90	27	10	37	48	24	72	470	157	627
12	शाहजहाँपुर	..	1,286	24.09	8.31	17.09	27	10	37	105	49	154	970	218	1,188
13	मेरठ	..	3,367	38.21	16.01	28.14	216	58	274	250	124	374	1,915	492	2,407
14	बुलन्दशहर	..	2,073	32.81	9.16	21.92	154	19	173	114	70	184	1,230	294	1,524
15	मुजफ्फरनगर	..	1,802	30.93	12.65	22.64	76	18	94	72	55	127	870	556	1,426
16	सहारनपुर	..	2,055	31.53	13.52	23.41	87	25	112	132	74	206	1,030	369	1,399
17	इटावा	..	1,448	38.98	16.61	28.86	91	8	99	217	54	271	817	209	1,026
18	फर्रुखाबाद	..	1,557	34.31	13.85	25.11	88	15	103	200	70	270	823	210	1,033
योग, पश्चिमी जोन		..	..	..	..	..	1,452	311	1,763	2,638	1,108	3,746	17,994	4,914	22,908

1	लखनऊ	..	1,618	41.91	24.52	33.97	67	37	104	122	60	182	1,030	337	1,367
2	हरदोई	..	1,850	27.83	8.86	19.25	45	4	49	192	74	266	1,171	215	1,386
3	खीरी	..	2,487	21.41	6.40	14.63	34	6	40	80	45	125	1,067	191	1,258
4	रायवरेली	..	1,511	28.63	7.41	18.33	42	7	49	137	52	189	776	202	978
5	सीतापुर	..	1,884	24.27	7.03	16.45	43	9	52	194	63	257	963	268	1,231
6	उन्नाव	..	1,484	29.00	9.09	19.63	45	6	51	175	54	229	1,156	158	1,314
7	धारावाकी	..	1,636	21.65	5.54	14.25	32	2	34	102	61	163	1,125	287	1,412
8	फतेहपुर	..	1,278	31.71	8.90	20.90	59	4	63	180	46	226	717	193	910
9	कानपुर	..	2,996	45.77	25.37	36.63	108	34	142	340	157	497	1,762	471	2,233
योग केन्द्रीय		..	..	..	..	..	475	109	584	1,522	612	2,134	9,767	2,322	12,089
ग्रामल भारतीय विद्यालय..		..	..	..	..	..	32	17	49	2	5	7	4	2	6
महायोग			8,83,41,144	31.50%	10.55%	21.70%	3,937	707	4,644	8,237	3,153	11,390	55,684	13,140	68,824

नोट:—\*—ग्रामों के अस्थायी हैं ।

2—गाजियाबाद जनपद के ग्रामों के अलावा मेरठ जनपद में सम्मिलित हैं ।

सारिणी—19

30 सितम्बर, 1977 की जिलेवार संस्था के अनुसार छात्र संख्या\*

क्रम- संख्या	जनपद का नाम	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय			सीनियर बेसिक स्कूल			जूनियर बेसिक स्कूल		
		बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग	बालक	बालिका	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	फैजाबाद ..	42,694	7,466	50,160	24,433	5,251	29,684	2,13,446	1,14,375	3,27,821
2	बहराइच ..	18,279	4,203	22,482	18,640	1,377	20,017	1,00,633	1,04,523	2,05,156
3	गोंडा ..	32,041	4,731	36,772	19,850	4,344	24,194	2,79,093	1,33,788	4,12,881
4	प्रतापगढ़ ..	35,190	2,539	37,729	23,377	3,841	27,218	1,42,018	90,807	2,32,825
5	सुल्तानपुर ..	29,448	2,674	32,122	31,780	3,667	35,447	1,40,973	67,959	2,08,932
6	गोरखपुर ..	1,02,030	28,094	1,30,134	32,897	6,473	39,370	2,77,315	1,75,918	4,53,233
7	आजमगढ़ ..	72,534	11,371	83,905	38,457	4,059	42,516	2,82,844	1,91,471	4,74,315
8	बरती ..	61,785	4,266	66,051	39,876	8,503	48,379	2,81,484	1,61,001	4,42,485
9	देवरिया ..	79,880	6,710	86,590	55,998	6,303	62,301	2,57,760	2,22,340	4,80,100
10	वाराणसी ..	85,961	21,254	1,07,215	52,765	13,222	65,987	1,75,959	73,137	2,49,096
11	बलिया ..	47,766	5,646	53,412	39,478	6,269	45,747	1,53,219	1,04,835	2,58,054
12	गाजीपुर ..	44,273	4,816	49,089	26,956	8,497	35,453	1,45,856	99,505	2,45,361
13	जौनपुर ..	63,512	6,405	69,917	44,352	5,641	49,993	1,70,110	75,498	2,45,608
14	मिर्जापुर ..	27,472	4,256	31,728	17,087	3,717	20,804	1,40,027	1,01,739	2,41,766
15	इलाहाबाद	90,223	16,900	1,07,123	43,127	11,607	54,734	2,17,623	1,45,198	3,62,821
योग पूर्वी		8,33,088	1,31,331	9,64,419	5,09,073	92,771	6,01,844	29,78,360	18,62,094	48,40,454

1	पौड़ी-गढ़वाल ..	26,051	4,980	31,031	8,643	2,866	11,509	58,800	41,200	1,00,000
2	चमोली ..	10,180	1,472	11,652	3,930	698	4,628	26,112	14,717	40,829
3	देहरादून ..	25,016	18,268	43,284	10,023	6,409	16,432	60,660	34,091	94,751
4	देहरी-गढ़वाल ..	7,962	1,171	9,133	5,873	1,058	6,931	31,284	9,259	40,543
5	उत्तरकाशी ..	3,617	602	4,219	2,014	293	2,307	11,715	5,405	17,120
6	नैनीताल ..	22,074	11,628	33,702	8,023	5,277	13,300	51,994	30,456	82,450
7	अल्मोड़ा ..	25,782	5,387	31,169	8,246	2,254	10,500	55,437	29,677	85,114
8	पिथौरागढ़ ..	15,026	3,628	18,654	7,133	1,549	8,682	34,496	20,487	54,983
योग पर्वतीय ..		1,35,708	47,136	1,82,844	53,885	20,404	74,289	3,30,498	1,85,292	5,15,790
1	झांसी ..	27,611	8,112	35,723	7,066	1,028	8,094	63,515	41,777	1,05,292
2	ललितपुर ..	5,728	2,163	7,891	3,051	1,000	4,051	36,350	23,771	60,121
3	हमीरपुर ..	16,739	2,627	19,366	5,854	1,754	7,608	54,112	31,688	85,800
4	जालौन ..	23,593	4,350	27,943	18,943	4,342	23,285	1,41,990	38,119	1,80,109
5	वांदा ..	21,867	3,257	25,124	14,173	2,114	15,287	94,285	62,613	1,56,898
योग बुन्देलखंड ..		95,538	20,509	1,16,047	48,087	10,238	58,325	3,90,252	1,97,968	5,88,220

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	आगरा	64,255	33,456	97,711	73,273	39,712	1,12,985	2,01,265	1,01,018	3,02,283
2	अलीगढ़	76,606	19,084	95,690	28,201	7,504	35,705	2,04,408	1,18,530	3,22,938
3	एटा	39,799	7,852	47,651	20,544	3,384	23,928	1,20,587	70,666	1,91,253
4	मैनपुरी	42,681	9,188	51,869	23,342	5,879	29,221	1,06,905	79,820	1,86,725
5	मथुरा	49,215	17,220	66,435	15,387	3,192	18,579	1,15,219	56,193	1,71,412
6	बरेली	41,803	25,388	67,191	11,783	4,864	16,647	1,41,353	1,37,847	2,79,200
7	बिजनौर	37,530	10,634	48,164	6,601	4,874	11,475	1,05,246	64,146	1,69,392
8	बदायूं	23,433	7,460	30,893	10,059	1,621	11,680	1,75,125	86,510	2,61,635
9	मुरादाबाद	47,102	16,955	64,057	21,775	3,615	25,390	2,11,411	1,24,706	3,36,117
10	पीलीभीत	12,017	2,804	14,821	8,975	1,840	10,815	48,942	24,874	73,816
11	रामपुर	10,570	5,197	15,767	6,200	1,490	7,690	82,317	42,560	1,24,877
12	शाहजहांपुर	15,734	7,425	23,159	15,362	4,592	19,954	95,731	57,038	1,52,769
13	मेरठ	1,46,506	43,482	1,89,988	52,102	16,740	68,842	2,71,096	1,38,933	4,10,029
14	बुलन्दशहर	92,168	17,435	1,09,603	12,548	3,343	15,891	1,46,817	50,819	1,97,636
15	मुजफ्फरनगर	51,432	15,896	67,328	17,387	6,989	24,376	1,37,636	62,138	1,99,774
16	सहारनपुर	27,581	9,849	37,430	17,211	7,603	24,814	1,42,807	76,672	2,19,479
17	इटावा	63,615	11,840	75,455	19,800	7,084	26,884	1,15,935	67,447	1,83,382
18	फर्रुखाबाद	46,059	12,926	58,985	24,792	8,995	33,787	1,17,594	71,842	1,89,436
योग पश्चिमी		8,88,106	2,74,091	11,62,197	3,85,342	1,33,321	5,18,663	25,40,394	14,31,759	39,72,153

1	लखनऊ	49,403	28,323	77,726	14,911	6,733	21,644	1,33,154	1,01,842	2,34,996
2	हरदोई	28,865	2,429	31,294	28,935	4,953	33,888	1,25,090	77,285	2,02,375
3	खीरी	19,946	4,619	24,565	13,232	2,051	15,283	1,04,307	44,619	1,48,926
4	रायवरेली	27,480	4,554	32,034	20,694	4,678	25,372	1,11,543	74,546	1,86,089
5	सीतापुर	26,341	6,147	32,488	17,328	4,354	21,682	1,48,244	96,821	2,45,065
6	उन्नाव	29,063	2,917	31,980	30,215	5,840	36,055	1,25,731	81,861	2,07,592
7	वाराणसी	20,361	2,081	22,442	12,133	2,020	14,153	1,14,574	93,747	2,08,321
8	फतेहपुर	18,159	1,354	19,513	28,179	5,832	34,011	86,236	57,581	1,43,817
9	कानपुर	88,746	41,117	1,29,863	85,469	39,247	1,24,716	2,05,216	1,43,362	3,48,578
योग केन्द्रीय		3,08,364	93,541	4,01,905	2,51,096	57,708	3,26,804	11,54,095	7,71,664	19,25,759
ग्रामल भारतीय विद्यालय		26,144	16,627	42,771	2,669	1,777	4,446	558	1,044	1,602
योग उत्तर प्रदेश		22,86,948	5,83,235	28,70,183	12,50,152	3,34,219	15,84,371	73,94,157	44,49,821	1,18,43,978

नोट :— 1—\*आंकड़े अस्थायी हैं।

2—गाजियाबाद जनपद के आंकड़े मेरठ जनपद में सम्मिलित हैं।

सारणी-20

30 सितम्बर, 1977 को जिलेवार संस्थानुसार अध्यापक संख्या\*

क्रम- संख्या	जन पद का नाम	उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में			सीनियर बेसिक स्कूल में			जूनियर बेसिक स्कूल में		
		पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग	पुरुष	महिला	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	फैजाबाद	1,738	298	2,036	1,145	228	1,373	4,754	811	5,565
2	बहराइच	609	111	720	712	143	855	3,677	537	4,214
3	गोण्डा	1,203	194	1,397	704	217	921	4,270	443	4,713
4	प्रतापगढ़	1,291	64	1,355	739	139	878	3,627	364	3,991
5	मुल्तानपुर	1,093	95	1,188	1,020	168	1,188	4,382	555	4,937
6	गोरखपुर	3,177	482	3,659	1,335	386	1,721	6,114	1,402	7,516
7	आजमगढ़	2,875	244	3,119	1,896	334	2,230	7,521	1,130	8,651
8	बस्ती	2,500	188	2,688	1,016	212	1,228	6,637	717	7,354
9	देवरिया	3,021	108	3,129	1,738	203	1,941	6,633	1,323	7,956
10	बाराणसी	2,892	592	3,484	2,021	394	2,415	6,223	1,298	7,521
11	बलिया	1,785	148	1,933	1,225	308	1,533	4,161	745	4,906
12	गाजीपुर	1,540	84	1,624	988	192	1,180	4,054	721	4,775
13	जौनपुर	2,466	167	2,633	1,309	255	1,564	5,054	905	5,959
14	मिर्जापुर	851	119	970	688	275	963	3,391	975	4,366
15	इलाहाबाद	3,125	784	3,909	1,193	597	1,798	5,137	1,605	6,742
योग पूर्वी		30,166	3,678	33,844	17,728	4,051	21,779	75,635	13,531	89,166



1	पौड़ी-गढ़वाल	1,089	140	1,229	600	145	745	2,094	388	2,412
2	चमोली	743	77	820	331	47	378	900	184	1,084
3	देहरादून	777	748	1,525	369	203	572	1,051	439	1,490
4	टहरी-गढ़वाल	579	53	632	431	57	488	6,859	195	7,054
5	उत्तरकाशी	250	26	276	230	15	245	466	60	526
6	नैनीताल	1,074	481	1,555	525	189	714	1,919	322	2,241
7	अल्मोड़ा <sup>१</sup>	1,473	165	1,638	484	114	598	2,511	525	3,036
8	पिथौरागढ़	824	152	976	462	47	509	1,450	351	1,801

योग पर्वतीय

6,809      1,842      8,651      3,432      817      4,249      17,240      2,464      18,704

1	झांसी	942	271	1,213	391	208	599	1,950	381	2,331
2	लालितपुर	210	69	279	173	69	242	972	233	1,205
3	हमीरपुर	713	144	857	243	156	399	2,063	433	2,496
4	जालौन	1,171	280	1,451	577	186	763	1,856	398	2,254
5	बांदा	834	115	949	807	266	1,073	3,215	420	3,635

योग बुन्देलखंड

3,870      879      4,749      2,191      885      3,076      10,056      1,865      11,921

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	आगरा	2,184	1,028	3212	2,164	1,266	3,430	4,367	1,334	5,701
2	अलीगढ़	2,849	591	3,440	954	177	1,131	4,509	939	5,448
3	एटा	1,450	243	1,693	786	169	955	3,015	490	3,505
4	मैनपुरी	1,549	177	1,726	829	208	1,037	3,146	494	3,640
5	मथुरा	1,880	251	2,131	719	189	908	2,981	650	3,631
6	बरेली	1,324	375	1,699	804	334	1,138	2,961	383	3,344
7	बिजनौर	1,350	303	1,653	377	145	522	2,389	649	3,038
8	बदायूँ	781	212	993	553	124	677	3,387	772	4,159
9	मुरादाबाद	1,873	622	2,495	1,017	646	1,663	5,373	1,153	6,526
10	पीलीभीत	367	106	473	355	117	472	1,494	432	1,926
11	रामपुर	501	209	710	385	160	545	1,444	261	1,705
12	शाहजहाँपुर	558	242	800	543	119	662	2,420	457	2,877
13	मेरठ	5,058	1,303	6,361	1,457	645	2,102	7,325	1,945	9,270
14	बुलन्दशहर	3,420	435	3,855	572	268	840	4,673	749	5,422
15	मुजफ्फरनगर	2,105	475	2,580	681	196	877	3,774	515	4,289
16	सहारनपुर	2,011	556	2,567	598	298	896	3,821	996	4,817
17	इटवा	2,086	309	2,395	961	261	1,222	3,367	606	3,973
18	फर्रुखाबाद	1,857	372	2,229	1,025	298	1,323	3,551	816	4,367
योग पश्चिमी		33,203	7,809	41,012	14,780	5,620	20,400	63,997	13,641	77,638

1	लखनऊ	1,788	1,221	3,009	610	416	1,026	3,506	1,700	5,206
2	हरदोई	815	144	959	1,207	379	1,586	4,221	719	4,940
3	खीरी	687	155	842	424	116	540	3,268	509	3,777
4	रायबरेली	1,079	143	1,222	776	121	897	4,017	441	4,458
5	सीतापुर	867	186	1,053	1,059	262	1,321	3,210	636	3,846
6	उन्नाव	883	119	1,002	835	144	979	3,242	502	3,744
7	बाराबंकी	603	44	647	451	136	587	3,447	444	3,891
8	फतेहपुर	1,170	58	1,228	706	88	794	2,797	438	3,235
9	कानपुर	3,164	1,151	4,315	2,395	1,636	4,031	5,091	3,179	8,270
योग केन्द्रीय		11,056	3,221	14,277	8,463	3,298	11,761	32,799	8,568	41,367
ग्रामल भारतीय विद्यालय		441	1,098	1,539	25	124	149	3	58	61
योग उत्तर प्रदेश		85,545	18,527	1,04,072	46,619	14,795	61,414	1,99,730	40,127	2,39,857

नोट (1) \*ग्रामल अस्थायी है।

(2) गाजियाबाद जनपद के ग्रामल मेरठ जनपद में सम्मिलित है।

## सारिणी 21

जिलेवार महाविद्यालय, छात्र संख्या एवं अध्यापक संख्या ( 30 सितम्बर, 1977 की स्थिति के अनुसार )

क्रम- संख्या	जनपद का नाम	विश्वविद्यालयों का नाम जिससे महाविद्यालय मम्बद्ध हैं।	महाविद्यालयों की संख्या	छात्र संख्या	अध्यापक संख्या
1	2	3	4	5	6
1	फैजाबाद	अवध विश्वविद्यालय	5	6,426	169
2	बहराइच	" "	3	1,305	56
3	गोण्डा	" "	3	2,531	126
4	प्रतापगढ़	" "	7	2,930	120
5	सुल्तानपुर	" "	5	2,611	115
6	गोरखपुर	गोरखपुर विश्वविद्यालय	13	6,337	271
7	आजमगढ़	" "	13	7,811	352
8	बस्ती	" "	8	4,090	135
9	देवरिया	" "	9	6,461	290
10	**वाराणसी	वाराणसी विश्वविद्यालय	17	9,212	485
11	बलिया	गोरखपुर "	10	4,744	248
12	गाजीपुर	" "	7	3,669	145
13	जौनपुर	" "	13	8,041	354
14	मिर्जापुर	" "	4	1,746	71
15	*इलाहाबाद	इलाहाबाद विश्वविद्यालय	19	10,787	469
योग पूर्वी			136	78,701	3,406
1	पौड़ी-गढ़वाल	गढ़वाल विश्वविद्यालय	4+	1,429	148
2	चमोली	" "	2	4,81	45
3	देहरादून	" "	7	7,054	349
4	टिहरी-गढ़वाल	" "	+	..	..
5	उत्तर काशी	" "	1	193	12
6	नैनीताल	कुमायू विश्वविद्यालय	5+	2,979	169
7	अल्मोड़ा	" "	4+	1,761	98
8	पिथौरागढ़	" "	2	1,198	84
योग पर्वतीय			25	15,095	905

1	2	3	4	5	6
1	झांसी	बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय	4	3,210	122
2	ललितपुर	" "	1	212	9
3	हमीरपुर	" "	2	809	45
4	जालौन	" "	4	1,375	115
5	वांदा	" "	2	2,461	118
योग, बुन्देलखण्ड ..			13	8,067	409
1	आगरा	आगरा विश्वविद्यालय	12	16,998	681
2	अलीगढ़	" "	6	9,440	380
3	एटा	" "	4	2,786	102
4	मैनपुरी	" "	6	3,817	157
5	मथुरा	" "	7	5,292	227
6	बरेली	रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय	5	5,958	221
7	त्रिजनौर	" "	6	3,414	168
8	वदायूं	" "	2	1,236	44
9	मुरादाबाद	" "	11	10,099	382
10	पीलीभीत	" "	2	756	25
11	रामपुर	" "	2	1,592	85
12	शाहजहांपुर	" "	2	1,499	55
13	मेरठ	मेरठ विश्वविद्यालय	14	16,314	759
14	बुनन्दशहर	" "	10	5,353	162
15	मृजमकरनगर	" "	7	6,243	241
16	सहारनपुर	" "	11	7,186	311
17	इटावा	कानपुर विश्वविद्यालय	5	5,037	202
18	फर्रुखाबाद	" "	9	4,255	150
19	गाजियाबाद	मेरठ विश्वविद्यालय	11	11,138	479
योग, पश्चिमी ..			132	1,18,413	4,831

1	2	3	4	5	6
1	लखनऊ †	लखनऊ विश्वविद्यालय	19	17,168	606
2	हरदोई ..	कानपुर विश्वविद्यालय	2	2,010	53
3	लखीमपुर खीरी	" "	3	2,136	76
4	रायबरेली ..	" "	5	2,353	112
5	सीतापुर ..	" "	4	1,319	62
6	उन्नाव ..	" "	2	1,606	71
7	बाराबंकी ..	अवध विश्वविद्यालय	1	748	19
8	फतेहपुर ..	कानपुर विश्वविद्यालय	2	789	21
9	कानपुर	" "	20	23,831	1,098
योग, पश्चिमी ..			58	51,960	2,118
योग, उत्तर प्रदेश ..			364	2,72,236	11,669

\*इलाहाबाद मण्डल में इलाहाबाद के चार पुरुषों के, पांच महिलाओं के तथा तीन ट्यूटोरियल कालेज इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सहयुक्त है। शेष सब महाविद्यालय कानपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं।

\*\*वाराणसी में तीन महिला तथा एक पुरुषों का कालेज बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय से सम्बद्ध है। शेष गोरखपुर विश्वविद्यालय से सम्बद्ध हैं।

†लखनऊ जनपद के सभी महाविद्यालय लखनऊ विश्वविद्यालय से सहयुक्त हैं।

+इन चार जनपदों में गढ़वाल और कुमायूं विश्वविद्यालयों के 5 संघटक महाविद्यालय उपर्युक्त संख्या के अतिरिक्त चलते हैं।

नोट—ग्रांकिड़े अस्थायी हैं !

**भाग 2**

**उत्तर प्रदेश**

**में**

**प्राविधिक शिक्षा की प्रगति**

**1977-78**

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय  
उत्तर प्रदेश  
कानपुर

### सामान्य पर्यवेक्षण

पांचवी पंचवर्षीय योजना के अंतिम चरण में प्राविधिक शिक्षा के विकास की विशेषता यह रही है कि उद्योग आधारित तथा व्यवसायोन्मुख पाठ्यक्रमों को चलाने के साथ तकनीकी संस्थाओं के माध्यम से गांवों में तकनीकी शिक्षा का प्रसार किया गया। इसके अतिरिक्त वर्ष 1977-78 में मुख्य बल वर्ष 1975-76 एवं 1976-77 में खोली गईं नई संस्थाओं के एकीकरण, गुणात्मक सुधार, तकनीकी संस्थाओं में उत्पादन केंद्रों की स्थापना पर भी दिया गया।

इस प्रकार वर्ष 1977-78 में तकनीकी शिक्षा संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीणों तथा समाज के अन्य कमजोर वर्ग के लोगों को तकनीकी परामर्श शैक्षिक एवं प्रशिक्षणात्मक सहायता देकर उनके विकास के लिये शासन द्वारा घोषित कार्यक्रम को अमल में लाने की दिशा में प्राविधिक शिक्षा के क्षेत्र में पूरा प्रयास किया गया।

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय की स्थापना वर्ष 1961-62 में अखिल भारतीय प्राविधिक शिक्षा परिषद् की संस्तुति के आधार पर डिप्लोमा एवं प्रमाण-पत्र स्तर पर प्राविधिक शिक्षा में सुव्यवस्थित विकास के लिए की गई थी।

निदेशालय की स्थापना के बाद प्रदेश में प्राविधिक शिक्षा का विकास तेजी से हुआ है। सामूहिक एवं निजी क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार उपयुक्त कुशल एवं प्रशिक्षित व्यक्ति उपलब्ध कराने के निमित्त संस्थाओं का विस्तार, विकास एवं पुनर्गठन किया गया है और उत्तर प्रदेश इस दिशा में अग्रणी है।

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत निम्न श्रेणी की संस्थायें चल रही हैं:—

- (1) डिग्री स्तर की संस्थायें।
- (2) बहुवर्षीय संस्थायें एवं विशिष्ट पाठ्यक्रम संबंधी संस्थायें।
- (3) राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय।

स्वतंत्रता के पूर्व केंद्रीय विश्वविद्यालय के अतिरिक्त सम्पूर्ण प्रदेश में केवल एक ही इंजीनियरिंग कालेज था जो थामसन इंजीनियरिंग कालेज के नाम से विश्वविख्यात था और उसमें 65 छात्रों को सिविल, इलेक्ट्रिकल एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग में उच्च शिक्षा देने का प्रबन्ध था। इस इंजीनियरिंग कालेज को प्रथम पंचवर्षीय योजना में इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय में परिणित करके उसकी प्रवेश क्षमता 120 कर दी गई। इसके अलावा दूसरी संस्था एच0 बी0टी0आई0, कानपुर थी जिसमें केवल टेक्नोलोजी विषयों के अध्ययन की व्यवस्था थी। इस संस्था की प्रवेश क्षमता 27 थी। इसके बाद प्रथम पंचवर्षीय योजना में एक निजी इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा की स्थापना हुई। द्वितीय पंचवर्षीय योजना के उपरान्त राजकीय केंद्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर, मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर तथा मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद की स्थापना हुई और रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की में आर्कीटेक्चरल एवं टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियरिंग विभागों की स्थापना की गई।

वर्ष 1966-67 में पंतनगर में पंत कालेज आफ टेक्नालोजी की स्थापना की गई। इस प्रकार तीसरी पंचवर्षीय योजना के अन्त तक रुड़की विश्वविद्यालय सहित डिग्री स्तर की संस्थाओं की संख्या 7 एवं उनकी प्रवेश क्षमता 1,105 हो गई जो वर्ष 1967-68 में बढ़ाकर 1,565 कर दी गई ताकि छात्रों का एक बड़ा समुदाय इस शिक्षा से लाभान्वित हो सके। बाद में इंजीनियरों में बेकारी की समस्या उत्पन्न हो जाने के कारण शासन के निर्णय पर 1968-69 से डिग्री पाठ्यक्रमों की प्रवेश क्षमता 1,565 से कम करके 980 कर दी गई।



डिग्री पाठ्यक्रमों के अलावा रुड़की विश्वविद्यालय तथा मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद में विभिन्न विषयों में स्नातकोत्तर प्रशिक्षण की व्यवस्था की जा चुकी है। एच० बी० टी० आई० कानपुर और मदन मोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर में सेवारत इंजीनियरों की सुविधा के लिये अंशकालीन स्नातकोत्तर कक्षाएँ चल रही हैं। परिणामस्वरूप अब प्रदेश विभिन्न इंजीनियरिंग विषयों में स्नातकोत्तर तथा पी० एच० डी० व्यक्तियों की मांग की पूर्ति के संबंध में आत्मनिर्भर हो गया है।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के दौरान डिग्री स्तर की कोई नई संस्था नहीं खोली गई थी किन्तु वर्तमान संस्थाओं में चल रहे डिग्री पाठ्यक्रमों के सुदृढीकरण हेतु आवर्तक एवं अनावर्तक अनुदान का प्राविधान किया गया था और आवश्यकतानुसार नवीन पाठ्यक्रम आरम्भ किये गये थे।

वर्ष 1975-76 में मैनमेड फाइबर टेक्नोलोजी में डिग्री स्तर का पाठ्यक्रम राजकीय केंद्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर में 10 की प्रवेश क्षमता से चलाया गया।

वर्ष 1976-77 में रुड़की विश्वविद्यालय के विज्ञान विभाग के विकास की एक बड़ी योजना कार्यान्वित की गई जिसके अंतर्गत इंजीनियरिंग एवं विज्ञान में अर्न्तक्रिया बढ़ाने के उद्देश्य से एवं विज्ञान के विशेषज्ञों की मांग की पूर्ति हेतु विभिन्न नये स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू किये गये हैं। वर्ष 1976-77 में डिग्री स्तर की सभी इंजीनियरिंग संस्थाओं में औद्योगिक कन्सलटेंसी सेन्टर भी स्थापित कर दिये हैं।

वर्ष 1977-78 में डिग्री स्तर की संस्थाओं की प्रवेश क्षमता 1,085 हैं। संस्थावार पाठ्यक्रमों का विवरण परिशिष्ट-1 में दिया हुआ है।

पांचवीं पंचवर्षीय योजना में समस्त डिग्री संस्थाओं के लिये 321.600 लाख रुपये का परिव्यय निर्धारित किया गया था जिसे योजना आयोग द्वारा पुनरीक्षित कर 254.500 लाख कर दिया गया। वर्ष 1977-78 के लिए 55.270 लाख रुपये का इन संस्थाओं के लिये बजट प्राविधान किया गया है।

राजकीय केंद्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर को छोड़कर अन्य सभी डिग्री स्तर की इंजीनियरिंग संस्थाएँ स्वयं अधिकारग्रहीत हैं। राजकीय केंद्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर का प्रशासनिक नियंत्रण प्राविधिक शिक्षा निदेशालय, कानपुर द्वारा होता है। वर्ष 1977-78 से राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर में 10 प्रवेश क्षमता से लेंडर टेक्नोलोजी में डिग्री पाठ्यक्रम चलाने का प्रस्ताव था किन्तु कुछ औपचारिकताओं की पूर्ति न होने के कारण नहीं चलाया जा सका।

### डिप्लोमा स्तर

स्वतंत्रता के पूर्व उत्तर प्रदेश में सिविल इंजीनियरिंग स्कूल जो आजकल लखनऊ पाली-टेकनिक, लखनऊ के नाम से जाना जाता है तथा हीवेट इंजीनियरिंग स्कूल जिसका नाम आजकल हीवेट पालीटेकनिक है एवं रुड़की ओवर सियर स्कूल में डिप्लोमा स्तर तथा सर्टीफिकेट स्तर का प्रशिक्षण दिया जाता था। वर्ष 1950-51 राज्य में डिप्लोमा प्रदान करने वाली 11 संस्थाएँ थी जिनमें से डिप्लोमा स्तर पर सिविल, एलेक्ट्रानिक्स, मैकेनिकल इंजीनियरिंग, टेक्स्टाइल कैमिस्ट्री, टेक्स्टाइल टेक्नोलोजी आदि की शिक्षा का प्रबन्ध किया गया था और 655 छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था थी। प्रथम पंचवर्षीय योजना अवधि में इनके अतिरिक्त छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था नहीं की गई किन्तु वर्तमान सुविधाओं को ही सुदृढ आधार प्रदान करने का प्रयास किया गया। इसके अतिरिक्त स्टाफ, साज-सज्जा और भवन आदि का प्रबन्ध किया गया।

दूसरी पंचवर्षीय योजना में वरेली, झांसी और खुर्जा में एक-एक पालीटेकनिक की स्थापना की गई। प्रत्येक में 120 छात्रों के प्रवेश की सुविधा थी। इनके अतिरिक्त चन्दौसी, हंडिया, नैनीताल, हाथरस में सिविल इंजीनियरिंग के स्कूल खोले गये। बाद में एम०जी० पालीटेकनिक,

हाथरस का विस्तार कर वहाँ सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में प्रशिक्षण की व्यवस्था की गई ।

केंद्रीय सरकार द्वारा प्रारम्भ की गई एक और योजना के अन्तर्गत मिर्जापुर, फैजाबाद तथा कानपुर में भी एक-एक पालीटेकनिक खोलने की स्वीकृत दी गई थी जिनमें क्रमशः 120, 120 और 180 विद्यार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था थी । इनके लिये कुछ साज-सज्जा भी खरीदी गई तथा भवन आदि के निर्माण का काम हाथ में लिया गया किन्तु प्रशिक्षण संबंधी पूरी व्यवस्था न हो पाने के कारण ये संस्थायें दूसरी योजनावधि में काम प्रारम्भ नहीं कर सकीं । वर्ष 1956-57 में इलाहाबाद में प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई ।

द्वितीय पंचवर्षीय योजना में डिप्लोमा स्तर पर प्रशिक्षण सुविधाओं का जो प्रसार हुआ उसके फलस्वरूप 2,980 विद्यार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था हो गई और संस्थाओं की संख्या वर्ष 1960-61 तक 27 हो गई ।

तीसरी पंचवर्षीय योजना में शासन द्वारा नये पालीटेकनिक स्वीकृत किये गये थे जिसके फलस्वरूप प्रवेश क्षमता में 660 विद्यार्थियों की वृद्धि हो गई । इनमें से चार संस्थायें बस्ती, गोंडा और आजमगढ़ तथा एक मुरादाबाद में खोली गई । राजकीय बहुधंधी संस्था, श्रीनगर (गढ़वाल) को योजनावधि में प्रारम्भ नहीं किया जा सका । इनके अतिरिक्त पहले से चली आ रही पालीटेकनिक संस्थाओं में भरती किये जा सकने वाले विद्यार्थियों की संख्या भी बढ़ाई गई । इसी अवधि में लखनऊ में महिलाओं को तकनीकी प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के निमित्त एक पालीटेकनिक खोला गया । इस पालीटेकनिक में इलेक्ट्रानिक्स, आर्कीटेक्चरल, असिस्टेंटशिप, स्टेनोग्राफी और सेक्रेटेरियल प्रेक्टिस में डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये ।

चमड़ा उद्योग को प्रोत्साहन प्रदान करने की दृष्टि से आगरा में लेदर इंस्टीट्यूट की स्थापना की गई और इसमें लेदर टेक्नोलॉजी (टैनिंग) तथा लेदर गुड्स मैन्युफैक्चरिंग एवं फुटवियर टेक्नोलॉजी के दो डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये गये और इनकी प्रवेश क्षमता 30 रखी गई । स्वीडन सरकार की सहायता से सहारनपुर में एक स्कूल आफ पेपर टेक्नोलॉजी स्थापित किया गया इसमें डिप्लोमा और सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण का प्रबन्ध है । इस स्कूल में 100 प्रशिक्षार्थियों के प्रवेश की व्यवस्था है । काम करने वाले श्रमिकों की सुविधा के लिये राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर तथा हीवेट पालीटेकनिक, लखनऊ में सिविल, इलेक्ट्रिकल और मैकेनिकल इंजीनियरिंग का चार वर्षीय पाठ्यक्रम डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया था । प्रत्येक संस्था की प्रवेश क्षमता 100 थी । राजकीय बहुधंधी संस्था, लखनऊ तथा नैनीताल बहुधंधी संस्था, नैनीताल में 1963-64 में त्रिवर्षीय पाठ्यक्रम के स्थान पर सिविल, विद्युत एवं यांत्रिक अभियंत्रण में द्विवर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम चालू किया गया । टेकनिकल कालेज, दयालबाग, आगरा में आटोमोबाइल इंजीनियरिंग का एक वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम भी प्रारम्भ किया गया । इसमें प्रति वर्ष 30 छात्रों के प्रवेश की सुविधा रखी गई ।

इस प्रकार तीसरी योजना की अवधि समाप्त होने तक प्रदेश में डिप्लोमा स्तर पर 4,860 विद्यार्थियों के प्रशिक्षण की व्यवस्था हो गई । सन् 1966-67 में डिप्लोमा स्तर पर कोई नया पालीटेकनिक नहीं खोला गया किन्तु बकिंग ग्रुप की सिफारिशों के अनुसार राजकीय पालीटेकनिक, कानपुर, फैजाबाद, आजमगढ़, बरेली, झांसी तथा मुरादाबाद, इलाहाबाद पालीटेकनिक, इलाहाबाद, डी० एन० पालीटेकनिक, मेरठ, के० एल० पालीटेकनिक, रुड़की तथा लखनऊ पालीटेकनिक, लखनऊ में प्रवेश स्थानों में वृद्धि की गई जिसके फलस्वरूप प्रवेश क्षमता में 960 प्रवेश स्थानों की वृद्धि हुई और सन् 1966-67 के अन्त तक पालीटेकनिकों में विद्यार्थियों की प्रवेश क्षमता 4,860 से बढ़कर 5,690 हो गई ।

राजकीय पालीटेकनिक, श्रीनगर(गढ़वाल) में वर्ष 1968-69 से प्रशिक्षण कार्य प्रारम्भ किया गया। प्रारम्भ में इस संस्था में 60 छात्रों के प्रवेश की व्यवस्था की गई थी। प्रशिक्षण सुविधायें पूर्ण रूपेण उपलब्ध हो जाने के बाद वर्ष 1974-75 में 120 छात्रों क प्रवेश देने की व्यवस्था की गई।

चौथी पंचवर्षीय योजना में मिचाई एवं विद्युत योजनाओं में विकास, रुड़की के निर्माण, सार्वजनिक निर्माण विभाग के अन्य निर्माण कार्यों में वृद्धि, यातायात में भारी तथा हल्की गाड़ियों के अधिकधिक उपयोग, डीजल तथा पेट्रोल इंजनों का अधिकधिक प्रयोग, खाद्य उद्योग को एयर कंडीशनिंग एवं रेफ्रीजरेशन में कुशल तकनीकियों की आवश्यकता, रेडियो, ट्रांजिस्टर तथा टेली-विजन का उपयोग दिन प्रतिदिन बढ़ने के कारण परम्परागत पाठ्यक्रमों की प्रवेश क्षमता में वृद्धि न करके उद्योगों की आवश्यकतानुसार आटोमोबाइल इंजीनियरिंग तथा रेफ्रीजरेशन एवं एयर कंडी-शनिंग, इलेक्ट्रानिक्स तथा एप्लीकल्चर इंजीनियरिंग आदि के नये डाइवर्तीफाईड पाठ्यक्रम चलाये गये। चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में डिप्लोमा स्तर पर प्रवेश क्षमता 6,240 थी। इस योजना काल में वर्षवार निम्न डिप्लोमा एवं पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये :—

क्रम-संख्या	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम का नाम	प्रवधि (वर्ष)	प्रवेश क्षमता
<b>1970-71</b>				
1	इलाहाबाद, पाली 0, इलाहाबाद	डिजाइन एवं ड्राफ्टिंग (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
2	राजकीय पाली 0, गोरखपुर	इलेक्ट्रानिक्स	3	30
		केमिकल आपरेटर	4	10
3	राजकीय पाली 0, कानपुर	इन्स्ट्रुमेंट टेक्नो- लोजी (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
4	पी 0 एम 0 बी 0 पाली 0, मथुरा	आटोमोबाइल इंजी 0 (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
<b>1971-72</b>				
1	राजकीय पाली 0, कानपुर के 0 एल 0 पाली 0, रुड़की लखनऊ, पाली 0, लखनऊ	इलेक्ट्रानिक्स	3	30 प्रति संस्था
2	राजकीय पाली 0, लखनऊ, बरेली, झांसी			
3	इलाहाबाद पाली 0, इलाहाबाद	रेफ्रीजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
<b>1972-73</b>				
1	पी 0 एम 0 बी 0 पाली 0, मथुरा	आटो 0 इंजीनियरिंग	3	30
2	राजकीय पालीटेकनिक, खुर्जा	ग्लास एवं सिरेमिक्स टेकनालाजी	3	30

1	2	3	4	5
3	राजकीय महिला पाली 0, लखनऊ	कास्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग	2	30
4	राजकीय पाली 0, बरेली	रेफीजरेशन एवं एयरकंडिशनिंग (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
5	डी 0 एन 0 पाली 0, मंरठ	तदेव	1	10
6	राजकीय पाली 0, झांसी	इलेक्ट्रानिक्स	3	10
7	नैनीताल पाली, नैनीताल	कामाशियल प्रैक्टिस	2	30
1973-74				
1	इलाहाबाद पाली 0, इलाहाबाद	1—प्रोडक्शन इंजी 0 2—कामाशियल प्रैक्टिस 3—आटो 0 इंजी 0 4—कान्स्ट्रक्शन टेक्ना 0 5—इन्स्ट्रुमण्टेशन एवं कन्ट्रोल	3 2 3 3 3	30 30 30 30 30
2	चन्दौली पाली 0, चन्दौली	एग्रीकल्चर इंजी 0	3	30
3	एम 0 जी 0 पाली 0, हाथरस	इण्डस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
4	राजकीय पाली 0, गोरखपुर	रेफीजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
5	राजकीय पाली, मिर्जापुर	इन्डस्ट्रियल इंजी 0 (पोस्ट डिप्लोमा)	1	10
1974-75				
1	राजकीय पाली 0, श्रीनगर (गढ़वाल)	आटोमोबाइल इंजी 0	3	30 प्रति संस्था
2	टाउन पाली 0, बलिया			
3	गांधी पाली 0, मुजफ्फरनगर	आटोमोबाइल इंजी 0	3	30
4	नैनीताल पाली 0, नैनीताल	इलेक्ट्रानिक्स	3	30
5	इलाहाबाद पाली 0, इलाहाबाद	1—पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग । 2—टूल इंजीनियरिंग 3—प्लास्टिक इंजी 0	3 3 3	30 30 30
6	एम 0 जी 0 पाली 0, हाथरस	रेफीजरेशन एवं एयर कंडीशनिंग	3	30

1	2	3	4	5
1975-76				
1	इलाहाबाद पाली 0 इलाहाबाद	.. 1—ट्यूबवेल इंजी 0 2—सेल्समैनशिप 3—मैटेरियल मैनेज- मेंट 4—रेफीजरेशन एवं एयर कंडिशनिंग	3 2 2 3	30 20 20 30
2	एम 0 जी 0 पाली 0, हाथरस	.. रेफीजरेशन मैकेनिक (प्रमाण-पत्र स्तर)	3	20
3	एम 0 जी 0 पाली 0, हाथरस	.. इलैक्ट्रानिक्स में तीन वर्षीय डिप्लोमा ।	3	30
1976-77				
1	राजकीय महिला पाली 0, लखनऊ	.. आर्कीटेक्चरल असिस्टेंटशिप	3	30
2	एम 0 जी 0 पाली 0, हाथरस	.. कृषि अभियन्त्रण	3	30
3	फिरोजगांधी पाली 0, रायबरेली	.. स्टैनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस ।	2	30
4	राजकीय पाली 0, काशीपुर (नैनीताल)	आटोमोबाइल इंजी 0	3	30
5	जवाहर लाल नेहरू पाली 0, महमूदाबाद (सीतापुर),	1—इलैक्ट्रानिक्स में डिप्लोमा 2—मोटर मैकेनिक (प्रमाण-पत्र)	3 3	30 20
6	गांधी पाली 0, मुजफ्फरनगर	.. स्टैनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस में डिप्लोमा	2	30

डिप्लोमा स्तर की योजनायें जो तृतीय पंचवर्षीय योजना में चालू की गई थी और योजनाकाल में पूरी नहीं हो सकी थी उनके लिये चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में बहुधंधी संस्थाओं के एकीकरण योजना के अन्तर्गत साज-सज्जा तथा भवन निर्माण का प्राविधान किया गया। परम्परागत पाठ्यक्रमों (सिविल, इलैक्ट्रिकल, मैकेनिकल) को उद्योगों के लिये उपयोगी बनाने के उद्देश्य से उनमें प्रयोगात्मक प्रशिक्षण को बढ़ाया गया और इलैक्ट्रिक विषयों का समावेश किया गया। इस पुनरीक्षित पाठ्यक्रम को वर्ष 1969-70 से चालू किया गया।

वर्ष 1974-75 में नई बहुधंधी संस्थायें स्थापित नहीं की गई परन्तु उद्योग पूरक नये डाईवर्सिफाइड डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये और प्रवेश क्षमता 6,240 से बढ़कर 6,540 हो गई।

वर्ष 1975-76 में प्रदेश के पिछड़े मैदानी एवं पर्वतीय क्षेत्रों में प्राविधिक शिक्षा के प्रसार हेतु मैदानी क्षेत्र में दो सहायता प्राप्त बहुधंधी संस्थायें महमूदाबाद (सीतापुर) तथा रायबरेली में एवं पर्वतीय क्षेत्र में पांच राजकीय बहुधंधी संस्थायें काशीपुर (नैनीताल), द्वारहाट (अल्मोड़ा), नगन्दनगर

(टेहरी गढ़वाल) उत्तरकाशी तथा लोहाघाट (पिथौरागढ़) में स्थापित की गई। इन पालीटेक्निकों में क्षेत्रीय आवश्यकतानुसार बालकों तथा महिलाओं के लिये परम्परागत पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त नये पाठ्यक्रमों का समावेश किया गया है। पाठ्यक्रमों का विवरण परिशिष्ट 2 में उल्लिखित है।

इन संस्थाओं के अतिरिक्त गाजियाबाद में महिलाओं के लिये एक प्राइवेट पालीटेक्निक सेठ जयप्रकाश ट्रस्ट द्वारा स्थापित की गई है जिसे अनुदानित संस्था में परिवर्तन करने का प्रस्ताव विचाराधीन है। इसके अतिरिक्त कुछ संस्थाओं में नये डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रम भी चलाये गये।

इस प्रकार वर्ष 1975-76 में डिप्लोमा संस्थाओं की संख्या 34 से बढ़कर 41 हो गई और इसकी प्रवेश क्षमता बढ़कर 7,790 हो गयी।

वर्ष 1976-77 में प्रदेश के बुन्देलखण्ड में क्षेत्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु महोबा (हमीरपुर) में एक राजकीय पालीटेक्निक की स्थापना शासनादेश संख्या 4136 ईडी /18-घ-146 (एम0) ईडी/1976, दिनांक 27-2-76 द्वारा की गई थी जिसमें इलेक्ट्रानिक्स, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग तथा आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में 3 वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये। इस पालीटेक्निक की प्रवेश क्षमता 90 है। इसके अतिरिक्त नये डाइवर्सिफाइड पाठ्यक्रम वर्ष 1976-77 में चलाये गये।

इस प्रकार वर्ष 1976-77 में डिप्लोमा स्तर की संस्थायें 42 और इनकी प्रवेश क्षमता 7,790 से बढ़कर 8,080 हो गई। परन्तु कुछ पाठ्यक्रम वर्ष 1976-77 में प्रारम्भ न होने के कारण वास्तविक प्रवेश क्षमता 7,530 ही रही। इस प्रवेश क्षमता में सेठ जय प्रकाश मुकुन्दलाल गर्लस पालीटेक्निक गाजियाबाद की प्रवेश क्षमता सम्मिलित नहीं है।

वर्ष 1977-78 में राजकीय महिला पालीटेक्निक, लखनऊ एवं राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर में एक वर्षीय टेलीविजन इंजीनियरिंग का पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाने की शासकीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है परन्तु कुछ तकनीकी कठिनाइयों के कारण पाठ्यक्रम वर्ष 1977-78 में नहीं चलाया जा सका। वर्ष 1977-78 में कोई नई संस्था स्थापित नहीं की गई।

वर्ष 1977-78 में डिप्लोमा स्तर पर 7,790 छात्रों के प्रवेश का लक्ष्य रखा गया था जिसका विरुद्ध 7,485 छात्रों ने प्रवेश लिया। विस्तृत विवरण परिशिष्ट-2 में दिया गया है।

### माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय

उद्योग को विकसित मस्तिष्क वाले कुशल युवा कारीगर उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से माध्यमिक तकनीकी स्कूलों का कार्यक्रम भारत सरकार के वैज्ञानिक शोध एवं सांस्कृतिक मामलों के मन्त्रालय द्वारा प्रारम्भ किया गया था तदनुसार वर्ष 1959-60 में दौराला, गाजीपुर, जौनपुर, झांसी तथा इलाहाबाद में जूनियर टेक्निकल स्कूलों की स्थापना की गई जिनका नाम बाद में राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय कर दिया गया। प्रत्येक विद्यालय की प्रवेश क्षमता 60 थी।

तृतीय पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत 8 अतिरिक्त माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय लखनऊ, बरेली, आजमगढ़, फाँजाबाद, गोरखपुर, गोण्डा एवं मुरादाबाद में राजकीय बहुधंधी संस्थाओं से सम्बद्ध करके खोले गये।

हिन्दी, अंग्रेजी, गणित तथा विज्ञान विषयों के अतिरिक्त इन संस्थाओं में मशीन शाप, फिटिंग, टर्निंग, ब्लैक स्मिथी, मोल्डिंग, बॉल्डिंग का कार्पेन्ट्री तथा शीटमेटल टेडर्स में 3 वर्षीय क्राफ्टसमें स्तर के सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण दिया जाता है। तृतीय पंचवर्षीय योजना के अन्त में इन संस्थाओं की संख्या 13 तथा प्रवेश क्षमता 780 थी।

चतुर्थ पंचवर्षीय योजना में कोई राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय नहीं खोला गया। इन विद्यालयों में चल रहे पाठ्यक्रमों के हार्ड-स्कूल के समकक्ष मान्यता न होने एवं नेशनल अप्रेंटिसशिप एक्ट के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त न होने और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में सवा आदि की कठिनाइयों से प्रवेश

में कमी आ जाने के कारण वर्ष 1970-71 से शासन द्वारा बन्द करन का निर्णय लिया गया। हाई स्कूल के समकक्ष तथा नेशनल अप्रेंटिसशिप के अन्तर्गत मान्यता प्राप्त होने के दृष्टिकोण से इस विषय पर विचार किया गया और वर्ष 1972-73 से राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, जौनपुर को छोड़कर 12 राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय में पुनः छात्रों को प्रवेश दिया गया। राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, जौनपुर वर्ष 1972-73 में कृषि विभाग को हस्तान्तरित कर दिया गया। इन विद्यालयों को अधिक उपयोगी बनाने हेतु पाठ्यक्रमों में कुछ संशोधन किये गये हैं जिनमें इलेक्ट्रिशियन ट्रेड का समावेश व विज्ञान प्रयोगशाला की स्थापना प्रमुख है।

चौथी पंचवर्षीय योजना के अन्त में इन विद्यालयों की संख्या घट कर 12 तथा प्रवेश क्षमता 720 हो गई थी।

वर्ष 1975-76 में नये पाठ्यक्रमों का समावेश करने से वर्ष 1977-78 में इनकी प्रवेश क्षमता 860 हो गई है। वर्ष 1977-78 में संस्थावार प्रवेश क्षमता एवं प्रवेश संख्या का विवरण परिशिष्ट-3 में दिया हुआ है।

### अंशकालीन पाठ्यक्रम

नौकरी पेशा कारीगरों के ज्ञानवर्धन एवं उद्योगों को कुशल कारीगर उपलब्ध कराने के दृष्टिकोण से प्रारम्भ में हीवेट पालीटेक्निक, लखनऊ तथा राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर में सिविल, इलेक्ट्रिकल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 4 वर्षीय पाठ्यक्रम राज्य की वित्तीय सहायता से प्रारम्भ किये गये थे जिन्हें बाद में बन्द कर दिया गया। वर्ष 1974-75 में प्रदेश की कई अन्य संस्थाओं में यह पाठ्यक्रम स्वावलम्बी आधार पर प्रारम्भ किये गये हैं। इन पाठ्यक्रमों की कक्षाएँ शाम को लगती हैं जिनमें अधिक संख्या में कारीगर प्रशिक्षण ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण से कारीगरों की कार्यकुशलता में वृद्धि ही नहीं होती, अपितु जहाँ पर वह कार्य करते हैं उनमें उन्हें प्रोन्नति के अवसर भी मिलते हैं। इस समय ये पाठ्यक्रम निम्नलिखित संस्थाओं में चल रहे हैं:—

- (1) राजकीय पालीटेक्निक, लखनऊ।
- (2) लखनऊ पालीटेक्निक, लखनऊ।
- (3) के 0 एल 0 पालीटेक्निक, रुढ़की।
- (4) राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर।
- (5) राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर।
- (6) इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद।
- (7) हीवेट पालीटेक्निक, लखनऊ।

### प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्र

प्राविधिक शिक्षा संस्थाओं में छात्रों को उद्योगों के निकट लान, संस्थाओं में औद्योगिक वातावरण तैयार करने व संस्थाओं के कर्मचारियों को उत्पादन कार्य में लगाने के उद्देश्य से प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्रों की कुछ संस्थाओं में स्थापना की गई। यह केन्द्र मुख्य रूप से रिपेयर आदि के जाब कार्य व साथ ही साथ नये कार्य भी लेते हैं। राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर द्वारा छिबरामऊ (फर्रुखाबाद) में एक कोल्ड स्टोरेज, गंगा पुल जाजमऊ की रोलिंग तथा ट्रनेज स्पाउट्स, नंदगंज (गाजीपुर) में स्टील स्ट्रक्चर तथा मुंशीगंज (रायबरेली) में स्टील स्ट्रक्चर का कार्य किया गया है। इसके अतिरिक्त सिंगरौली (मिर्जापुर) के थर्मलपावर में भी स्टील फेब्रिकेशन के कार्य का ठेका लिया गया है। राजकीय पालीटेक्निकल, लखनऊ में स्टील फेब्रिकेशन लखनऊ पालीटेक्निक, लखनऊ तथा इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद में एग्रीकल्चर इम्प्लीमेंट्स का प्रोडक्शन कार्य किया जा रहा है। राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर में कपड़ा बनाने तथा राजकीय चर्म कला संस्थान, कानपुर में लेटर गुड्स के उत्पादन का कार्य हो रहा है।

## शिक्षक प्रशिक्षण योजना

प्राविधिक शिक्षा के क्रमिक विकास के साथ-साथ उचित स्तर के डिप्लोमा संस्थाओं के अध्यापकों की उपलब्धता में कठिनाई का अनुभव किया गया जिसकी पूर्ति के लिये भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा देश के उत्तरी क्षेत्र चण्डीगढ़ में टीचर्स ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट की स्थापना की गई है। इस संस्था में प्रदेश के पालीटेक्निकों के अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिये प्रतिवर्ष 30 स्थानों का प्राविधान है।

इस इन्स्टीट्यूट में वर्ष 1967-68 से 1977-78 में प्रशिक्षण पाये हुए अध्यापकों की संख्या निम्नवत् है:—

वर्ष 1967-68	..	..	..	..	18
वर्ष 1968-69	..	..	..	..	15
वर्ष 1969-70	..	..	..	..	18
वर्ष 1970-71	..	..	..	..	13
वर्ष 1971-72	..	..	..	..	12
वर्ष 1972-73	..	..	..	..	28
वर्ष 1973-74	..	..	..	..	28
वर्ष 1974-75	..	..	..	..	5
वर्ष 1975-76	..	..	..	..	16
वर्ष 1976-77	..	..	..	..	30
वर्ष 1977-78	..	..	..	..	16

इस दीर्घकालीन प्रशिक्षण के अतिरिक्त वर्ष 1976-77 में राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर में रेकीजरेशन एवं एयर कन्डीशनिंग तथा एम0 जी0 पालीटेक्निक, हाथरस में कंक्रिट टेक्नालाजी में अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाये गये जिनमें क्रमशः 12 एवं 13 अध्यापकों को प्रशिक्षण दिया गया। वर्ष 1977-78 में एम0 जी0 पालीटेक्निक, हाथरस में स्वायत्त मैकेनिक्स एवं फाउन्डेशन इंजीनियरिंग का पाठ्यक्रम तथा इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद में टेक्नोलोजी फार हूरल डेवलपमेन्ट के अल्पकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम चलाये गये।

इनके अतिरिक्त प्रदेश में इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद में केरीक्यूलम डेवलपमेन्ट सेन्टर द्वारा प्रत्येक वर्ष विभिन्न प्रकार के अल्पकालिक प्रशिक्षण आयोजित किये जाते हैं जिसमें प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर के अध्यापक प्रशिक्षण लेते हैं। अल्पकालीन प्रशिक्षणों के लिये ही प्रदेश के पालीटेक्निकों के अध्यापकों को प्रदेश के बाहर टी0 टी0 टी0 आई0, चण्डीगढ़, कलकत्ता, मद्रास आदि में प्रशिक्षणार्थ भेजा जाता है।

अध्यापकों को व्यवहारात्मक अनुभव प्राप्त कराने हेतु उद्योगों में तीन माह के प्रशिक्षण के लिये भी भेजा जाता है। इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा प्रतिवर्ष 60 अध्यापकों को प्रशिक्षणार्थ पोषित करने का प्राविधान है।

### टेक्नालाजी को ग्रामीणों के लाभ हेतु गांव तक ले जाना

पिछले 25 वर्षों में देश में तकनीकी व टेक्नालाजिकल विकास तो हुआ है पर इससे ग्रामीण जनता को वांछित लाभ नहीं पहुंचा है। टेक्नालाजी को गांवों तक ले जाने के उद्देश्य की पूर्ति हेतु वर्ष 1976-77 में यह निर्णय लिया गया था कि प्रत्येक संस्था अपने पास के दो ग्रामों के विकास की योजना बनाये और वहां की सड़कों की मरम्मत, सस्ते व स्वच्छ शौचालय, कुटीर उद्योगों की स्थापना की और सक्रिय कार्यवाही करें और साथ ही साथ संस्था के अधिकारी को प्रसार अधिकारी नामांकित करें। इसी उद्देश्य से डिप्लोमा की अन्तिम वर्ष की कक्षाओं की परीक्षा में निर्धारित प्रोजेक्ट को भी ग्रामीण आधारित रखने का निर्णय लिया गया है।



वर्ष 1977-78 में इस कार्यक्रम का वर्ष 1976-77 की अपेक्षा अधिक प्रसार किया गया जिनमें शासन की वर्तमान औद्योगिक नीति ग्रामोन्मुखी ग्रामीण क्षेत्रों में कुटीर उद्योगों को बढ़ावा देने, ग्रामीणों की तकनीकी सहायता एवं परामर्श देने, ग्रामीण सड़कों की मरम्मत, सस्ते व स्वच्छ शौचालयों के निर्माण, गोबर गैस, प्लांटों की स्थापना आदि के सम्बन्ध में प्रदेश की प्रत्येक तकनीकी संस्था द्वारा 5 से 7 गांवों का चयन कर उनके विकास की योजनाएँ चलाई जा रही हैं। इस पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अधिकतर संस्थाओं द्वारा कार्य प्रारम्भ कर दिया गया है। संस्थाओं द्वारा चुने गये उन गांवों का विवरण निम्नवत् है:—

क्रम-संख्या	संस्था का नाम	प्रसार हेतु अपनाये गये गांवों का नाम
1	2	3
1	जवाहर लाल नेहरू पाली 0, महमूदाबाद ।	1—इचौली 2—सिमरा 3—बेहटा छावनी 4—कलुआपुर 5—मोरापुर ।
2	राजकीय पालीटेक्निक, उत्तरकाशी .. ..	1—डांग 2—पोखरी 3—कन्सेण ।
3	के 0 एल 0 पालीटेक्निक, रुड़की .. ..	1—सुनहरा 2—रामपुर 3—इब्राहीमपुर 4—सालथर 5—माधोपुर अहरतपुर 6—मतलबपुर 7—सलेमपुर ।
4	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, दौराला (भेरठ)	1—इकलौता 2—मोहमटपुर 3—पनवाड़ी 4—भगलां 5—छन्जू
5	राजकीय पालीटेक्निक, बरेली .. ..	1—खड़ऊआ 2—बादशाह नगर 3—नदौसी 4—सन्निया 5—जौहरपुर ।
6	राजकीय पालीटेक्निक, गोण्डा .. ..	1—महादेवा 2—खरहरिया 3—विष्णुपुरबस्तिया 4—पुरोसिवा बकेलावर 5—खौरहस्ता 6—सकमथपुर ।

1	2	3
7	राजकीय पालीटेक्निक, मुरादाबाद ..	1—प्रेमनगर 2—मौरी 3—मिलकमऊ 4—नया ग्राम 5—मऊ ।
8	राजकीय पालीटेक्निक, महोबा (हमीरपुर) ..	1—श्रीनगर 2—कबरई ।
9	राजकीय पालीटेक्निक, नरेन्द्रनगर ..	1—मैसर्क 2—सौनी 3—खेड़ागाड
10	राजकीय पालीटेक्निक, झांसी ..	1—बड़ा 2—मौजला 3—ईमागढ बेहवा 4—फरारी 5—अम्बाराय ।
11	राजकीय पालीटेक्निक, गोरखपुर ..	1—बनकरवा 2—जंगला बहादुर अली 3—नूरुद्दीन चक 4—लच्छापुर 5—नया ग्राम ।
12	राजकीय पालीटेक्निक, मेरठ ..	मूचना अनुपलब्ध
13	राजकीय पालीटेक्निक, फैजाबाद ..	1—मिर्जापुर 2—दाराबगंज 3—अब्दूसराय 4—सिंहपुर 4—मुमताजनगर ।
14	राजकीय पालीटेक्निक, मिर्जापुर ..	1—लोहवी 2—चन्दईपुर 3—नकहरा 4—पडरा हनुमान 5—सिरली बहाल 6—सिरसी गहखार 7—चिन्तामनपुर
15	डिबेट पालीटेक्निक, लखनऊ ..	1—बटहा 2—कन्हईलालपुरवा 3—सबौली 4—मिकन्दरपुर 5—गानिकापुरवा 6—आबिलनगर 7—बहादुरपुर

1	2	3
16	डी 0 जे 0 पालीटेक्निक, बड़ौत	1—जिबाना 2—जौहड़ी 3—बड़का 4—अंगदपुर 5—लोहडों
17	राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर	1—अमिलिहा 2—पनऊथुरवा 3—बड़सोतपुरवा 5—मकनखौरा 6—जोरा खोरा 7—मदनपुर 8—पहलवानपुर 8—गड़रियनपुरवा
18	राजकीय पालीटेक्निक, श्रीनगर (गढ़वाल)	1—श्रीकोट गंगानाली 2—खेड़ी 3—कोडड 4—श्रीनगर पुराना 5—एठना डोंग
19	फिराजगांधी पालीटेक्निक, रायबरेली	1—अहियापुर 2—रायपुर किशुन 3—कुसनापुर 4—बरईपुर 5—ज्योना
20	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गाजीपुर	1—गंगा किशुनपुर 2—कलीता 3—ब्रह्मस्थान 4—परसादपुर 5—युवराजपुर
21	टाउन पालीटेक्निक, बलिया	1—लिखनपुर 2—परिखरा 3—टंकरखंड 4—श्रीराबरती 5—छोटे डसरपुरा
22	सेठ गंगा भागर जाटिया पाली 0, खुर्जा	1—बगराई 2—हजरतपुर
23	राजकीय चर्म संस्थान, आगरा	1—ताज टेंवरी (ग्रामीण क्षेत्र में स्थित है) 2—कागरोल टेंवरी
24	राजकीय पालीटेक्निक, लोहणाट (पिबौरागढ़)	1—पाटन 2—चौरा 3—कली

1	2	3
25	राजकीय पालीटेक्निक, लखनऊ.	1—उजिरायांव 2—चांदन 3—खरगपुर फ़ीदीनगर 4—मुंशी पुरवा 5—अमरोवां
26	राजकीय चर्मकला संस्थान, कानपुर	.. 1—उत्तरीपूरा 2—मथवानपुर 3—सुजावनपुर 4—चम्पतपुर 5—कंड्या
27	राजकीय केन्द्रीय बस्त्र संस्थान, कानपुर	.. 1—सोरा जिला उन्नाव
28	राजकीय पालीटेक्निक, गोरखपुर	.. 1—वहमपुर 2—मुंडरी
29	राजकीय पालीटेक्निक, आजमगढ़	.. अनुपलब्ध
30	राजकीय पालीटेक्निक, बस्ती	.. 1—जिगिना 2—घरसुथिआ
31	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, इलाहाबाद	.. 1—नारावारी 2—दस्त बखवारी
32	इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद	1—कर राखण्ड 2—सेवाडत- 3—गोहरी 4—हाजीगंज 5—बादलपुर 6—वाजीराबाद 7—लेहरी
33	एम0जी0 पालीटेक्निक, हाथरस	.. 1—गढी तमना 2—लहरा
34	पी0एम0वी0, पालीटेक्निक, मथुरा	1—जयमिक पुरा 2—धीरेरां
35	नैनीताल पालीटेक्निक, नैनीताल	1—नारायन नगर 2—खुरपाताल
36	चन्दौली पालीटेक्निक, चन्दौली	1—फगुइया
37	गान्धी पालीटेक्निक, मुजफ्फरनगर	.. 1—कृदडा 2—कुकडी
38	टेक्निकल कालेज, दयालबाग, आगरा	.. 1—जगनपुर 2—तलफक. का नगला
39	स्कूल आफ पेपर टेक्नालाजी, सहारनपुर	.. 1—दांव की जनारदार .. 2—पवारका
40	ग0मा0प्र0वि0, गोरखपुर	.. 1—पिलमापुर 2—आगथो 3—जीतपुर 4—बालायार 5—मिलोरा

## गुणात्मक सुधार

आकस्मिक व्यय में अभी तक शासन द्वारा 100 रुपये प्रति छात्र प्रतिवर्ष स्वीकृत किया जाता था जिससे प्रशिक्षण को सुचारु रूप से चलाने में कठिनाई होती थी। इस कठिनाई को ध्यान में रखते हुए शासन ने वर्ष 1976-77 से उपरोक्त दर को 100 रुपये से बढ़ाकर 165 रुपये प्रति छात्र प्रतिवर्ष स्वीकृत किया है और आशा है इस बढोत्तरी से प्रशिक्षण में गुणात्मक सुधार होगा। साथ ही साथ मंस्थाओं के निरीक्षण पर अधिक से अधिक बल देने के उद्देश्य में निदेशालय के सुदृढीकरण के प्रस्ताव शासन के विचाराधीन हैं।

इसी योजना के अन्तर्गत वर्ष 1977-78 में कुछ संस्थाओं को भारत सरकार द्वारा विशेष केन्द्रीय सहायता भी प्रदान की गई है।

### शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना

डिप्लोमा स्तर के छात्रों को मुगम, मुबोध एवं सरल ढंग से तकनीकी शिक्षा देने के संबंध में सामान्य शिक्षा की भांति डिप्लोमा स्तर के छात्रों को प्रशिक्षण देने में ग्राटर्स माडल तथा अन्य टीचिंग एड्स की मामूरी का प्रयोग किया जाये। अध्ययन माधनों के सृजन तथा छात्रों हेतु उच्चकोटि की पुस्तकें उपलब्ध कराने के लिये प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत वर्ष 1977-78 में शोध विकास एवं प्रशिक्षण संस्था की योजना शासन द्वारा स्वीकृत की गई है।

### वृद्धांश संस्थाओं से प्राप्त किये छात्रों के सेवायोजन का अध्ययन

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत विभिन्न तकनीकी संस्थाओं से उत्तीर्ण छात्रों की सेवायोजन स्थिति की जानकारी रखने, अर्ध रोजगार में लगने लगे हुए तथा बेरोजगार छात्रों को रोजगार दिलाने की व्यवस्था हेतु फालों अप रिकार्ड संस्थाओं द्वारा अप-टूडेट कराने के दृष्टिकोण से इस दिशा में कार्यवाही की प्रगाढ़ता के लिये संस्थाओं को विगत 10 वर्षों के रिकार्ड तैयार करने के निर्देश दिये गये थे। पर्याप्त संस्थाओं द्वारा निर्देशिकायें तैयार कर ली गई जिन्हें अप-टू-डेट (पूर्ण) कराने का प्रयास किया जा रहा है।

बेरोजगार छात्रों को रोजगार में लगाने हेतु तथा इस कार्य के लिये विभिन्न उद्योगों से एवं अन्य सरकारी विभागों से घनिष्ठ सम्पर्क हेतु संस्थाओं में ट्रेनिंग-कम-प्लेसमेंट आफिसर के पद के सृजन के लिये शासन को प्रस्ताव भी प्रेषित किया गया है जो विचाराणीय है। इलाहाबाद पानीटेकनिक इलाहाबाद में यह पद पूर्व ही स्वीकृत हो चुका है।

### प्राविधिक शिक्षा के अन्तर्गत प्रदत्त सुविधायें

(1) प्राविधिक शिक्षा ऋण योजना—उत्तर प्रदेश शासन ने वर्ष 1950-51 में प्राविधिक शिक्षा ऋण योजना प्रारम्भ की थी। इस योजना को प्रारम्भ करने का शासन का मुख्य उद्देश्य उत्तर प्रदेश के माधनहीन, अमहाय मध्यावी छात्रों को तकनीकी शिक्षा ग्रहण करने के लिये आर्थिक सहायता प्रदान करना था।

योजना के अन्तर्गत 7,000 रुपये तक भारत में और 15,000 रुपये तक का ऋण विदेश में प्राविधिक शिक्षा प्राप्त करने के लिये 8½ प्रतिशत (साढ़े आठ प्रतिशत) ब्याज की दर पर स्वीकृत किया जाता है किन्तु प्रदत्त ऋण का प्रतिदान नियमानुसार निर्धारित तिथियों पर होने से 3½ प्रतिशत ब्याज की दर से छूट प्रदान करने का प्राविधान है। प्रथम योजना काल में 3.071 लाख रुपये, द्वितीय योजनाकाल में 20.712 लाख रुपये, तृतीय योजना काल में 91.312 लाख रुपये तथा चतुर्थ पंचवर्षीय योजनाकाल में 70.885 लाख रुपये का ऋण बितरित किया गया।

इस योजना के अन्तर्गत पांचवी पंचवर्षीय योजना में 99, 300 लाख रुपये का प्राविधान था जिसे पुनरीक्षित कर 60.000 लाख रुपये किया गया है जिसके विरुद्ध वर्ष 1974-75 में 13.00 लाख रुपये वर्ष 1975-76 में 13.00 लाख रुपये 1976-77 में 10.000 लाख रुपये का ऋण दिया गया। वर्ष 1977-78 में 10.000 लाख रुपये का प्राविधान किया गया है।

विदेशों में शिक्षण ग्रहण करने वाले उत्तर प्रदेश के विद्यार्थियों को ऋण की स्वीकृति शासन द्वारा दी जाती है। ऋण स्वीकृति हेतु प्राप्त प्रार्थना पत्र संस्तुति के साथ शासन को प्रेषित कर दिये जाते हैं।

ऋण की वसूली विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम पूर्ण करने के एक वर्ष बाद से प्रारम्भ होती है। दिये गये ऋण की पूर्ण धनराशि 7 वार्षिक किस्तों में वसूल की जाती है। विशेष परिस्थितियों में प्राविधिक शिक्षा ऋण नियमावली के अन्तर्गत ऋण प्राप्त कर्ता को ऋण वापसी में 1 वर्ष का समय और प्रदान करने का भी प्राविधान है। अभी तक ऋण प्राप्तकर्ताओं की कुल संख्या 12,227 हो गई है और लगभग 177.00 लाख रुपये की वसूली की जा चुकी है।

### शुल्क मुक्ति

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत समस्त बहुधन्वी एवं डिग्री संस्थाओं में 15 प्रतिशत पूर्ण अंशक या 30 प्रतिशत अर्धशुल्क की छूट का प्राविधान है।

### वृत्ति एवं छात्रवृत्तियां

रामपूर्ण बहुधन्वी संस्थाओं के मेधावी छात्रों को वृत्ति एवं छात्रवृत्तिया दी जाती है। राज्य के बाहर प्राविधिक शिक्षा के अध्ययन हेतु जाने वाले छात्रों को वृत्तियों की सुविधायें भी प्रदान की जाती हैं। प्रदेश के बाहर इंडियन इन्स्टीट्यूट आफ साइंस एवं जियोलाजी, धनवाद, इंडियन इन्स्टीट्यूट आफ साइंस, बंगलौर, इंडियन इन्स्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी, खरगपुर तथा सर जे 0जे 0 स्कूल आफ आर्ट्स, बम्बई में अध्ययन करने वाले छात्रों हेतु 50 रु प्रतिमास की दर से 30 वृत्तियों का प्राविधान है। माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों में वृत्तियां प्रथम एवं द्वितीय वर्ष में क्रमशः 20 एवं 30 रुपये प्रतिमाह की दर से प्रदान की जाती हैं। राजकीय महिला पालीटेकनिक, लखनऊ में इलेक्ट्रानिक्स के लिये वृत्ति की दर 50 रुपये प्रतिमाह है तथा स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस हेतु 20 रुपये प्रतिमाह मेरिट-कम-मीन्स-छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत 25 रु प्रतिमाह की दर से 10 प्रतिशत छात्रों की छात्रवृत्तिया दी जाती है।

### विद्यार्थियों को सुविधाएँ

प्रत्येक संस्था में छात्रों के लिये साइकिल स्टैंड, डिस्पेन्सरी एन 0सी 0मी 0 ब्लाक तथा कैंटीन की सुविधायें उपलब्ध है। इस योजना के अन्तर्गत निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है। शेष कार्य को पूरा करने लिये पंचवर्षीय योजना में 11.300 लाख रुपये का परिचय रखा गया है।

### आवास गृहों का निर्माण

प्राविधिक शिक्षा संस्थाओं में आवास गृहों का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसके लिये पांचवी-योजना में 30 000 लाख रुपये का प्राविधान है।

### प्रवेश स्थानों का आरक्षण

सम्पूर्ण संस्थानों में प्रवेश योग्यता क आधार पर किये जाते हैं। डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के प्रवेश के लिये न्यूनतम शैक्षिक योग्यता गणित तथा विज्ञान (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान) विषयों में कम से कम 45 प्रतिशत प्राप्तिक के साथ दसवीं कक्षा उत्तीर्ण तथा प्राविधिक माध्यमिक विद्यालयों में जूनियर हाई स्कूल अथवा आठवीं कक्षा उत्तीर्ण है। राजकीय एवं अनुदानित संस्थाओं में प्रवेश के आरक्षित स्थानों का विवरण निम्नवत है:—

राजाज्ञा सं० तथा तिथि	आरक्षित स्थानों की सं०	आरक्षण का स्वरूप/प्रकार
1	2	3
1—350 ईडी/18-ब- दिनांक 24-9-1965	प्रवेश स्थानों का 18 प्रतिशत	परिगणित जाति के छात्र
2—6763 ईडी/18-घ-400 ईडी/196 आई०डी०दि० 10-1-63।	112 प्रवेश स्थान नैनीताल पाली० नैनीताल, 4 प्रवेश स्थान अन्य बहु- धन्वी संस्थानों में।	सीमान्त क्षेत्र के छात्र
3—3894 ईडी/18-घ-400 ईडी/67, दि० 17-8- 63।	उत्तर क्षेत्रीय मूद्रण औद्योगिक संस्थान, इलाहाबाद में 3, राजकीय सेंट्रल टेक्सटाइल इन्स्टीट्यूट कानपुर में 20 तथा राजकीय उर्म संस्थान, कानपुर में 1 स्थान।	सीमान्त क्षेत्र के छात्र
4—4527(1) ईडी 18-घ- 365 ईडी/61, दि, 19- 8-1963।	राजकीय बहुधन्वी संस्था, गोरखपुर में विद्युत एवं यंत्र अभियन्त्रण पाठ्य- क्रम में 2 स्थान तथा राजकीय सेंट्रल टेक्सटाइल इन्स्टीट्यूट में टेक्सटाइल टेबना० के पाठ्यक्रम में एक स्थान।	जम्मू तथा कश्मीर राज्य के छात्र।
5—2420 ईडी/18-घ-41, ईडी/64, दि० 7-12- 1965।	सम्पूर्ण बहुधन्वी संस्थाओं एवं मा०प्रा० वि० में एक स्थान।	पूर्वी अफ्रीकी देशों तथा सीलोन में आये हुए शरणार्थी छात्र।
6—1964 ईडी/18-घ-344 ईडी/65, दि० 6-7- 1965।	माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों में 2 स्थान।	सीमान्त क्षेत्र के छात्र
7—1487 प्राविधिक शिक्षा/ 18-ब-180 एम० ईडी/ 76 दिनांक 16-6-77।	समस्त डिप्लोमा स्तर की प्राविधिक संस्थाओं में 5 प्रतिशत स्थान।	स्वतन्त्रा संग्राम सेनानियों तथा मिलिट्री परसनल के आश्रित तथा अभिरक्षित के लिये।

भारत सरकार क पत्र संख्या एफ-49-50एन0आर0 प्रो0/ईडी/दिनांक 21 सितम्बर, 1957 के आदेशानुसार उत्तर प्रदेशीय क्षेत्रीय मुद्रण औद्योगिक संस्थान, इलाहाबाद में निम्नलिखित आरक्षण स्वीकृत है :—

(1) उत्तर प्रदेश	..	..	50 प्रतिशत
(2) राजस्थान	..	..	15 प्रतिशत
(3) पंजाब	..	..	15 प्रतिशत
(4) दिल्ली	..	..	15 प्रतिशत
(5) हिमाचल प्रदेश	..	..	1 प्रतिशत
(6) जम्मू एवं कश्मीर	..	..	4 प्रतिशत

### पर्वतीय क्षेत्र का विकास

वर्ष 1974-75 तक पर्वतीय क्षेत्र में एक डिग्री मस्था तथा दो डिप्लोमा संस्थायें चल रही थी जिनकी प्रवेश क्षमता क्रमशः 140,250 तथा 150 थी। वर्ष 1975-76 में पर्वतीय क्षेत्र के उत्थान हेतु काशीपुर (नैनीताल), द्वाराहाट (अल्मोडा), नरेन्द्रनगर (टिहरी-गढ़वाल), उत्तरकाशी और लोहाघाट (पिथौरागढ़) में राजकीय बहुप्रन्धी संस्थाओं की स्थापना की गई जिनमें लड़कों तथा लड़कियों दोनों के लिए प्रशिक्षण की व्यवस्था है। इस समय पर्वतीय क्षेत्र में डिप्लोमा स्तर की 7 संस्थायें हैं। संस्थावार पाठ्यक्रमों का विवरण परिशिष्ट-2 में दिया हुआ है।

नैनीताल पालीटेक्निक, नैनीताल में प्रशिक्षण युक्त उत्पादन केन्द्र की स्थापना की गई है। नैनीताल पालीटेक्निक, नैनीताल में चल रहे मिविल, इलेक्ट्रिकल तथा मैकेनिकल इंजीनियरिंग परम्परागत डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त वर्ष 1972-73 में कार्याशिल प्रैक्टिस तथा वर्ष 1975-76 में इलेक्ट्रॉनिक्स के डाइवर्सिफाड डिप्लोमा पाठ्यक्रम चलाये गये हैं। राजकीय पालीटेक्निक श्रीनगर (गढ़वाल) में 1974-75 में आटोमोबाइल इंजीनियरिंग में तीन वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

इस प्रकार अधिकाधिक शिक्षा संस्थाओं के माध्यम से पर्वतीय क्षेत्र को प्रशिक्षण सुविधायें प्रदत्त कर, क्षेत्रीय लोगों के आर्थिक स्तर को ऊंचा उठाने का प्रयत्न किया जा रहा है।

### बुक बैंक की स्थापना

वर्ष 1975-76 में निदेशालय के अन्तर्गत विभिन्न संस्थाओं में 15 प्रतिशत निर्धन छात्रों को पुस्तकीय महसुसता उपलब्ध कराने हेतु बुक बैंक की स्थापना की गई थी। वर्ष 1977-78 तक 54 संस्थाओं में बुक बैंक की स्थापना की जा चुकी है।

### छात्रों को पुस्तकें तथा स्टेशनरी आदि कन्ट्रोल दर पर उपलब्ध कराना

प्राविधिक शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत विभिन्न डिप्लोमा संस्थाओं में सहकारी समितियां स्थापित की जा चुकी हैं जिनके द्वारा अधिकतम सम्भव छूट के साथ पुस्तकें लेखन सामग्री, प्रैक्टिकल इक्यूपमेंट आदि छात्रों को उपलब्ध करायी जा रही हैं।

औद्योगिक सम्पर्क परिषद्—तकनीकी शिक्षा का उद्योगों से घनिष्ठ सम्पर्क स्थापित करने के उद्देश्य से माननीय मुख्य मंत्री जी की अध्यक्षता में औद्योगिक सम्पर्क परिषद् का गठन वर्ष 1972 में किया गया जिसमें प्रदेश के प्रमुख उद्योगपति भी सदस्य हैं। यह परिषद् अपनी क्षेत्रीय समितियों के माध्यम से उद्योगों से सम्पर्क स्थापित कर उनकी तकनीकी समस्याओं के समाधान करने, उनको टेस्टिंग की सुविधा प्रदान करने, संस्था के छात्रों के लिये उद्योगों के विशेष प्रतिनिधियों से विशेषित विषयों पर व्याख्यान व विचार विमर्श की व्यवस्था करने में कार्यरत है।



परिषद् के कार्य कक्षाओं को अधिक उपयोगी एवं प्रगतिशील बनाने के उद्देश्य से निम्नलिखित अन्वीय समितियां स्थापित की गई हैं :-

क्रम-सं०	इंजीनियरिंग कालेज का नाम	सम्बद्ध पालीटेक्निक का नाम
1	एल० एच० इंजीनियरिंग कालेज, मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ ।	1—सेठ गंगामागर जटिया पालीटेक्निक, खुर्जा । 2—गांधी पालीटेक्निक, मुजफ्फरनगर। 3—डी० एन० पालीटेक्निक, मेरठ । 4—डी०जे० पालीटेक्निक, बड़ौत (मेरठ) ।
2	इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नालॉजी, जनारम हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी ।	1—चंदौली पालीटेक्निक चंदौली । 2—राजकीय पालीटेक्निक, मिर्जापुर , 3—राजकीय पालीटेक्निक, फैजाबाद । 4—टाऊन पालीटेक्निक, बलिया ।
3	मोतीलाल मेहरो राजनल इंजीनियरिंग कालेज इलाहाबाद ।	1—इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद । 2—हंडिया, पालीटेक्निक, हंडिया । 3—एन० आर० इंस्टीट्यूट, आफ़ प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद ।
4	मदनमोहन मानवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर ।	1—राजकीय पालीटेक्निक, गोरखपुर 2—राजकीय पालीटेक्निक, गोंडा । 3—राजकीय पालीटेक्निक, बस्ती 4—राजकीय पालीटेक्निक, आजमगढ़ 5—एम० पी० पालीटेक्निक, गोरखपुर ।
5	रुड़की, विश्वविद्यालय, रुड़की	1—राजकीय पालीटेक्निक, मुरादाबाद । 2—के० एल० पालीटेक्निक, रुड़की । 3—स्कूल आफ़ पेपर टेक्नालॉजी, सहारनपुर 4—राजकीय पालीटेक्निक, उत्तरकाशी । 5—सेठ जयप्रकाश मुकुन्दलाल पालीटेक्निक गाजियाबाद । 6—राजकीय पालीटेक्निक, देहरीगढ़वाल
6	इंजीनियरिंग कालेज दपालबाग, आगरा	1—राजकीय चर्म संस्थान, आगरा । 2—पी०एम०वी० पालीटेक्निक, मथुरा। 3—टेक्निकल कालेज, दपालबाग, आगरा । 4—एम० जी० पालीटेक्निक, हापरस ।

क्रम-सं०	इंजीनियरिंग कालेज का नाम	संबद्ध पालीटेक्निक का नाम
7	जी०बी०पंत कालेज आफ इंजी०एवं टेक० पंतनगर, (नैनीताल)	1—नैनीताल पालीटेक्निक, नैनीताल । 2—राजकीय पालीटेक्निक, श्रीनगर । (गढ़वाल) । 3—राजकीय पालीटेक्निक, बरेली । 4—राजकीय पालीटेक्निक काशीपुर (नैनीताल) । 5—राजकीय पालीटेक्निक, द्वारहाट (अल्मोड़ा) । 6—राजकीय पालीटेक्निक, लोहाघाट (पिथौरागढ़) ।
8	एच० बी० टी० आई०, कानपुर	1—राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर । 2—राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर । 3—राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर । 4—हीवेट पालीटेक्निक, लखनऊ । 5—लखनऊ पालीटेक्निक, लखनऊ । 6—राजकीय महिला पालीटेक्निक, लखनऊ । 7—राजकीय पालीटेक्निक, लखनऊ । 8—राजकीय पालीटेक्निक, झांसी । 9—जवाहरलाल नेहरू पालीटेक्निक, महमूदाबाद (सीतापुर) । 10—फिरोज गांधी पालीटेक्निक, रायबरेली ।

## परिशिष्ट—1

क्रम-सं०	संस्था का नाम	पाठ्य-क्रम का नाम	स्वीकृत प्रवेश संख्या	
1	2	3	4	
1	इंजीनियरिंग कालेज, दयालबाग, आगरा	1—विद्युत् अभियंत्रण ..	30	30
		2—यांत्रिक अभियंत्रण ..	30	30
		योग ..	60	60
2	मोतीलाल नेहरू रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, इलाहाबाद।	1—नागरिक अभियंत्रण ..	64	64
		2—विद्युत् अभियंत्रण ..	76	76
		3—यांत्रिक अभियंत्रण ..	74	74
		योग ..	214	214
3	मदनमोहन मालवीय इंजीनियरिंग कालेज, गोरखपुर।	1—नागरिक अभियंत्रण ..	30	143
		2—विद्युत् अभियंत्रण ..	45	
		3—यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	
		4—इलेक्ट्रानिक्स ..	20	
		योग ..	140	143
4	पंत कालेज आफ इंजीनियरिंग टेक्नोलोजी पंतनगर।	1—सिविल अभियंत्रण ..	90	43
		2—विद्युत् अभियंत्रण ..		37
		3—यांत्रिक अभियंत्रण ..		45
		4—कृषि अभियंत्रण ..		43
		योग ..	90	168
5	रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की	1—सिविल अभियंत्रण ..	63	63
		2—वातावरण अभियांत्रिकी ..	..	..
		3—विद्युत् अभियंत्रण ..	61	61
		4—यांत्रिक अभियंत्रण ..	40	40
		5—इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग	21	21
		6—टेलीकम्यूनिकेशन ..	38	38
		7—आर्कीटेक्चर ..	20	20
		8—केमिकल इंजीनियरिंग	35	35
		9—मेटलर्जी ..	27	27
		योग ..	305	305

1	2	3	4
6	एच० बी० टी० आई०, कानपुर	1—नागरिक अभियंत्रण .. 2—विद्युत् अभियंत्रण .. 3—यांत्रिक अभियंत्रण .. 4—केमिकल इंजीनियरिंग 5—वार्ड केमिकल टेक०..	20 30 30 40 80 235
		योग ..	240 235
7	राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर	1—टेक्सटाइल टेक्नोलोजी 2—टेक्सटाइल केमिस्ट्री 3—मैनमेड फाइबर टेक०	20 25 10 11 10 12 40 48
		योग ..	40 48
8	राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर	1—लेदर टेक्नोलोजी ..	10 ..
		योग ..	10 ..
		कुल योग ..	1,085 1,173

## परिशिष्ट 2

वर्ष 1977-78 में डिप्लोमा संस्थाओं में पाठ्यक्रमानुसार छात्रों को प्रवेश देने हेतु प्रस्ताविक प्रवेश क्षमता तथा प्रवेश संख्या ।

संस्था का नाम	पाठ्य-क्रम	प्रवेश क्षमता	छात्रों की प्रवेश संख्या
1	2	3	4
1—राजकीय बहुधंधी संस्था, लखनऊ	नागरिक अभियंत्रण ..	90	91
	विद्युत् अभियंत्रण ..	105	122
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	105	114
	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30	31
	योग ..	330	358
2—राजकीय बहुधंधी संस्था, गोरखपुर ।	नागरिक अभियंत्रण ..	90	90
	विद्युत् अभियंत्रण ..	105	109
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	105	103
	केमिकल आपरेटर ..	10	10
	आटोमोबाइल अभियंत्रण	30	30
	रेफीजरेशन मैकेनिक (प्रमाण-पत्र-स्तर)	70	..
योग ..	300	342	
3—राजकीय बहुधंधी संस्था, बरेली	नागरिक अभियंत्रण ..	60	61
	विद्युत् अभियंत्रण ..	90	91
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	90	90
	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30	30
	रेफीजरेशन मैकेनिक (प्रमाण-पत्र)	20	..
योग ..	290	272	
4—राजकीय बहुधंधी संस्था, झांसी	नागरिक अभियंत्रण ..	60	60
	विद्युत् अभियंत्रण ..	90	90
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	90	90
	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30	31
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	30
योग ..	300	301	

1	2	3	4
5—राजकीय बहुधंधी संस्था, फैजाबाद	नागरिक अभियंत्रण	30	58
	विद्युत् अभियंत्रण ..	75	61
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	75	61
	योग ..	180	180
6—राजकीय बहुधंधी संस्था, कानपुर	नागरिक अभियंत्रण ..	60	60
	विद्युत् अभियंत्रण ..	120	121
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	120	123
	केमिकल अपरेटर ..	10	12
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	30
	इंस्ट्रूमेन्ट टेक्नोलोजी (पो० डि०)	10	..
	टेलीविजन इंजीनियरिंग (पो० डि०)	10	..
योग ..	360	346	
7—राजकीय बहुधंधी संस्था, मिर्जापुर	नागरिक अभियंत्रण ..	30	62
	विद्युत् अभियंत्रण ..	75	61
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	75	69
	योग ..	180	192
8—मठ गंगासागर जटियां पाली- टेक्निक, खुर्जा ।	नागरिक अभियंत्रण ..	60	60
	विद्युत् अभियंत्रण ..	60	61
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	60	60
	सिरेमिक्स टेक्नालोजी ..	30	25
योग ..	210	206	
9—राजकीय बहुधंधी संस्था, आजमगढ़	नागरिक अभियंत्रण ..	30	209
	विद्युत् अभियंत्रण ..	75	
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	75	
	अटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30	
योग ..	210	200	
10—राजकीय बहुधंधी संस्था, गोण्डा	नागरिक अभियंत्रण ..	30	33
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	50
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	49
	योग ..	120	132

1	2	3	4
11—राजकीय बहुधंधी संस्था, बस्ती	नागरिक अभियंत्रण	30	30
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	47
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	44
	योग ..	120	121
12—राजकीय बहुधंधी संस्था, मुरादाबाद ।	नागरिक अभियंत्रण ..	60	57
	विद्युत् अभियंत्रण ..	90	90
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	90	90
	योग ..	240	237
13—राजकीय बहुधंधी संस्था, श्रीनगर (गढ़वाल)	नागरिक अभियंत्रण ..	30	33
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	50
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	50
	आटोमोबाइल अभियंत्रण	30	32
	योग ..	150	165
14—राजकीय बहुधंधी संस्था, काशीपुर (नैनीताल)	केमिकल इंजीनियरिंग	10	10
	एग्रीकल्चरल इंजीनियरिंग	30	30
	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30	30
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	..
	योग ..	100	70
15—राजकीय पालीटेकनिक, नरेन्द्र- नगर (टेहरी गढ़वाल)	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	40
	इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	30	30
	योग ..	60	70
16—राजकीय पालीटेकनिक, अल्मोड़ा	कामशियल प्रैक्टिस ..	30	30
	फार्मैसी ..	30	29
	योग ..	60	59
17—राजकीय पालीटेकनिक, उत्तर- काशी ।	कामशियल प्रैक्टिस ..	30	16
	फार्मैसी	30	30
	इलेक्ट्रीकल इंजीनियरिंग	30	30
	योग ..	90	76

1	2	3	4
18—राजकीय पालीटेकनिक, लोहाघाट (पिथौरागढ़) ।	सिविल इंजीनियरिंग स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटे- रियल प्रैक्टिस	30 30	30 30
	योग ..	60	60
19—राजकीय पालीटेकनिक महोबा, (हमीरपुर) ।	विद्युत् अभियंत्रण इलेक्ट्रानिक्स आटोमोबाइल इंजी- नियरिंग	30 30 30	31 30 30
	योग ..	90	91
20—एम 0 जी 0 पालीटेकनिक, हाथरस	नागरिक अभियंत्रण विद्युत् अभियंत्रण यांत्रिक अभियंत्रण इलेक्ट्रानिक्स रेफ्रीजेशन एवं एयर कंडीशनिंग मेकेनिक रेफ्रीजेशन (प्रमाण-पत्र) कृषि अभियंत्रण	60 60 60 30 30 20 30	60 60 60 30 30 26 30
	योग ..	290	216
21—हंडिया पालीटेकनिक, हंडिया (इलाहाबाद) ।	नागरिक अभियंत्रण विद्युत् अभियंत्रण यांत्रिक अभियंत्रण	30 45 45	30 48 58
	योग ..	120	146
22—पी 0 एम 0 बी 0 पालीटेकनिक, मथुरा ।	नागरिक अभियंत्रण विद्युत् अभियंत्रण यांत्रिक अभियंत्रण आटोमोबाइल अभि 0	60 60 60 30	61 61 61 30
	योग ..	210	213



1	2	3	4
23—चंदौली पालीटेक्निक, चंदौली	नागरिक अभियंत्रण ..	30	30
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	45
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	45
	एग्रीकल्चरल अभियन्त्रण	30	30
	योग ..	150	150
24—के० एल० पालीटेक्निक, रङ्गी	नागरिक अभियंत्रण ..	60	62
	विद्युत् अभियंत्रण ..	90	64
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	90	63
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	34
	योग ..	270	223
25—गांधी पालीटेक्निक, मुजफ्फर- नगर ।	नागरिक अभियंत्रण ..	30	60
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	35
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	30
	आटोमोबाइल अभियंत्रण स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रेक्टिस । ..	30	25
	योग ..	180	150
26—डी०जे० पालीटेक्निक, बड़ौत (मेरठ) ।	नागरिक अभियंत्रण ..	30	30
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	45
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	45
	योग ..	120	120
27—इलाहाबाद पालीटेक्निक, इलाहाबाद ।	नागरिक अभियंत्रण ..	60	65
	विद्युत् अभियंत्रण ..	90	93
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	120	75
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	73
	इण्डस्ट्रियल इलेक्ट्रानिक्स (पोस्ट डिप्लोमा)	10	..
	डिजायन एवं ड्राफ्टिंग (पो०, डि०)	10	..
	आटोमोबाइल (पोस्ट डिप्लोमा)	30	28
	कार्मशियल प्रैक्टिस ..	30	30
	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग	30	33
	कंस्ट्रक्शन टेक्नालाजी ..	30	35
इन्स्ट्रूमेन्टेशन एवं कन्ट्रोल	30	39	

1	2	3	4
	पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग	30	29
	रेफ्रीजरेशन एवं एयर कंडी०	30	32
	टूल इंजीनियरिंग ..	30	31
	प्लास्टिक टेक्नोलौजी ..	30	31
	ट्यूबवेल इंजीनियरिंग ..	30	31
	मैटेरियल मैनेजमेन्ट ..	20	20
	सेल्समैन शिप ..	20	20
	योग ..	660	665
28—डी 0एन 0 पालीटेक्निक, मेरठ	नागरिक अभियंत्रण ..	30	62
	विद्युत् अभियंत्रण ..	75	62
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	75	62
	योग ..	180	186
29—एम 0पी 0पालीटेक्निक, गोरखपुर	नागरिक अभियंत्रण ..	30	62
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	31
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	31
	कामशियल प्रैक्टिस ..	30	..
	योग ..	150	124
30—टाउन पालीटेक्निक, बलिया	नागरिक अभियंत्रण ..	30	60
	विद्युत् अभियंत्रण ..	45	30
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	45	31
	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	30	30
	योग ..	150	151
31—लखनऊ पालीटेक्निक, लखनऊ	नागरिक अभियंत्रण ..	60	68
	विद्युत् अभियंत्रण ..	90	90
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	90	88
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	30
	योग ..	270	276
32—हीवेट पालीटेक्निक, लखनऊ	नागरिक अभियंत्रण ..	60	61
	विद्युत् अभियंत्रण ..	120	108
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	120	107
	योग ..	300	276

1	2	3	4
33—टेक्निकल कालंज, दयालवाग, आगरा ।	विद्युत् अभियंत्रण ..	55	60
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	55	60
	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग	40	30
	योग ..	150	150
34—नैनीताल पालीटेक्निक, नैनीताल	नागरिक अभियंत्रण ..	60	62
	विद्युत् अभियंत्रण ..	60	60
	यांत्रिक अभियंत्रण ..	60	65
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	30
	कामशियल प्रैक्टिस ..	30	29
योग ..	240	246	
35—फिरोज गांधी पालीटेक्निक, रायबरेली ।	मैकेनिकल इंजीनियरिंग	30	30
	इलेक्ट्रानिक्स ..	30	30
	इंस्ट्रूमेंटेशन एंड कंट्रोल स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस ।	30	8
	योग ..	120	98
36—जवाहरलाल नहरू पालीटेक्निक, महमूदाबाद (सीतापुर) ।	एप्रीकल्चरल इंजीनियरिंग कस्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग	30	41
	इलेक्ट्रिशियन (प्रमाण-पत्र)	30	14
	मोटर मैकेनिक (,,)	20	20
	इलेक्ट्रानिक्स (,,) ..	20	18
	इलेक्ट्रानिक्स (,,) ..	30	40
योग ..	130	133	
37—राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर ।	टेक्सटाइल टेक्नालाजी	20	22
	टेक्सटाइल केमिस्ट्री ..	10	11
योग ..	30	33	
38—राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर	लेदर टेक्नालाजी (टैनिंग)	10	12
	फुटवियर टेक्नालाजी	20	24
योग ..	30	36	

1	2	3	4
39—राजकीय चर्म संस्थान, आगरा	लेदर टेक्नालाजी (टैनिंग)	10	15
	फुटवियर टेक्नालाजी	20	25
	योग ..	30	40
40—नार्दन रोजनल इंस्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेक्नालाजी, इलाहाबाद	प्रिंटिंग टेक्नालाजी ..	60	71
	योग ..	60	71
41—स्कूल आफ पेपर टेक्नालाजी, महाराजपुर ।	पल्प टेक्नालाजी (डिप्लोमा)	100	45
	पल्प टेक्नालाजी (मटी फिकेट)	..	54
	प्रोसेस इंस्ट्रूमेंटेशन	30	25
	योग ..	130	124
42—राजकीय महिला पाली 0, लखनऊ	इलेक्ट्रानिकम ..	30	40
	कस्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग ।	30	45
	स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस	30	60
	थार्कीटेक्चरल अमिस्टेन्टशिप	30	28
	होम साइंस ..	30	..
	टेलीविजन इंजीनियरिंग	10	..
	योग ..	160	173
	43—सेट जयप्रकाश मुकुन्दलाल पाली 0, गाजियाबाद ।	स्टेनोग्राफी एवं सेक्रेटेरियल प्रैक्टिस ।	30
होमसाइंस ..		30	अनुपलब्ध
कस्ट्यूम डिजाइन एवं ड्रेस मेकिंग		30	
योग ..		90	..
44—बी 0 बी 0 रूरल इंस्टीट्यूट, विचपुरी (आगरा) ।	सिविल एंड रूरल इंजी 0	60	66
	योग ..	60	66
	कुल योग, ..	7,790	7,633

## परिशिष्ट—3

## राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय

क्रमांक	विद्यालय का नाम	प्रवेश क्षमता	प्रवेश सं० 1977-78
1	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, दोराला (मेरठ) ..	60	43
2	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, इलाहाबाद . . .	120	20
3	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गाजीपुर ..	60	164
4	राजकीय माध्यमिक, प्राविधिक विद्यालय, झांसी ..	80	88
5	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मिर्जापुर ..	60	78
6	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, आजमगढ़ ..	60	152
7	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोरखपुर ..	80	154
8	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, वरेली ..	80	77
9	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, फैजाबाद ..	60	53
10	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ ..	80	68
11	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोण्डा ..	60	60
12	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मुरादाबाद ..	60	58
कुल योग ..		860	1,015

## प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश लखनऊ

### प्रगति रिपोर्ट (1977-78)

प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश का गठन प्राविधिक शिक्षा अधिनियम, 1962 के अन्तर्गत हुआ था। राज्य सरकार को प्राविधिक शिक्षा के समन्वित विकास के बारे में परामर्श देना तथा परिषद् से सम्बद्ध चल रहे संस्थाओं के डिप्लोमा तथा सर्टीफिकेट पाठ्यक्रमों को तैयार करके परीक्षा लेना तथा डिप्लोमा एवं सर्टीफिकेट प्रदान करना उसका मुख्य कार्य है। इन मुख्य कार्यों के सम्पादन में विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं को तैयार करना, शिक्षक की अर्हतायें निश्चित करना, साज-सज्जा एवं भवन आदि के पान दण्ड निश्चित करना, संस्थाओं का निरीक्षण करना तथा निर्धारित मान दण्डों का संस्था द्वारा पालन कराना इसके प्रमुख कार्यों के उपांग हैं। प्राविधिक शिक्षा संशोधन अधिनियम, 1974 के द्वारा जोड़ी गई नई धारा 22(ई) की उपधारा 5 के फलस्वरूप प्राविधिक शिक्षा परिषद् ने सम्बद्ध संस्थाओं की चयन समितियों के संगठन, उसकी बैठकों के कार्य-संचालन संभाषीय पैतलों के तैयार किये जाने तथा कुछ अन्य विषयों से सम्बन्धित विनियमों के बनाने का कार्य भी सौंपा गया है।

परिषद् से सम्बद्ध संस्थाओं की कुल संख्या 59 है जिनमें से 47 संस्थाओं में डिप्लोमा स्तर तक के पाठ्यक्रम तथा 12 संस्थाओं में केवल सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रम चल रहे हैं, जिनकी सूची संलग्न तालिका 'अ' पर दी गई है। वेस्टर्न यू० पी० प्रोजेक्टविधि काउन्सिल, मेरठ से परिषद् से पोस्ट डिप्लोमा स्तर के एक पाठ्यक्रम को चलाने हेतु सम्बद्ध है जिसके अधीन अभी तक मेरठ, गाजियाबाद, दरिभद्रा (ऋषिकेश) तथा हरिद्वार केन्द्रों पर विज्ञान एडमिनिस्ट्रेशन में दो वर्षीय पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम गत वर्ष तक चला रहीं थी परन्तु इस वर्ष उक्त चार केन्द्रों के अतिरिक्त लखनऊ में भी प्रारम्भ किया जा रहा है।

वर्तमान सत्र 1977-78 में परिषद् के अधीन चल रहे डिप्लोमा स्तर के विभिन्न पाठ्यक्रमों की सूची संलग्न तालिका 'ब' पर दी गई है।

परिषद् से सम्बद्ध केवल सर्टीफिकेट स्तर के ही पाठ्यक्रम संचालित करने वाली संस्थाओं की संख्या 12 है। उनमें चल रहे विभिन्न ट्रेडों का विवरण संलग्न तालिका 'स' पर दिया गया है। माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों में चल रहे ट्रेडों की संख्या 12 है।

राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों की लोकप्रियता में अनुभव की गई कमी को दूर करने की दृष्टि से परिषद् ने उन विद्यालयों में चल रहे तीन विषय सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रमों आदि को संशोधित कर इनको अब लोकप्रिय बना दिया है। इन विद्यालयों से प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के पश्चात् विद्यार्थी अब :—

- (1) डिप्लोमा संस्थाओं से संबंधित सिविल इंजीनियरिंग, इले० इजी०, मेके० इंजी०, आटो-मोबाइल इंजीनियरिंग तथा इलेक्ट्रानिक्स इंजी० पाठ्यक्रम में सीधे प्रवेश पा सकते हैं।
- (2) माध्यमिक शिक्षा परिषद्, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद के इण्टरमीडिएट पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष के विज्ञान वर्ग में प्रवेश पा सकते हैं। माध्यमिक शिक्षा मान्यता प्राप्त हो चुकी है।
- (3) राज्य सरकार के अधीन प्रत्येक पद के लिये, जिसके लिये सर्टीफिकेट परीक्षा उत्तीर्ण अर्हता निर्धारित है, नौकरी पा सकते हैं।

उपरोक्त के अतिरिक्त माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों के प्रमाण-पत्रों को भारत सरकार के एग्जिटिन्सशिप ऐक्ट के अन्तर्गत आई० टी० आई० की भांति मान्यता प्राप्त करने के भी प्रयास किये जा रहे हैं।

माध्यमिक प्राविधिक विद्यालयों के अतिरिक्त निम्नलिखित डिप्लोमा स्तर की संस्थाओं ने भी नियमानुसार सर्टीफिकेट स्तर के पाठ्यक्रम प्रारम्भ किये हैं:—

- (1) एम0 जी0 पालीटेकनिक, हाथरस-—रेफीजरेशन मेकेनिक ट्रेड ।
- (2) राजकीय पालीटेकनिक, बरेली— तदैव
- (3) जवाहरलाल नेहरू पालीटेकनिक महमूदाबाद—इलेक्ट्रिशियन तथा मोटर मिकेनिक ट्रेड्स ।

उपरोक्त सभी ट्रेडों के लिये प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षिक अर्हता कक्षा-8 उत्तीर्ण है । इसके अतिरिक्त सर्टीफिकेट स्तर का एक तीन-वर्षीय पाठ्यक्रम भी है, जिसमें प्रवेश अर्हता हाई स्कूल परीक्षा उत्तीर्ण है । पल्प एण्ड पेपर टेक्नालाजी—यह सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम इंस्टीट्यूट आफ पेपर टेक्नालाजी, सहारनपुर में चल रहा है ।

विकसित तकनीकी तथा उद्योगों एवं व्यवसाय के अनुरूप समय-समय पर पाठ्यक्रमों तथा पाठ्य-चर्याओं में संशोधन करने पर भी परिषद् द्वारा ध्यान दिया जाता है । इसी को दृष्टि में रखते हुए परिषद् ने विभिन्न पाठ्यक्रमों की पाठ्यचर्याओं में सन् 1974-75 से संशोधन लागू किया था । परिषद् को अपने इस कार्य में पाठ्यक्रम विकास केन्द्र, इलाहाबाद से भी सहायता मिलती रहती है ।

छात्रों की संस्था में नियमित उपस्थिति, छात्रों को नियमित रूप से सैत्रिक प्रदान अंक किये जाने तथा संस्थाओं में अनुशासन बनाये रखने से सम्बन्धित निर्देश भी परिषद् ने सन् 1974-75 से अपनी सम्बद्ध संस्थाओं को देने प्रारम्भ किये हैं और उनके अनुपालन की जांच करने हेतु परिषद् ने आकस्मिक निरीक्षण का भी प्रबन्ध किया है । अनुचित साधन प्रयोग करने की पद्धति को समाप्त करने की दृष्टि से परिषद् ने उड़नदस्तों द्वारा छापा मारने का कार्य भी प्रारम्भ किया था, जिसमें काफी सफलता प्राप्त हुई है । इसके अतिरिक्त परीक्षा के प्रश्न-पत्रों को भी नये ढंग से “आबजे विटव टाइप” के बनाने का कार्य परिषद् ने इसी दृष्टि से किया है कि विद्यार्थियों को अनुचित साधन प्रयोग करने का कम से कम अवसर प्राप्त हो ।

आशा है कि तकनीकी शिक्षा के प्रसार, शैक्षिक स्तर की उन्नति तथा विद्यार्थियों में अनुशासन उत्पन्न करने के प्रयासों में परिषद् को उत्साहप्रद सफलता मिलती रहेगी ।

## संलग्नक 'अ'

प्राविधिक शिक्षा परिषद्, उ० प्र०, लखनऊ से सम्बद्ध संस्थाओं की सूची (1977-78)

क्रमांक	संस्था का नाम	स्थापित वर्ष
1	राजकीय पालीटेकनिक, आजमगढ़	1963
2	राजकीय पाली 0, बरेली	1960
3	राजकीय पाली 0, बस्ती	1965
4	राजकीय पाली 0, द्वारहाट (अल्मोड़ा)	1975
5	राजकीय पाली 0, फैजाबाद	1963
6	राजकीय पाली 0, गोण्डा	1965
7	राजकीय पाली 0, गोरखपुर	1909
8	राजकीय पाली 0, झांसी	1960
9	राजकीय पाली 0, कानपुर	1962
10	राजकीय पाली 0, काशीपुर (नैनीताल)	1975
11	राजकीय पाली 0, खुर्जा (बुलन्दशहर) (सेठ गंगासागर जाटिया पाली 0)	1960
12	राजकीय पाली 0, लोहाघाट, (पिथौरागढ़)	1975
13	राजकीय पाली 0, लखनऊ	1892
14	राजकीय महिला पाली 0, लखनऊ	1963
15	राजकीय पाली 0, महोबा (हमीरपुर)	1976
16	राजकीय पाली 0, मिर्जापुर	1964
17	राजकीय पाली 0 मुरादाबाद	1964
18	राजकीय पाली 0, नरेन्द्रनगर (टेहरी-गढ़वाल)	1975
19	राजकीय पाली 0, श्रीनगर (गढ़वाल)	1962
20	राजकीय पाली 0, उत्तरकाशी	1975
21	राजकीय चर्म संस्थान, आगरा	1963
22	राजकीय चर्म संस्थान, कानपुर	1916
23	राजकीय केन्द्रीय वस्त्र संस्थान, कानपुर	1914
24	नारदैन रीजनल इंस्टीट्यूट आफ प्रिंटिंग टेक्नालाजी, इलाहाबाद	1957
25	इंस्टीट्यूट आफ पेपर टेक्नालाजी, सहारनपुर	1965
26	गोविन्द बल्लभ पंत पाली 0, लखनऊ	1965
27	राजकीय कालेज आफ आर्ट्स एण्ड क्राफ्ट्स, लखनऊ	1911
28	डी 0 ई 0 आई 0 टेक्निकल कालेज, दयालवाग, आगरा	1927
29	इलाहाबाद पाली 0, इलाहाबाद	1955
30	टाउन पाली 0, बलिया	1956
31	डी 0 जे 0 पाली 0, बड़ौत (भैरठ)	1956



क्रमांक	संख्या का नाम	स्थापित वर्ष
32	बी० बी० रूरल इंस्टीट्यूट, विचपुरी (आगरा)	1956
33	चन्दौली पाली०, चन्दौली (वाराणसी)	1957
34	सेठ जय प्रकाश मुकुन्दलाल पाली०, गाजियाबाद	1975
35	महाराणा प्रताप पाली०, गोरखपुर	1956
36	के० एल० पाली०, रुड़की	1956
37	हंडिया पाली०, हंडिया	1957
38	एम० जी० पाली०, हाथरस	1955
39	हीवेट पाली०, लखनऊ	1904
40	लखनऊ पाली०, लखनऊ	1922
41	पी० एम० बी० पाली०, मथुरा	1909
42	गांधी पाली०, मुजफ्फरनगर	1956
43	जवाहर लाल नेहरूपाली०, महमूदाबाद	1975
44	डी० एन० पाली०, मेरठ	1956
45	नैनीताल पाली०, नैनीताल	1957
46	फिरोज गांधी पाली०, रायबरेली	1975
47	वेस्टर्न यू० पी० प्रोडक्टिविटी काउन्सिल, मेरठ	1976
48	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, इलाहाबाद	1948
49	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, आजमगढ़	1964
50	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, बरेली	1956
51	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, दौराला (मेरठ)	1964
52	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, फैजाबाद	1950
53	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गाजीपुर	1965
54	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोण्डा	1964
55	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, गोरखपुर	1958
56	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, झांसी	1964
57	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, लखनऊ	1964
58	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मिर्जापुर	1964
59	राजकीय माध्यमिक प्राविधिक विद्यालय, मुरादाबाद	1965

## संलग्नक 'ब'

परिषद् के अधीन चल रहे डिप्लोमा स्तर के सभी पाठ्यक्रमों की सूची (1977-78)

क्रमांक	पाठ्यक्रम	अवधि
1	2	3
1	केमिकल इंजीनियरिंग .. .. .	4 वर्षीय
2	सिविल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
3	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
4	मेकेनिकल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
5	इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
6	टेक्सटाइल टेक्नालोजी .. .. .	3 वर्षीय
7	टेक्सटाइल केमेस्ट्री .. .. .	3 वर्षीय
8	प्रिंटिंग टेक्नालोजी (लीथोग्राफी) .. .. .	3 वर्षीय
9	प्रिंटिंग टेक्नालोजी (लेटर प्रेस) .. .. .	3 वर्षीय
10	आर्कीटेक्चरल असिस्टेन्टशिप .. .. .	3 वर्षीय
11	आटोमोबाइल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
12	सिविल एण्ड रूरल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
13	सिरेमिक्स इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
14	कान्सट्रक्शन टेक्नालोजी .. .. .	3 वर्षीय
15	इन्स्ट्रुमेंटेशन एण्ड कंट्रोल .. .. .	3 वर्षीय
16	कृषि अभियन्त्रण .. .. .	3 वर्षीय
17	प्रोडक्शन इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
18	टूल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
19	पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
20	प्लास्टिक टेक्नालोजी .. .. .	3 वर्षीय
21	रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग .. .. .	3 वर्षीय
22	ट्यूबवेल इंजीनियरिंग .. .. .	3 वर्षीय
23	लेदर टेक्नालोजी (टोनिंग) .. .. .	2 वर्षीय
24	स्टेनोग्राफी एण्ड सेक्रेटिरियल प्रैक्टिस .. .. .	2 वर्षीय
25	पल्प एण्ड पेपर टेक्नालोजी .. .. .	2 वर्षीय
26	फुटवियर टेक्नालोजी एण्ड गुड्स मेन्यूफैक्चर .. .. .	2 वर्षीय
27	कार्मशियल प्रैक्टिस .. .. .	2 वर्षीय
28	कस्ट्यूम डिजाइन एण्ड ड्रेस मेकिंग .. .. .	2 वर्षीय
	मैनेजमेन्ट .. .. .	2 वर्षीय

1	2	3
30	सेल्समैन शिप .. ..	2 वर्षीय
31	फार्मॅसी .. ..	2 वर्षीय
32	होम साइंस .. ..	2 वर्षीय
33	प्रोसेज डेटमेन्टेशन .. ..	2 वर्षीय (1977-78 सहारनपुर में प्रारम्भ हुआ)
<b>पोस्ट डिप्लोमा पाठ्यक्रम</b>		
34	इण्डस्ट्रियल इलैक्ट्रानिक्स (पोस्ट डिप्लोमा) .. ..	1 वर्षीय
35	बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन .. ..	2 वर्षीय
<b>अंशकालीन पाठ्यक्रम</b>		
36	इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग .. ..	4 वर्षीय
37	मैकेनिकल इंजीनियरिंग .. ..	4 वर्षीय
38	इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग .. ..	4 वर्षीय
39	टेक्सटाइल टेक्नालाजी .. ..	4 वर्षीय
40	टेक्सटाइल केमेस्ट्री .. ..	4 वर्षीय
41	प्रिंटिंग टेक्नालाजी (लीथोग्राफी) .. ..	4 वर्षीय

## संलग्नक 'स'

परिषद् के अधीन चल रहे सर्टीफिकेट स्तर के सभी पाठ्यक्रमों की सूची (1977-78)

क्रमांक	पाठ्यक्रम	अवधि
1	2	3
<b>सर्टीफिकेट पाठ्यक्रम</b>		
1	पल्प एण्ड पेपर टेक्नालोजी	3 वर्ष
2	टर्नर	3 वर्ष
3	फिटर	3 वर्ष
4	वैलडर	3 वर्ष
5	इलेक्ट्रीशियन	3 वर्ष
6	मशीनिस्ट (कम्पोजिट)	3 वर्ष
7	मोल्डर	3 वर्ष
8	ड्राफ्ट्समैन (मेकेनिकल)	3 वर्ष
9	प्लम्बर	3 वर्ष
10	मोटर मेकेनिक	3 वर्ष
11	पम्प मेकेनिक	3 वर्ष
12	रेफ्रीजरेशन मेकेनिक	3 वर्ष